दैनिक विनय उजाला

इंदौर, भोपाल, उज्जैन, अलीराजपुर से एकसाथ प्रकाशित

मूल्य ₹ 3.00

RNI. Reg. MPHIN/2013/52154

भोपाल

बुधवार, 02 अप्रैल 2025

चैत्र शुक्ल पक्ष – 04

वर्ष : 12 | अंक : 264

कुल पृष्ठ : 12

हॉकी खिलाड़ी वंदना ने लिया संन्यास... 11

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

शासकीय सेवकों को देय विभिन्न भत्तों के पुनरीक्षण होगा

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। राज्य में सुगम, सुरक्षित और विनियमित यात्री परिवहन सुविधा को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू करने कैबिनेट ने मंजूरी दी है। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया है।

इस योजना की शुरुआत के लिए राज्य सरकार ने 101 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। योजना के तहत ग्रामीण और साधारण मार्गों पर संगठित बस परिवहन सेवा को विकसित करने के लिए निजी बस ऑपरेटर्स की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। यह योजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत लागू की जाएगी, जिससे बस संचालन, अधोसंरचना निर्माण और विनियमन में पारदर्शिता आएगी।

राज्य सरकार ने परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एकीकृत परिवहन मॉडल तैयार किया है। इसमें बस अधोसंरचना का विकास किया जाएगा। जिसमें पीपीपी मॉडल के तहत बस स्टैंड, बस डिपो और अन्य सुविधाओं का निर्माण होगा। वहीं, बस संचालन एवं संधारण पर काम होगा। इसमें निजी ऑपरेटर्स को आईटी प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा।

बस संचालन के लिए नई कार्ययोजना

परिवहन सुविधा को प्रभावी और सुगम बनाने के लिए राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं—ग्रामीण एवं साधारण मार्गों का सर्वेक्षण होगा। वित्तीय दृष्टि से व्यवहार्य बस रूट्स की पहचान की जाएगी। निविदा प्रक्रिया से चयन किया जाएगा। निजी ऑपरेटर्स को पारदर्शी प्रक्रिया के तहत अनुबंधित किया जाएगा। परिवहन पर्यावरण-अनुकूल परिवहन रहेगा। ई-बस और इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशनों का विकास किया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सहायता प्राप्त की जाएगी। परिवहन सेवाओं को मजबूत करने के लिए सरकारी संपत्तियों का प्रबंधन किया जाएगा।

सात संभागीय कंपनियां होंगी गठित

वर्तमान में मध्यप्रदेश के 20 शहरों में सार्वजनिक परिवहन के लिए विशेष प्रयोजन वाहन कंपनियां कार्यरत हैं। इनमें से 16 कंपनियां सक्रिय हैं, जबकि चार कंपनियां निष्क्रिय हैं। सरकार ने निर्णय लिया है कि इन सभी को मिलाकर सात संभागीय कंपनियों में विलय किया जाएगा। इन कंपनियों का संचालन राज्य स्तरीय एक होल्डिंग कंपनी के माध्यम से किया जाएगा, जो पूरे सिस्टम की निगरानी करेगी।

निगरानी के लिए आधुनिक आईटी प्लेटफॉर्म

यात्रियों की सुविधा और बस संचालन की प्रभावी निगरानी के लिए एक उन्नत आईटी प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा, जिसमें यात्री मोबाइल ऐप के जरिए बसों की ट्रैकिंग, सीट उपलब्धता और यात्रा प्लानिंग कर सकेंगे। बस ऑपरेटर्स के लिए वीडियो ऑडिट सॉफ्टवेयर, एमआईएस डैशबोर्ड और रियल-टाइम मॉनिटरिंग की सुविधा रहेगी। सभी संभागीय और राज्य स्तरीय कार्यालयों में कंट्रोल एवं कमांड सेंटर स्थापित किए जाएंगे। बस, ऑटो, टैक्सी, ई-स्कूटर और मेट्रो सेवाओं को एकीकृत करने के लिए ट्रैवल ऐप तैयार किया जाएगा।

जिला स्तर पर भी बनेगी मॉनिटरिंग समिति

जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में एक जिला स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें सांसद, विधायक, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष और अन्य प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे। यह समिति बस परिवहन की प्रभावी निगरानी करेगी और रूट परिवर्तन, बस स्टॉप विकास और चार्जिंग स्टेशनों को लेकर सुझाव देगी।

सात प्रमुख संभागीय कंपनियों की भूमिका

सरकार द्वारा गठित होल्डिंग कंपनी के तहत सात संभागीय कंपनियां कार्य करेंगी, जिनमें भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर और रीवा शामिल हैं। ये कंपनियां यात्री बस परिवहन सेवा का संचालन करेंगी। आईटी प्लेटफॉर्म के जरिए मॉनिटरिंग करेंगी। निजी ऑपरेटर्स के साथ समन्वय स्थापित करेंगी।

शासकीय सेवकों के भत्तों में बढ़ोतरी

कैबिनेट ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के भत्तों का पुनरीक्षण करने का निर्णय लिया है। इसके तहत, कर्मचारियों को वर्तमान में मिलने वाले विभिन्न भत्तों में बढ़ोतरी की जाएगी। इस बदलाव से राज्य सरकार पर लगभग 1500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वार्षिक खर्च आएगा। शासकीय सेवकों के लिये सातवें वेतनमान में देय मूल वेतन के आधार पर ए श्रेणी के नगरों के लिए 10 प्रतिशत, बी श्रेणी के नगरों के लिए 7प्रतिशत, सी एवं डी श्रेणी के नगरों के लिए 5 प्रतिशत के आधार पर गृह भाडा भत्ता प्रदान किया जाएगा। दैनिक भत्ता, वाहन भत्ता, मील भत्ता, ठहरने की पात्रता, प्रदेश के बाहर यात्रा के दौरान स्थानीय परिवहन, स्थानांतरण पर घरेलू समान का परिवहन एवं स्थानांतरण अनुदान, स्थायी यात्रा भत्ता में मूल्य सूचकांक के आधार पर वृद्धि, की जाएगी। इसके साथ ही अतिरिक्त कार्य के लिए दोहरा भत्ता, राज्य शासन के पात्र चिकित्सकों और चिकित्सा शिक्षकों को दिए जाने वाला अव्यवसायिक भत्ता, सचिवालयीन भत्ता एवं मंत्रालयीन अधिकारियों के लिए विशेष भत्ता की स्वीकृति दी गयी है। इसके साथ ही शासकीय सेवकों की मृत्यु पर परिवार को देय अनुग्रह अनुदान वर्तमान में निर्धारित पात्रता का 2.57 गुणक के आधार पर अधिकतम 1 लाख 25 हजार रुपए तक दिया जाएगा। मंत्रालय भवन में संचालित वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली संचालनालय एवं राज्य सत्कार अधिकारी कार्यालय में पदस्थ शासकीय सेवकों को भी मंत्रालय के समकक्ष अधिकारियों के समतुल्य मंत्रालय भत्ता दिया जायेगा।

नई दिल्ली में शुरू हुआ सेना के कमांडरों का सम्मेलन, उभरती चुनौतियों पर होगी चर्चा

पहले दिन सेना के कमांडरों ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में हिस्सा लिया

नई दिल्ली, (हि.स.)

भारतीय सेना के कमांडरों का सम्मेलन मंगलवार से नई दिल्ली में शुरू हुआ, जो 04 अप्रैल तक चलेगा। सम्मेलन में समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के साथ ही उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए प्रमुख परिचालन प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। पहले दिन सेना के कमांडरों ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान किसी एक सत्र की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे और मुख्य भाषण देंगे। इस सत्र में भारतीय सेना में सुधारों के वर्ष पर एक प्रस्तुति दी जाएगी।

सेना ने एक बयान में कहा है कि भारतीय सेना के कमांडरों का यह शीर्ष-स्तरीय कार्यक्रम है। यह वैचारिक स्तर के विचार-विमर्श के लिए एक संस्थागत मंच है। यह विचार-विमर्श भारतीय सेना के लिए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लेने में मददगार होता है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान सेना के वरिष्ठ नेतृत्व को संबोधित करेंगे। सम्मेलन में नीति आयोग के सीईओ सक्षम एवं सशक्त भारत के निर्माण में सशस्त्र बलों की परिकल्पित भूमिका पर व्याख्यान देंगे।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार भारतीय सेना को चुस्त-दुरुस्त बनाने, तकनीकी रूप से सक्षम और भविष्य के लिए तैयार सेना के लक्ष्य के अनुरूप वरिष्ठ पदानुक्रम प्रभावी निर्णय लेने के लिए नई पद्धतियों की शुरुआत के लिए विशेषज्ञों के साथ गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके अलावा फील्ड आर्मी की प्रक्रियाओं को आसान बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाना है, ताकि उन्हें अधिक स्थायी और उत्तरदायी बनाया जा सके। सम्मेलन में सैनिकों और उनके परिवारों के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से कर्मियों के कल्याण संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी।

रक्षा मंत्रालय ने मौजूदा और भविष्य के सुधारों को गति देने के लिए 2025 को सुधारों का वर्ष के रूप में मनाने का फैसला लिया है। इसका उद्देश्य सशस्त्र बलों को बहुक्षेत्रीय एकीकृत संचालन में सक्षम तकनीकी रूप से उन्नत युद्ध-तैयार बल में बदलना होगा। यह वर्ष रक्षा तैयारियों में अभूतपूर्व प्रगति की नींव रखने के साथ ही 21वीं सदी की चुनौतियों के बीच भारत की सुरक्षा और संप्रभुता सुनिश्चित करेगा।

संक्षिप्त समाचार

बुलडोजर से घरों को गिराने पर यूपी सरकार को सुप्रीम फटकार

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने घरों को अवैध रूप से गिराने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार और प्रयागराज विकास निकाय को फटकार लगाई। प्रयागराज में बुलडोजर से घरों को गिराने पर अदालत ने कहा, 'यह हमारी अंतरात्मा को झकझोरता है। आश्रय का अधिकार और कानून की उचित प्रक्रिया नाम की भी कोई चीज होती है। देश में कानून का शासन है और नागरिकों के आवासीय ढांचों को इस तरह से नहीं गिराया जा सकता।% साथ ही, एससी ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण को 6 हफ्ते के भीतर मकान मालिकों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया।

पुतिन ने बोले- मंजूर नहीं सीजफायर समझौता

नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को गच्चा दे दिया है। रूस ने कहा है वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रखे गए यूक्रेन युद्धविराम के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रहा है, लेकिन उसे डील का मौजूदा स्वरूप मंजूर नहीं है। रूसी सरकारी मीडिया आउटलेट्स का हवाले से डेली मेल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मॉस्को ने अमेरिकी प्रस्ताव को मानने से इनकार कर दिया है लेकिन मांगों की एक लिस्ट भी जारी की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने कहा, हम अमेरिकियों द्वारा प्रस्तावित मॉडल और समाधानों को बहुत गंभीरता से लेते हैं, लेकिन हम इसे इसके वर्तमान स्वरूप में स्वीकार नहीं कर सकते।

संसद में आज पेश होगा वक्फ संशोधन बिल, हंगामें के आसार

सभी सांसद हाजिर रहें... भाजपा ने जारी की व्हिप

नई दिल्ली

लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पर वोटिंग होनी है। इसके लिए भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने कमर कस ली है। यहां तक कि भाजपा ने मंगलवार को ही व्हिप जारी कर दी है और अपने सभी सांसदों से लोकसभा में मौजूद रहने को कहा है। पार्टी की ओर से जारी व्हिप में कहा गया कि बुधवार को सदन में अति महत्वपूर्ण विधायी कार्य है। उन्हें पारित करने के लिए सभी लोग पार्टी का समर्थन करें और वोटिंग करें। व्हिप में सभी सांसदों से पूरे दिन सदन में ही मौजूद रहने को कहा गया है। भाजपा के पास लोकसभा में 240 सांसद ही हैं।

सरकार जेडीयू और टीडीपी पर निर्भर है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि इस विधेयक को लेकर किस दल का क्या रुख रहेगा। अब तक चिराग पासवान की पार्टी लोजपा-आर ने खुलकर समर्थन नहीं किया है, लेकिन विपक्ष को मुसलमानों को डराने से बचने की नसीहत दी है। इसी तरह जेडीयू का स्टैंड भी क्लियर नहीं है। ललन सिंह ने कहा कि हम लोकसभा में ही अपना रुख स्पष्ट करेंगे। इसके चलते सस्पेंस भी बढ़ गया है कि आखिर क्या होगा। वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने दावा किया है कि सरकार को अपने सहयोगी दलों के अलावा विपक्ष के भी कुछ सांसदों का समर्थन हासिल है।

सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि विधेयक पर सदन में आठ घंटे की प्रस्तावित चर्चा के बाद अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू जवाब देंगे। इस विधेयक को पारित कराने के लिए सदन की मंजूरी लेंगे। विधेयक को लेकर कांग्रेस पार्टी का एजेंडा साफ है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी का मानना है कि वक्फ संशोधन विधेयक को संसद में पेश करने के पीछे केंद्र सरकार की मंशा ठीक नहीं है।

कांग्रेस के इस रुख से उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी, बिहार का राष्ट्रीय जनता दल भी इत्तेफाक रखता है। वक्फ संशोधन बिल को लेकर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रतिक्रिया दी है।

बहस के बाद मीटिंग छोड़ आए विपक्ष के नेता

कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में विपक्ष ने विधेयक पर चर्चा के लिए 12 घंटे का समय आवंटित करने की मांग की, जबकि सरकार ने कम समय रखने पर जोर दिया ताकि अन्य विधायी कामकाज निपटाया जा सके। इस मुद्दे पर बीएसी बैठक में सरकार और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई और विपक्षी दलों के नेता बैठक छोड़कर बाहर आ गए। हालांकि बाद में रीजिजू ने संसद परिसर में मीडिया से कहा कि कुछ दल चार से छह घंटे की चर्चा चाहते थे, वहीं विपक्ष 12 घंटे की चर्चा कराने पर अड़ा रहा।

टाइगर मेमन की संपत्तियों पर होगा सरकार का कब्जा

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने आदेश दिया कि महानगर में 1993 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के कथित मुख्य साजिशकर्ता में से एक टाइगर मेमन तथा उसके परिवार की 14 संपत्तियां केंद्र सरकार को सौंपी जाएंगी। आतंकवादी और विध्वंसकारी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम-1987 (टाडा) अदालत के आदेश के बाद ये संपत्तियां 1994 से बंबई उच्च न्यायालय के 'रिसीवर' के कब्जे में थीं। मेमन की 14 संपत्तियों में बांद्रा (पश्चिम) की एक इमारत में एक फ्लैट, माहिम में एक कार्यालय परिसर, माहिम में एक भूखंड, सांताक्रूज (पूर्व) में एक भूखंड और एक फ्लैट, कुर्ला की एक इमारत में दो फ्लैट, मोहम्मद अली रोड पर एक कार्यालय, डोंगरी में एक दुकान और भूखंड, मनीष मार्केट में तीन दुकानें और मुंबई की शेख मेमन स्ट्रीट पर स्थित एक इमारत शामिल है।

ड्रैगन-हाथी टैंगो के रूप में मजबूत हों रिश्ते

जिनपिंग ने भारत की ओर बढ़ाया दोस्ती का हाथ

नई दिल्ली

चीन ने एक बार फिर भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को कहा कि चीन और भारत को और अधिक निकटता से मिलकर काम करना चाहिए। दोनों देशों रिश्ते को ड्रैगन-हाथी टैंगो का रूप लेना चाहिए। यह हमारे प्रतीकात्मक जानवरों के बीच नृत्य है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चीन-भारत के राजनयिक संबंधों की शुरुआत की 75वीं वर्षगांठ पर बधाई संदेश में चीनी राष्ट्रपति ने यह बात कही। इस मौके पर राष्ट्रपति मुर्मू ने भी चीनी राष्ट्रपति को बधाई दी।

शी जिनपिंग ने कहा कि पड़ोसियों को शांतिपूर्ण ढंग से सह-अस्तित्व के तरीके ढूंढने चाहिए। वह प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मामलों में संचार और समन्वय को बढ़ाने, सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त रूप से शांति की रक्षा करने के लिए तैयार हैं। राष्ट्रपति शी ने मुर्मू को भेजे अपने संदेश में कहा कि चीन और भारत दोनों प्राचीन सभ्यताएं, प्रमुख विकासशील देश और वैश्विक दक्षिण के महत्वपूर्ण सदस्य अपने-अपने आधुनिकीकरण प्रयासों के महत्वपूर्ण चरण में हैं। चीन-भारत संबंधों का विकास दर्शाता है कि चीन और भारत के लिए पारस्परिक उपलब्धि के भागीदार बनना और ड्रैगन हाथी टैंगो को साकार करना सही विकल्प है, जो दोनों देशों और उनके लोगों के मौलिक हितों की पूरी तरह से रक्षा करता है।

अधिक भारतीय उत्पाद खरीदने को तैयार है चीन

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ खतरे को देखते हुए चीन के राजदूत ने बड़ी घोषणा की है। बीजिंग के राजदूत जू फेइहोंग ने अमेरिकी टैरिफ की घोषणा से ठीक पहले कहा है कि चीन व्यापार संतुलन बनाने के लिए और अधिक भारतीय उत्पाद खरीदने को तैयार है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने सोमवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में चीन के राजदूत के हवाले से बताया गया है, हम व्यापार और अन्य क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग को मजबूत करने और चीनी बाजार के लिए उपयुक्त अधिक भारतीय उत्पादों का आयात करने के लिए भारतीय पक्ष के साथ काम करने को तैयार हैं।

पिछले एक साल में 4515 बच्चों को लिया गया गोद, 12 सालों में सबसे अधिक

नई दिल्ली, (हि.स.)

देश में पिछले एक साल में यानि वित्त वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड 4,515 बच्चों को गोद लिया गया। यह संख्या 2015-16 के बाद से अब तक की सबसे अधिक है। केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (कारा) ने 8,598 नए पहचाने गए बच्चों को गोद लेने वाले पूल में शामिल किया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि जरूरतमंद बच्चों को प्यार करने वाले परिवार मिलें। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने गोद लेने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए राज्य सरकारों के समन्वय में 245 नई गोद लेने वाली एजेंसियां स्थापित की गईं। इस प्रगति में व्यापक प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान ने अहम भूमिका निभाई।

मंगलवार को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि कारा ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यक्रम आयोजित किए, साथ ही 45 वर्चुअल प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए, जिसमें गोद लेने की समयसीमा, सीडब्ल्यूसी सदस्यों का प्रशिक्षण, पालन-पोषण की देखभाल और बच्चों और संभावित दत्तक माता-पिता के लिए गोद लेने संबंधी परामर्श शामिल थे।

इसके अलावा, गोद लेने के बारे में जागरूकता अभियान के हिस्से के रूप में, कारा ने अक्टूबर 2024 से जनवरी 2025 तक दत्तक माता-पिता के साथ बैठकें आयोजित करने के लिए 16 राज्यों के साथ भागीदारी की। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर की उपस्थिति में नवंबर 2024 में वार्षिक सम्मेलन भी आयोजित किया गया, जिसमें पालन-पोषण की देखभाल और गोद लेने की वकालत पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें 500 से अधिक हितधारकों ने भाग लिया।

धामी सरकार अलर्ट मोड पर, उत्तराखंड चारधाम यात्रा रूट पर क्वारंटीन होंगे

केदारनाथ धाम के कपाट खुलने से पहले मिला खतरनाक वायरस

देहरादून

उत्तराखंड चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले एक टेंशन भरी खबर सामने आई है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम के कपाट खुलने से पहले घोड़े और खच्चरों में एक्वाईन इन्फ्लुएंजा वायरस मिला है। यात्रा रूट पर 12 अश्ववंशीय पशुओं में वायरस मिलने के बाद धामी सरकार अलर्ट मोड पर आ गई है।

पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने मंगलवार को सचिवालय में बैठक आयोजित कर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया है कि चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले और यात्रा के दौरान घोड़े-खच्चरों की वायरस को लेकर ठीक ढंग से स्क्रीनिंग पर फोकस करने को कहा गया है।

मंत्री बहुगुणा ने सख्त वार्निंग देते हुए कहा कि लापरवाही करने वाले अफसरों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त से सख्त ऐक्शन लिया जाएगा। पूर्वाह्न आयोजित बैठक में अफसरों ने कैबिनेट मंत्री बहुगुणा को जानकारी दी कि रुद्रप्रयाग में 12 अश्ववंशीय पशुओं में एक्वाईन इन्फ्लुएंजा की पुष्टि हुई है, जिन्हें क्वारंटीन कर दिया गया है।

यह बीमारी अन्य अश्ववंशीय पशुओं में तेजी से फैलती है, इसके मद्देनजर संबंधित घोड़े-खच्चरों के मालिकों को इन्हें अन्य जानवरों से दूर रखने की हिदायत दी गई है। मंत्री बहुगुणा ने उत्तराखंड के सभी पशु रोग नियंत्रण चौकियों पर अश्ववंशीय पशुओं की स्क्रीनिंग करने को निर्देशित किया है। इसके अलावा, रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी को उक्त रोग का संक्रमण रोकने के लिए सभी ऐहतियात बरतने की हिदायत दी है।

उत्तराखंड के सीमावर्ती इलाकों को भी अलर्ट : उत्तराखंड चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालु बड़ी संख्या में केदारनाथ और यमुनोत्री धाम घोड़े-खच्चरों से सफर करते हैं। राज्य के बाहर से भी यहां घोड़े-खच्चर आते हैं। विभागीय मंत्री ने पशुपालन विभाग के अफसरों को राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों पर भी अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी घोड़ा बिना स्वास्थ्य परीक्षण के जाने नहीं दिया। उन्होंने दवाइयों की उपलब्धता भी सुनिश्चत करने को कहा है।

मुक्तेश्वर संस्थान में होगी सैंपलों की जांच

उत्तराखंड के पांच जिलों के सभी घोड़े-खच्चरों के सीरोलोजिकल सैंपल लिए जाएंगे, जिनकी जांच इंडियन वेटरी रिसर्च इंस्टीट्यूट मुक्तेश्वर में कराई जाएगी। यदि कोई अश्ववंशीय पशु पॉजिटिव पाया जाता है तो उसे क्वारंटीन किया जाएगा। फिर 12 दिन बाद उसका सैंपल लेकर जांच कराई जाएगी। रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद उसे यात्रा में ले जाने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए संबंधित मालिक को यह रिपोर्ट दिखानी पड़ेगी।

रुद्रप्रयाग में बनेंगे दो क्वारंटीन सेंटर

कैबिनेट मंत्री बहुगुणा ने बताया कि ऐहतियात के मद्देनजर रुद्रप्रयाग जिले में दो क्वारंटीन सेंटर बनाए जाएंगे। इनमें एक फाटा और दूसरा कोटमा में बनेगा। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा में किसी भी रोगग्रस्त घोड़े-खच्चर को ले जाने की अनुमति नहीं जाएगी।

दैनिक विनय उजाला

संक्षिप्त समाचार

मंत्री पटेल की अध्यक्षता में नर्मदा परिक्रमा पथ और अन्य विषयों पर बैठक

भोपाल, निप्र। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में नर्मदा परिक्रमा पथ के साथ ही अन्य विषयों पर विभागीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मंत्री श्री पटेल ने अधिकारियों से नर्मदा परिक्रमा को ध्यान में रखकर रेडी टू स्टे आश्रय के निर्माण पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि करीब डेढ़ एकड़ में आश्रय का निर्माण किया जा सकता है, जिसमें पेड़ पौधे लगाने के साथ ही रुकने-ठहरने की अच्छी व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा सकती है। मंत्री श्री पटेल ने चातुर्मास करने वालों के लिए विशेष प्रबंध करने को लेकर भी अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मदद के लिए स्वयं पहल करने वाले लोगों या समितियों को इसमें शामिल किया जा सकता है। नर्मदा परिक्रमा पथ के चिन्हांकन के लिए इस बार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अत्याधुनिक तकनीक का सहारा ले रहा है। इसके लिए एक सॉफ्टवेयर का निर्माण किया गया है, जिसपर ल्द्धस्र की अत्याधुनिक तकनीकों को शामिल किया गया है। मंत्री श्री पटेल ने इस सॉफ्टवेयर की तारीफ़ करते हुए कहा कि इसकी मदद से नर्मदा परिक्रमा आसान होगी और इसका प्रयोग ग्रे वॉटर मैनेजमेंट के साथ साथ विभाग की अन्य गतिविधियों में भी बहुत काम आयेगा।

जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह की अध्यक्षता में हुई अंतर्विभागीय समिति की बैठक

भोपाल, निप्र। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को विभिन्न विभागों द्वारा प्रदाय छात्रवृति योजनाओं के सरलीकरण, एकरूपता एवं छात्रावास व्यवस्था में सुधार के संबंध में, जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर डॉ. विजय शाह की अध्यक्षता में गठित अंतर्विभागीय समिति की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित की गई। बैठक में स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्रीश्री इंदर सिंह परमार, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर और लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल और अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में छात्रवृत्ति योजनाओं के सरलीकरण एवं एकरूपता के लिए विद्यार्थियों की छात्रवृत्तियों को समेकित करने, छात्रवृत्तियों की स्वीकृति एवं वितरण, छात्रावास संचालन के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए गए अलग-अलग प्रावधानों की एकरूपता और छात्रावास संचालन में प्रभावी सुधार के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विद्यार्थियों के हितों से जुड़े विविध विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

मंत्री श्रीमती उइके ने सिंगरौली में स्कूल चले हम अभियान का किया शुभारंभ

भोपाल, निप्र। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री एवं सिंगरौली जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने खुटार मे स्कूल में प्रवेश उत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा सूर्य की तरह अज्ञानता के अंधेरे को दूर करती है, कोई भी बच्चा स्कूल में प्रवेश से वंचित न रहे। प्रदेश में आज से नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हो गया है। इस अवसर पर सभी जिलों में प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेशोत्सव मनाया जा रहा है। मंत्री श्रीमती उइके ने विभिन्न विद्यालयों में आयोजित समारोहों में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने नौनिहालों के माथे पर तिलक लगाकर और पाठ्य पुस्तक वितरण कर विद्यालय में प्रवेश कराया। मंत्री श्रीमती उइके ने प्रवेशोत्सव में कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प है कि कोई भी छात्र-छात्रा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने अपने छात्र जीवन की कठिनाइयों को साझा करते हुए कहा कि अब परिस्थितियाँ बदल गई हैं।

मध्यप्रदेश में अब पुलिस अधीक्षक कर डीएसपी के ट्रांसफर

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय ने एक नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत अब पुलिस अधीक्षकों को उप पुलिस अधीक्षकों के तबादले का अधिकार मिलेगा। यह कदम तबादला प्रक्रिया को तेज करने और कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। अभी तक पुलिस मुख्यालय से डीएसपी और एसडीओपी स्तर के अधिकारियों के स्थानांतरण के लिए अनुमति प्राप्त करनी पड़ती थी, जिसमें समय लगता है। अब पुलिस अधीक्षकों को यह अधिकार देने से यह प्रक्रिया तेज होगी और तात्कालिक समस्याओं का समाधान जल्दी हो सकेगा।

मध्य प्रदेश के छोटे जिलों में आमतौर पर 5 से 7 डीएसपी होते हैं, जबकि बड़े जिलों में यह संख्या 10 से अधिक हो सकती है। डीएसपी अधिकारियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होती है और कभी-कभी उन्हें तत्काल स्थानांतरण की आवश्यकता होती है, जो अब पहले से कहीं अधिक प्रभावी तरीके से हो सकेगा। इस नई व्यवस्था में, स्थानांतरण से पहले प्रभारी मंत्री की अनुशंसा आवश्यक होगी। अधिकारियों का मानना है कि यह कदम जिलों में कानून-व्यवस्था में सुधार लाएगा और पुलिस व्यवस्था को और बेहतर बनाएगा। यह नई व्यवस्था अप्रैल से लागू होने की संभावना है। इसको लेकर राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी दो धड़ों में बंट गए है। राज्य पुलिस सेवा के सोशल मीडिया ग्रुप्स में इस प्रस्ताव का जबरदस्त विरोध हो रहा है। कुछ अफसरों ने बिना हस्ताक्षर के ज्ञापन भी भेजा है, जिसमें मांग की गई है कि यदि यह व्यवस्था लागू होती है, तो इसे आईजी स्तर से अनुमोदित किया जाए ताकि निष्पक्षता बनी रहे।

एसपी को अधिक स्वतंत्रता मिलेगी

समर्थकों का मानना है कि इस बदलाव से जिले में कानून-व्यवस्था को बनाए रखने में एसपी को अधिक स्वतंत्रता मिलेगी। उनका कहना है कि जिस तरह जिलों में एसडीएम की नियुक्ति का अधिकार कलेक्टर के पास होता है, उसी तरह एसपी को भी अपने जिले में डीएसपी की पोस्टिंग का अधिकार मिलना चाहिए। इससे पुलिस प्रशासन को अधिक कुशलता से चलाया जा सकेगा।

राज्य स्थापना दिवस हमारी मूल पहचान और सम्मान को बढ़ाने का संकल्प दिवस : राज्यपाल

राजभवन में हुआ बिहार, राजस्थान और ओडिशा के स्थापना दिवस का संयुक्त समारोह

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि राज्यों का स्थापना दिवस पर हमारे देश की मूल पहचान और सम्मान को बढ़ाने का संकल्प दिवस है। इसे अपनी विरासत को विश्व के कोने-कोने तक पहुँचाने के संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए।

हमारे सभी राज्यों ने हमेशा अपनी धरोहर, संस्कृति और परंपराओं के सम्मान के द्वारा राष्ट्रीय गौरव को बढ़ाया है। इस गौरवपूर्ण धरोहर को सहेजने और उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य करना हम सभी का परम दायित्व है। उन्होंने कहा कि राज्यों के स्थापना दिवस देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के उत्सव है। भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता की धरोहरों के संरक्षण, संकल्प 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का शानदार प्रदर्शन है। राज्य का स्थापना दिवस को मनाना प्रगति और विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करने का प्रसंग है। राज्यपाल पटेल राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित बिहार, राजस्थान और ओडिशा के स्थापना दिवसों के संयुक्त समारोह में राज्यों के मूल निवासी मध्यप्रदेश में निवासरत नागरिकों को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के. सी. गुप्ता, पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर परिक्षेंत्र सुश्री प्रीति अग्रवाल, निदेशक डाक सेवाएं श्री भरत कुमार डालमिया और राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव मंचासीन थे। इस अवसर पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सिकल सेल एनीमिया रोग जन जागृति पर डाक विभाग द्वारा जारी विशेष आवरण एवं विरूपण मोहर का अनावरण किया।

राजस्थान ने मानवता के उत्थान में दिया योगदान

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि वीरों की भूमि राजस्थान ने हमेशा मानवता के उत्थान में योगदान दिया है। हमेशा देश और दुनिया को अपनी कला, साहित्य, इतिहास और भव्यता से मंत्रमुग्ध किया है। राजस्थान राज्य का गठन केवल प्रशासनिक घटना नहीं, राज्य की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान मिलने का प्रसंग था। राजस्थान की विविधता और उसकी संपूर्णता की पहचान उसकी संस्कृति, रीति-रिवाज, लोककला, संगीत, नृत्य और वस्त्रों में बसी हुई है। यहाँ की लोक कला, संगीत और नृत्य ने विश्वभर में राजस्थान का नाम रोशन किया है। यहां का थार रेगिस्तान, अरावली की पहाड़ियाँ, ऐतिहासिक किले और मंदिर राज्य की अद्वितीय प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाते हैं। राज्यपाल ने समारोह में विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के कलाकारों को उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए बधाई दी।

राज्यों के सांस्कृतिक वैभव का हुआ प्रदर्शन

समारोह में बिहार, राजस्थान और ओडिशा के राज्यों की सांस्कृतिक विरासत पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई। बिहार सांस्कृतिक परिषद भोपाल के कलाकार सुश्री नीतू सक्सेना एवं साथियों ने बिहारी के लोक नृत्य 'अब हम चलते हैं बिहार की ओर और देखते हैं बिहार सांस्कृतिक परिषद भोपाल के द्वारा तैयार बिहारी लोक नृत्य झिझिया, चैती, चैतावर गीत, कज़री, छठपूजा की झलक और बिहारगान की संयुक्त प्रस्तुति दी। राजस्थान सांस्कृतिक परिषद के कलाकारों सुश्री ॠचा सैनी, रूचि एवं साथियों ने कालबेलिया, सुश्री नेहा एवं साथियों ने 13 ताली नृत्य की प्रस्तुति दी। उतकल सांस्कृतिक परिषद के कलाकारों ने संबलपुरी नृत्य, लोक गीत एवं लोक नृत्य की सामूहिक एवं सुश्री तनीषा पानी ने मंगलाचरण एवं शिव स्तुति पर आधारित एकल ओडिशी नृत्य प्रस्तुत किया।

चैत्र नवरात्र पर महिलाओं की मंडली ने किया भजन-कीर्तन

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर श्रद्धालु भक्तिभाव से माता रानी की आराधना में लीन हो रहे हैं। इसी क्रम में शहर के मीनाल रेसिडेंसी स्थित मीनालेश्वर मंदिर में भजन मंडली द्वारा नौ दिवसीय भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाता है।इसी तारतम्य में लगातार भजन कीर्तन का आयोजन किया गया है। इस आयोजन का नेतृत्व लक्ष्मी यादव ने किया, जिसमें मोहल्ले की अनेक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंदिर परिसर में मंदिर के पुजारी पंडित राजाबाबू दुबे द्वारा पहले विधिवत पूजा-अर्चना कर माता रानी की चौकी स्थापित की। इसके पश्चात महिलाओं की मंडली ने सामूहिक रूप से मां के भजनों का गान किया। भजन-कीर्तन के दौरान मां शेरा वालिए, शेर पर सवार और ध्यानू भक्त जैसे भजन गाए गए, जिनके साथ भक्तों ने श्रद्धा और भक्ति भाव से नृत्य भी किया। इस भजन-कीर्तन के आयोजन से भक्तों में नई ऊर्जा और आस्था का संचार हुआ। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भजन गाकर माता रानी की आराधना की और भक्तिमय वातावरण में डूब गए। इस दौरान महिला भजन मंडली की सदस्यों ने भी आयोजन में सक्रिय योगदान दिया। मीनालेश्वर मंदिर में आयोजित यह भजन-कीर्तन नवरात्रि पर्व की आध्यात्मिक महत्ता को दर्शाता है और समाज में धार्मिक एवं सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ करता है।

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 12 हजार 958 करोड़ का किया राजस्व संग्रहण

भोपाल, निप्र। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 12 हजार 958 करोड़ रूपए का राजस्व संग्रहित किया हैं। यह कंपनी का अब तक का सर्वाधिक राजस्व संग्रहण हैं। कंपनी की इस उपलब्धि पर प्रदेश के ऊर्जामंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कंपनी के कार्मिकों को बधाई दी हैं, और बिल राशि जमा करने वालों के प्रति भी आभार माना हैं।

मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि मार्च में कंपनी ने सतत ही उपभोक्ताओं से संपर्क कर बकाया राशि वसूली के लिए महा-अभियान चलाया गया। सभी पुराने बकायादार उपभोक्ताओं से संपर्क किया गया था। इसी कारण मार्च में कंपनी को 28 लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं से बिजली बिल बकाया राशि प्राप्त हुई हैं। श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि मार्च में कंपनी के कुल 1866 करोड़ रूपए एवं वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 12958 करोड़ रूपए की राशि प्राप्त हुई हैं। प्रबंध निदेशक श्री सिंह ने बताया कि इस बिल राशि राजस्व संग्रहण में लाखों बिजली उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिल रकम चुकाने के योगदान के साथ ही कंपनी के हजारों कार्मिकों का राजस्व लक्ष्य अर्जित करने को लेकर समर्पण भी शामिल हैं।

कांग्रेस ने मंत्री बागरी के जाति प्रमाण पत्र को लेकर खोला मोर्चा

भोपाल, निप्र। मध्यप्रदेश सरकार की राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र को लेकर एमपी कांग्रेस के अनुसूचित जनजाति विभाग ने मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना है कि मंत्री बागरी का जाति प्रमाण पत्र फर्जी तरीके से बनाया गया है। जांच कराने की मांग को लेकर मंगलवार को भोपाल में कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल के साथ अनुसूचित जाति कल्याण विकास विभाग छानबीन समिति के आयुक्त के नाम शिकायती पत्र विभाग के सहायक आयुक्त को दिया। और जाति प्रमाण पत्र छानबीन समिति के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराई।

आयुक्त की गई शिकायत पत्र में कहा गया है कि भाजपा सरकार में मंत्री प्रतिमा बागरी का अनुसूचित जाति वर्ग का जाति प्रमाण पत्र अवैध रूप से जारी किया गया है, वे अनुसूचित जाति वर्ग की न होकर ठाकुर,राजपूत समाज से आती हैं। जिससे अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के अधिकारों का हनन बागरी द्वारा किया गया है। वहीं अहिरवार के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने छानबीन समिति को शपथ पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज सौंपे हैं। अहिरवार ने कहा कि विंध्य, बुंदेलखंड, और महाकौशल क्षेत्र के बागरी अनुसूचित जाति वर्ग से संबंध न रखने के बावजूद, जाति नाम की समानता के आधार पर मालवा और निमाड़ क्षेत्र के वास्तविक अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। छानबीन समिति को सभी दस्तावेज शपथ पत्र सहित सौंपे हैं। हमारी मांग है कि प्रतिमा बागरी का जाति प्रमाण पत्र रद्द किया जाए।

गोदामों के निरीक्षण में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध करें सख्त कार्यवाही

खाद्य मंत्री राजपूत ने वेयरहॉउसिंग कॉर्पोरेशन की संचालक मंडल की बैठक में दिये निर्देश

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। गोदामों का नियमानुसार निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन कराया जाये। इस कार्य में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करें।

उपार्जित खाद्यान्न के भंडारण के साथ ही शासकीय गोदामों में उपलब्ध रिक्त क्षमता के उपयोग के लिये अन्य वैकल्पिक व्यवसाय प्राप्त करने के प्रयास करें। शासकीय गोदामों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करें। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने यह निर्देश मध्यप्रदेश वेयरहॉउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन की संचालक मंडल की बैठक में दिये। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि निगम की वर्ष 2016 के बाद प्रतिवर्ष की जाने वाली भंडारण शुल्क दरें पुनरीक्षित नहीं की गई हैं। इस कार्य में देरी करने वाले तत्कालीन शाखा प्रभारी रहे महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी करें। उन्होंने नियमानुसार 1 अप्रैल 2025 से नवीन दरें लागू करने की स्वीकृति भी दी।

मंत्री राजपूत ने कहा कि निगम द्वारा प्रस्तावित नवीन बीमा पॉलिसी में पुरानी पॉलिसी में लागू प्रावधानों के साथ ही अन्य नुकसानों का अधिकतम कवरेज करने का भी प्रावधान करें। साथ ही नवीन पॉलिसी तत्काल लागू करने की कार्यवाही करें।

गोदामों में भंडारण की समय-सीमा निर्धारित करें

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि गोदामों में उपार्जित अनाज के भंडारण की समय-सीमा निर्धारित की जाये। मैकेनाईज्ड सीड सेग्रीगेशन मशीन का उपयोग सुनिश्चित करें। मशीनों की गुणवत्ता का भी परीक्षण कराया जाये। श्री राजपूत ने कहा कि निगम अंतर्गत निर्माण शाखा सहित अन्य शाखाओं में रिक्त पदों पर संविदा नियुक्ति की कार्यवाही जल्दी करें। वर्ष 2020-21 में निगम अंतर्गत धान के रखरखाव के लिये अधिकृत की गई कंपनी द्वारा बरती गई लापरवाही के कारण निगम को हुई आर्थिक क्षति की प्रतिपूर्ति कंपनी से सुनिश्चित की जाये। इसके लिये प्रचलित आर्बीटेशन प्रकरण में शासन का पक्ष मजबूती से रखें। स्थानांतरण नीति बनाने में विलंब नहीं करें। नियमानुसार दिव्यांग जनों की भर्ती प्रक्रिया समय-सीमा में पूरी करें। उन्होंने कहा कि केप पर भंडारण अति आवश्यक होने पर ही किया जाये।

एमएसएमई इकाइयों को भी 1075 करोड़ रुपये के लंबित इन्सेन्टिव के भुगतान की पहल

मध्यप्रदेश उद्योगों को प्रोत्साहन देने वाला प्रथम राज्य : मुख्यमंत्री

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश उद्योग क्षेत्र को प्रोत्साहन देने वाला ऐसा राज्य है जहां औद्योगिक इकाइयों को राशि के भुगतान का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। ऐसा कोई भी भुगतान लंबित नहीं है जो औद्योगिक इकाइयों को देय था। ऐसा कार्य करने वाला मध्यप्रदेश प्रथम राज्य है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट की बैठक के पहले मंत्रिगण को दिए संबोधन में राज्य शासन की प्राथमिकताओं और गतिविधियों से अवगत करवाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ऐसा एकमात्र राज्य है जहां वृहद और लघु सूक्ष्म, मध्यम उद्योगों के समस्त देयकों का भुगतान पूर्ण हो चुका है। राज्य शासन औद्योगिकीकरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। वृहद औद्योगिक इकाइयों को वर्ष 2024-25 में कुल 3100 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया। औद्योगिक विभाग के अंतर्गत वृहद औद्योगिक इकाइयों को आज 702 करोड़ रुपये के इन्सेन्टिव का भुगतान करने का कार्य किया गया। एमएसएमई विभाग के अंतर्गत औद्योगिक इकाइयों को 1075 करोड़ रुपये के लम्बित इन्सेन्टिव का भुगतान किया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में एमएसएमई इकाइयों को कुल 2162 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। इसी तरह आज राज्य सरकार डीबीटी के माध्यम से एमएसएमई और वृहद इकाइयों के लिए 1777 करोड़ रुपये की देय इन्सेन्टिव राशि का भुगतान कर रही है। इससे 2500 से अधिक औद्योगिक इकाइयां लाभान्वित होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस

सफलता के लिए मंत्री परिषद सदस्यों को बधाई भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सर्वप्रथम सभी मंत्रियों को भारतीय नव वर्ष विक्रम संवत-2082 प्रारंभ होने की बधाई और मंगलकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा का अपना महत्व है। प्रदेश में गुड़ी पड़वा पर्व का ऐतिहासिक आयोजन किया गया। इस आयोजन का वेबकास्ट भी किया गया। यह सौभाग्य की बात है कि सम्राट विक्रमादित्य मध्यप्रदेश से हैं। विक्रम संवत शुभारंभ पर महत्वपूर्ण प्रकल्प प्रदेश में प्रारंभ हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत एक अप्रैल से प्रवेशोत्सव प्रारंभ हुआ है। इस अभियान के तहत चार दिवसीय विशेष गतिविधियां हो रही हैं। मंत्रीगण अपने प्रभार के जिले में एक से चार अप्रैल तक प्रवेश उत्सव को सफल बनाने का प्रयास करें। राज्य में लगभग 85 लाख विद्यार्थियों को सत्र के प्रारंभ में ही पाठ्य पुस्तकें प्रदान करने का निर्णय लिया गया। प्रवेशोत्सव में इसी माह स्कूल की किताबें बांटी जानी हैं। इसके साथ ही सांस्कृतिक गतिविधियां, खेलकूद और विशेष भोज के आयोजन करना भी नियत किया गया है। कैलेंडर तैयार कर गतिविधियों का क्रियान्वयन का कार्य किया जा रहा है।

उद्योगों में कार्यरत बहनों को रहवास सुविधा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केंद्र सरकार ने विशेष केंद्रीय सहायता से प्रदेश की औद्योगिक कामकाजी बहनों की रहवास सुविधा के लिए 284 करोड़ रुपए की राशि 5 120 महिलाओं के लिए हॉस्टल की सुविधा के लिए स्वीकृत की गई है। ये हॉस्टल पीथमपुर, मंडीदीप, मालनपुर, विक्रम उद्योगपुरी, झाबुआ, सिंगरौली, देवास और नर्मदापुरम् में स्वीकृत किए गए हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में इस महती योजना के स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मध्यप्रदेश सरकार आभार व्यक्त करती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जानकारी दी कि आगामी 27 अप्रैल को इंदौर में आईटी कॉन्क्लेव का आयोजन होगा। सूचना प्रौद्योगिकी की दृष्टि से मध्यप्रदेश में इंदौर संभावना से भरा क्षेत्र है। यहां देश-विदेश की लगभग 200 कंपनियों की भागीदारी रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि 30 मार्च से यह अभियान प्रारंभ किया है। अभियान आगामी 30 जून तक चलना है। प्रदेश में 90 दिन से अधिक चलने वाले इस अभियान के निश्चित ही अच्छे परिणाम आएंगे। ऐसा विश्वास है कि इस अभियान को सरकार और समाज द्वारा संयुक्त रूप से क्रियान्वित कर सफल बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी 2600 रुपये प्रति क्विंटल की जा रही है। जिले के प्रभारी मंत्री और जनप्रतिनिधि तोल कांटे आदि व्यवस्थाओं का अवलोकन कर इस कार्य के सुचारू संचालन में सहयोग करें।

संक्षिप्त समाचार

नवीन शिक्षा सत्र 2025-26 का शुभारम्भ बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ किया

इंदौर, (विनय उजाला)। सी एम राइज् शा उ मा वी नंदानगर में दिनांक 01/04/2025 को नवीन शिक्षा सत्र 2025-26 का शुभारम्भ बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पालक श्रीमती वर्मा एवं श्री मोर्य जी उपस्थित रहे. सर्वप्रथम कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों का स्वागत तिलक लगाकर एवं वेलकम गिफ्ट के द्वारा किया गया। प्राचार्य एवं अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन से कार्यक्रम का आरंभ किया गया। बच्चों को पाठ्य पुस्तके भी भेंट की गई। विद्यालय परिवार द्वारा गत वर्ष में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया छात्रों एवं पालकों को सी एम राइज विद्यालय की विशेषताओं से अवगत कराया गया तथा छात्रों को प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहित किया गया कार्यक्रम में समस्त स्टाफ शिक्षकों विद्यार्थियों द्वारा भाग लिया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती स्वाती पांडेय एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती नेहा सेठिया द्वारा किया।

शासन के निर्देशानुसार प्रवेशोत्सव मनाया

इंदौर (विनय उजाला)। शा क उ मा वि संयोगितागंज में आज दिनांक 1-4-25 को शासन के निर्देशानुसार प्रवेशोत्सव मनाया गया, जिसमें प्राचार्य महोदया एवं स्टाफ के समस्त सदस्यों द्वारा बालिकाओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। उपस्थित छात्राओं को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया। विशेष भोज का आनंद भी सभी छात्राओं ने लिया।सभी छात्राओं को मेरी ओर से 2-2 कॉपी,1पेन तथा टॉफी का वितरण किया गया। इस अवसर पर पालकगण भी उपस्थित थे -उनका स्वागत भी विद्यालय की प्राचार्या द्वारा किया गया। इस तरह प्रवेशोत्सव का पहला दिवस आनंदमय रुप से संपन्न हुआ!

मलेरिया विभाग से श्री अशोक निकम एवं श्री विस्नार के सेवानिवृत होने पर किया गया सम्मान

इंदौर, नप्र। इंदौर मलेरिया विभाग में 38वर्ष की सेवा देने के बाद सेवानिवृत होने वाले श्री अशोक निकम एवं श्री सी एल विस्नार का क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉक्टर साजी जोज़फ की अध्यक्षता मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सी एल सेत्या के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कर्मचारी नेता हरीश बोयत, रमेश यादव के विशेष आतिथ्य में शाल श्रीफल प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर शिवाजी गायकवाड़, संदीप धौलपुरे, गौरव सोलंकी, पवन शर्मा, कमलेश सिंह, महेश शर्मा, सुनील साहू आदि साथियों ने स्वागत कर भावभीनी बिदाई दी।

महापौर एवं विधायक द्वारा राऊ विधानसभा में ड्रेनेज एवं नालों के विकास कार्यों का निरीक्षण

इंदौर, नप्र। महापुरुष श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार इंदौर नगर पालिक निगम द्वारा शहर में जनहितैषी कार्यों को सुचारू रूप से क्रियान्वित करने एवं नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में आज महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री मधु वर्मा, एवं आयुक्त श्री शिवम वर्मा द्वारा राऊ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न वार्डों में ड्रेनेज एवं नालों के प्रबंधन से संबंधित विकास कार्यों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान जलकार्य प्रभारी श्री अभिषेक बबलू शर्मा, पार्षद श्री ओपी आर्य, अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया, श्री अंशुमान सिंह चौहान सहित कई जनप्रतिनिधि थे.

अनुकंपा नियुक्ति में लापरवाही करने पर स्वास्थ्य सेवा यूनिट प्रभारी निलंबित

अनुकंपा से संबंधित लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये चलेगा विशेष अभियान

विनय उजाला

इंदौर, नप्र।आयुक्त श्री शिवम वर्मा द्वारा निगम मुख्यालय में आज जनसुनवाई की गई। उक्त क्रम में आज निगमायुक्त द्वारा स्वंय अपने कक्ष में निगम के समस्त अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री एवं विभाग प्रमुख के साथ जनसुनवाई की गई। इस अवसर पर आयुक्त द्वारा जनसुनवाई मे प्राप्त आवेदनो को तत्काल निराकरण करने के भी निर्देश दिये गये।

जनसुनवाई के दौरान आवेदनकर्ता कविता पंकज धोलपुरे द्वारा आयुक्त श्री वर्मा के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करते हुए, उल्लेख किया गया कि वह दिवंगत निगम कर्मचारी पंकज धोलपुरे की धर्मपत्नि है और पति की मुर्त्यु हो जाने के पश्चात लगातार अनुंकपा नियुक्ति के लिये निगम के स्वास्थ्य विभाग में आ रही है, किंतु स्वास्थ्य विभाग सेवा युनिट में कोई सुनवाई नही करते हुए, कार्य में देरी की जा रही है, उक्त शिकायत पर आयुक्त श्री वर्मा द्वारा तत्काल स्वास्थ्य सेवा युनिट के राजेश करोसिया को कार्य में देरी व लापरवाही करने पर फटकार लगाते हुए, निलंबित करने के आदेश दिये गये, साथ ही स्वास्थ्य विभाग उपायुक्त एसके सगर को आवेदनकर्ता के अनुंकपा नियुक्ति संबंधित आदेश तत्काल जारी करने के आदेश दिये गये, आयुक्त मोदी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा मात्र 3 घंटे में जनसुनवाई में आए आवेदक महिला को अनुकंपा नियुक्ति का आदेश प्रदान किया गया। महिला आवेदक द्वारा अनुकंपा नियुक्ति आदेश मिलने पर आयुक्त महोदय के प्रति आभार व्यक्त किया।

इसके साथ ही आयुक्त श्री वर्मा द्वारा निगम कर्मचारियो के अनुकंपा नियुक्ति संबंधित लंबित आवेदनो के नियमानुसार निराकरण हेतु विशेष अभियान चलाकर, तत्काल लंबित प्रकरणो के समाधान कर, नियुक्ति पत्र जारी करने के संबंधित कार्यवाही के संबंधित को निर्देश दिये गये।

आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा निगम मुख्यालय स्थित कक्ष में जनसुनवाई की गई, जन सुनवाई के दौरान नागरिको द्वारा राजस्व, मार्केट, भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य विभाग, रिमूव्हल विभाग, सीवरेज विभाग, जनकार्य विभाग सहित अन्य विभागो के 45 आवेदन आयुक्त महोदय के समक्ष प्रस्तुत किये गये, आयुक्त द्वारा नागरिको को समक्ष में सुना गया तथा प्राप्त आवेदन को आयुक्त कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान उपस्थित अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त व विभाग प्रमुख को तत्काल प्रेषित कर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

आयुक्त बने जन सेवक, आयुक्त स्वयं पहुंचे आवेदक के पास

आयुक्त श्री शिवम वर्मा द्वारा आज सिलिकॉन सिटी में विकास कार्यों के निरीक्षण किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया, कार्यपालन यंत्री श्री विवेश जैन एवं अन्य उपस्थित थे। आयुक्त महोदय के निरीक्षण के दौरान झोन क्रमांक 14 वार्ड क्रमांक 19 के मुकेश शर्मा से भेंट की गई, आवेदक ने बताया कि मैं प्रधानमंत्री आवास योजना के पलाश परिसर राऊ में निवासरत हूं, आज नगर निगम मुख्यालय में जनसुनवाई है और में आपके पास ही अपनी समस्या लेकर जनसुनवाई में आ रहा था, इस पर आयुक्त स्वयं आवेदक के पास गए और उनकी समस्या को जाना। आयुक्त श्री वर्मा द्वारा आवेदक मुकेश शर्मा से जानकारी प्राप्त कर, उसे पलाश परिसर राऊ से 15 कि.मी. दूर निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में ना आते हुए, आवेदक की समस्या का तत्काल निराकरण करने के संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के लिए आ रहे मुकेश शर्मा से जब सहज रूप से आयुक्त महोदय से चर्चा हुई तो वह आयुक्त महोदय की उदारता और संवेदनशीलता अभिभूत होते हुए आयुक्त महोदय का आभार व्यक्त किया।

फाग एवं गणगौर उत्सव राम मंदिर पर मनाया गया

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। भावांजलि समूह द्वारा फाग एवं गणगौर उत्सव साईनाथ कॉलोनी स्थित राम मंदिर में मनाया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में नई कार्यकारिणी को दायित्व दिया गया। सर्वसम्मति से भावना डोंगरे को पुन: अध्यक्ष चुना गया। नव गठित समिति में कार्यकारी अध्यक्ष-विभा भटोरे, उपाध्यक्ष-रेखा चतुर्वेदी सुमन पूरे,कल्पना शर्मा सचिव ट्ठ विनिता पगारे शर्मा सहसचिवट्ठआरती उपाध्याय कोषाध्यक्ष ट्ठ ममता शर्मा सह कोषाध्यक्ष-आराधना शर्मा को दायित्व दिया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. मीना साकल्ले एवं विशेष आतिथी शुभ संकल्प की निदेशक सुनीता श्रीवास्तव जी थी। गणगौर में गाये जाने वाले पारंपरिक गीतों का संकलन-प्रेमरस गवरल का विमोचन भी किया गया। सांस्कृतिक समूह की प्रमुख मंजुला साकल्ले ने बताया कि सभी आजीवन सदस्य मिलकर परंपरा निभाओ -संस्कृति बचाओ सूत्र वाक्य पर काम करते हैं। आयोजन के द्वितीय सत्र में गणगौर पर्व पर गाये जाने वाले परम्परागत गीत एवं नृत्य की प्रस्तुति दी गई। संध्या सोहनी मण्डलेश्वर द्वारा धणीयर राजा और गणगौर माता का रथ सिंगारा गया।कलाकार रमा टेमले जी ने मिट्टी से रनुबाई और धणीयर राजा का स्वरूप जीवंत कर दिया। सभी सदस्यों ने झालरिया दिए और पाती भी खेली। सांस्कृतिक प्रस्तुति में गणेश वंदना प्रेमलता बड़ोले, संध्या सोहनी एवं मंजुला बड़ोले (मण्डलेश्वर) द्वारा की गई। शील मलतारे, सुधा डोंगरे, निर्मला चौरे व रत्ना गावशिन्दे ने झालरिया गीत गाया। जया भट्ट और सखियों द्वारा रनु बाई का सपना और उसका अर्थ जो धणीयर राजा ने बताया गीत की मोहक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में विराज साकल्ले जी व आरती उपाध्याय द्वारा रोचक प्रश्नोत्तरी भी रखी गई। कार्यक्रम में आज की रनुबाई न धणीयर राजा एवं आज की भागवान बईण को उपहार दिए गए। रोशनी जोशी, सुधा साकल्ले, स्वातिपगारे, सरोज खेड़े द्वारा गणगौर गीत प्रस्तुत किया गया।

भावना बर्वे विनीता शर्मा, विराज साकल्ले व पायल द्वारा नृत्य कोर रंगी द रे म्हारी कोर रंगी द पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। विभा भटोरे, सुमन पुरे,आरती उपाध्याय भावना डोंगरे व करुणा शर्मा द्वारा गीत रनु बाई को आणो ळेंण कुण कुण आया गीत प्रस्तुत किया गया। मण्डलेश्वर के समूह ने सम्पूर्ण गणगौर उत्सव को नृत्य गीतमाला में समेट कर सबका मन मोह लिया। मंजुला साकल्ले समूह द्वारा श्रृंगार गीत प्रस्तुत किया गया। भजन सरिता समूह मनीषा शर्मा, अनिता मलतारे, पूनम पगारे, सुलभा अत्रे द्वारा गीत प्रस्तुति रही। विनीता शर्मा ने कहा कि निरंतर प्रयास से ही सफलता मिलती है। भावांजलि समूह उमंग और उल्लास से नए कार्य करेगा। सबको सामाजिक समरसता बढ़ाने वाले गणगौर पर्व की बधाई। कार्यक्रम में भजन सरिता समूह की मनीषा शर्मा,वीणा मंडलोई,आशा सराफ , राम मन्दिर ट्रस्ट की अध्यक्षा सविता शिन्दे, कोमल पाटीदार एवं मातृ शक्ति उपस्थित थी। अंत में भोजन प्रसादी ग्रहण की गई। आभार प्रदर्शन कल्पना शर्मा (धामनोद)द्वारा किया गया।

शासकीय स्कूलों में शिक्षकों एवं आवश्यक शैक्षणिक संसाधनों की कमी नहीं : आशीष सिंह

विनय उजाला

इंदौर। शासकीय स्कूलों में अब शिक्षकों एवं आवश्यक संसाधनों की कमी नहीं है। इस वजह से स्कूलों की शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक उपलब्धियां दिखाई देने लगी है । सम्पूर्ण समाज का विश्वास अब शासकीय स्कूलों के प्रति लौटने लगा है अतएव नवीन शैक्षणिक सत्र में शासकीय विद्यालयों में प्रवेशित संख्या बढ़ने की संभावना है। उपरोक्त विचार आज शासकीय सीएम राइज अहिल्याश्रम कन्या उमावि क्र 2 में आयोजित प्रवेशोत्सव समारोह में कलेक्टर आशीष सिंह ने व्यक्त किये। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिंदगी में किसी भी प्रकार का अभाव जिज्ञासु विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य से दूर नहीं कर सकता है। संकल्प के साथ की गई मेहनत सफलता दिलवाएगी। श्री आशीष सिंह ने विद्यालय के रखरखाव और उपलब्धियों की सराहना करते हुए पांच वाटरकूलर (300लीटर वाले) विद्यालय को देने की घोषणा की। विद्यालय के प्राचार्य दीपक हलवे ने बताया कि कार्यक्रम उपस्थित मुख्यकार्य पालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन ने छात्राओं से कहा कि पहले वे विषय को पढ़े फिर समझे फिर उससे उपजे प्रश्नों का समाधान अपने गुरुजनों से करने के बाद फिर उसे लिखकर देखें । ऐसा करेंगे तो आपको जड़ विषय भी समझ में आकर सरल लगने लगेंगे ।

हनुमानजी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा आगामी 12 अप्रैल को

विनय उजाला

करजवानी में हनुमानजी मंदिर जीर्णोद्धार पूर्ण होने पर हनुमानजी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा आगामी 12 अप्रेल 2025 को आयोजन सम्पन्न किया जाएगा आयोजित कार्य क्रम में वेद माता गायत्री परिवार के कलयुगी निषाद सन्त श्री डेमनिया बाबा टोली के साथ क्षेत्रीय भाषा के प्रखर वक्ता समाज सेवी प्रताप भाई बर्डे निवासी दाम खेड़ी झिरनिया बालों का तीन दिवसीय सत्संग का आयोजन सम्पन्न किया जाएगा जिसमें 10 अप्रैल को सुबह ग्राम के विभिन्न मार्ग से कलश यात्रा निकाली जाएगी तथा शाम को दीप यज्ञ, एवं आध्यात्मिक प्रवाह दिनांक 11 फरवरी को दिन में हवनात्मक कार्यक्रम के दौरान हवन में सामूहिक रूप से आहुतियां प्रवाहित की जाएंगी शाम को सत्संग में धार्मिक प्रसंग के साथ नशा मुक्ति,एवं दुर्व्यसनो से होने वाली विकृतियों को लेकर एवं मनुष्य है तो मनुष्य की ज़िन्दगी कैसे जिए समाज में फैली हुई कुरीतियों,अंधविश्वास आदि और भी समाज हितेशी विषयों को लेकर समाज सुधार हेतु प्रेरक सत्संग 12 फरवरी को प्रभु श्री राम जी के परम भक्त हनुमान जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा पश्चात भव्य भंडारे का आयोजन सम्पन्न किया जाएगा धार्मिक कार्यक्रम में

ग्राम के साथ आस पास के अनेक ग्रामीण स्थलों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तो का जन शैलाब उमड़ने वाला है आयोजित प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजन को सफल बनाने को लेकर नवीन हनुमान जी मन्दिर परिसर में 29 मार्च शनिवार रात 8 बजे समरसता बैठक आहुत की गई इस में कार्यक्रम की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु विचार विमर्श किया गया। साथ ही आयोजक समिति ग्राम करजवानी डही क्षेत्र वासियों ने समस्त धर्म प्रेमी जनता से अनुरोध करते हुए अपील की है कि इस धार्मिक अनुष्ठान में मुक्त हस्त से तन मन धन अर्पित करते हुए अपने सह कुटुम्ब परिजन ईस्ट मित्रो सहित बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराते हुए धार्मिक कार्य को सफल बनावे और पुण्य का लाभ लेवे।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन (एनएमओपीएस) मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्री परमानंद डेहरिया के प्रदेश स्तरीय आह्वान पर मंगलवार को एनपीएस एवं यूपीएस के विरोधस्वरूप तथा पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग को लेकर शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने संगठन के जिलाध्यक्ष श्री दिनेश परमार एवं जिला संयोजक श्री मानसिंह शिवहरे की अगुवाई में माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीओ श्री अजय भूषण शुक्ला को सौंपा।

जिलाध्यक्ष श्री दिनेश परमार ने बताया कि ज्ञापन के पूर्व सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर अपना विरोध जताकर पुरानी पेंशन योजना को फिर से बहाल करने की मांग सरकार से की। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री दिनेश परमार, जिला संयोजक श्री मानसिंह शिवहरे सहित संभाग अध्यक्ष श्री जिम्मी सक्सेना,महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश संगठन मंत्री श्रीमती कांति बिल्लोरे, श्रीमती जसवीर कौर सलूजा, शिल्पी जेन, श्रीमती अंजना चौहान,श्रीमती सुरभी वैष्णव,श्री नागेन्द्र जैन, श्री मुरलीधर पाटीदार, श्री मुकेश कुमार टनवे, श्री विनोद दामके, श्री अशोक टनवे, श्री राजेश चोहान , श्री अनिल अहिरवार, श्री मुकाम सिंह बामनिया , श्री बीएस बारिया, श्रीमती मीना प्रजापति , श्री सुरेंद्र पाटीदार, श्री जगदीश जोशी आदि उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद धार , जिला धार (म.प्र.)

क्रमांक/1710/राजस्व कर वृद्धि/2025-26 **धार, दिनांक : 01/04/2025**

:: आम सूचना ::

धार नगर के सभी सम्मानित नागरिकों को अवगत किया जाता है कि आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 से जलकर/संपत्तिकर/आवेदन शुल्क/मलबा शुल्क/हक हस्तानांतरण शुल्क व अन्य विभिन्न करों में आंशिक वृद्धि किये जाने हेतु परिषद द्वारा दिनांक 28.03.2025 को सर्वानुमति से निर्णय लिया गया है। वृद्धि कर/फीस दर की अधिक जानकारी के लिये निकाय की राजस्व शाखा व निकाय के सूचना पटल से प्राप्त कर सकते हैं। उपरोक्त दरें 01 अप्रैल 2025 से प्रभावशील होकर वसूलनीय होगी।

सूचित हो।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद धार

लोक और शास्त्र की भ्रामरी दृष्टि रखते थे पं. विद्यानिवास मिश्र

वीणा के संपादक श्री राकेश शर्मा विद्यानिवास मिश्र स्मृति पत्रकारिता सम्मान 2025 से सम्मानित

विनय उजाला

इन्दौर, नप्र। मूर्धन्य साहित्यकार और संपादक पं. विद्यानिवास मिश्र लोक और शास्त्र की भ्रामरी दृष्टि रखते थे। वो जरा मरण से मुक्त नाम के अनुरुप विद्या के मूर्धन्य विद्वान और साहित्यकार थे। भारतीय संस्कृति के आधार काव्य और चित्र दोनों के दर्शन विद्यानिवास मिश्र के साहित्य में मिलते है।

पर्युक्त उद्गार ख्यात शिक्षाविद् और विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के पूर्व कुलपति डॉ. बालकृष्ण शर्मा ने व्यक्त किये। प्रसंग था पंडित विद्यानिवास मिश्र स्मृति पत्रकारिता सम्मान 2025 प्रदान किये जाने का जो वीणा के संपादक श्री राकेश शर्मा को मंगलवार को श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति के सभागार में गरिमामय समारोह में प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति विद्या श्री न्यास, काशी एवं इन्दौर प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रुप में ललित निबंध के मूर्धन्य विद्वान श्री नर्मदाप्रसाद उपाध्याय ने कहा कि अन्तरानुशासित व्यक्तित्व के धनी विद्यानिवास मिश्र भारतीय कला और लोक दोनों को एक स्वर प्रदान करते थे। उनके हर निबंध और शिल्प के पीछे भारतीय दर्शन का साक्षात्कार होता है। सम्मान से सम्मानित श्री राकेश शर्मा ने कहा कि आज इस सम्मान को पाकर बहुत ही अभिभूत हूँ।

मुझे मिश्रजी को साक्षात् सुनने का अवसर प्राप्त हुआ था, उन्हें पढ़ा भी। मैं सौभाग्यशाली हूँ उनकी स्मृति में यह सम्मान मुझे प्रदान किया गया, इससे मेरी साहित्य के प्रति जवाबदारी और बढ़ जाती है। इन्दौर प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री अरविंद तिवारी ने कहा कि हम सबके लिए ये गौरव का विषय है कि ऐसे मूर्धन्य विद्वान की स्मृति का सम्मान वीणा के संपादक श्री राकेश शर्मा को प्रदान किया जा रहा है। इस अवसर पर श्री नर्मदा प्रसाद उपाध्याय द्वारा लिखित ''चयनित निबंध पंडित विद्यानिवास मिश्र'' कृति का लोकार्पण भी किया गया।

आरंभ में माँ सरस्वती की अर्चना गीता शर्मा ने की। अतिथियों का स्वागत और परिचय समिति के कार्यवाहक प्रधान मंत्री घनश्याम यादव, प्रचार मंत्री हरेराम वाजपेयी, प्रकाशन मंत्री अनिल भोजे, अर्थ मंत्री राजेश शर्मा, प्रबंध मंत्री अरविंद ओझा, डॉ. अखिलेश राव ने किया।

सम्मान पत्र का वाचन डॉ. वसुधा गाडगिल ने किया एवं श्री राकेश शर्मा का साहित्यिक परिचय श्री सुनील कुमार ने दिया। कार्यक्रम का संचालन श्री मुकेश तिवारी ने किया एवं अंत में आभार परीक्षा मंत्री उमेश पारेख ने व्यक्त किया। इस अवसर पर काफी संख्या में साहित्यकार एवं सुधीजन उपस्थित थे।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उज्जैन (म.प्र.)

क्रमांक 792/खनिज/2024-25 **दिनांक : 27.03.2025**

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18(1-क) के अंतर्गत
उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए
द्वितीय सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि, **आवेदक 1:- अमित कुमार पिता पारसमल सकलेचा पता-8/1-ए, यशवंत मार्ग, सिटीजन ग्लास, महिदपुर जिला उज्जैन (म.प्र.), 2. श्रीमती सुगन बाई पति लालूजी पता-ग्राम बरखेड़ा तहसील झारडा जिला उज्जैन** द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु शासकीय भूमि क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदित क्षेत्र का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है :-

क्रं.	जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	आवेदन
1	उज्जैन	महिदपुर	इसनखेड़ी	375	रकबा 5.690 हे.	शासकीय	मुरम	05.02.2025
2	उज्जैन	महिदपुर	इसनखेड़ी	375	रकबा 4.000 हे.	शासकीय	गिट्टी, बोल्डर, मुरम, एम-सेण्ड	05.03.2025

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से 15 दिवस के भीतर (कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि यदि उक्त द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है, तो प्राप्त आवेदनों नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
3. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

जी-11008/25 **''पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार''**

खनि अधिकारी
जिला-उज्जैन (म.प्र.)

सम्पादकीय

मोदी सरकार की ऐतिहासिक पहल

केंद्र सरकार ने एक महत्त्वपूर्ण फैसला के तहत एल्युमीनियम फॉयल सहित पांच चीनी वस्तुओं पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाया है। बताया जा रहा है कि यह निर्णय घरेलू उद्योगों को चीन से सस्ते आयात के निगेटिव असर से बचाने के लिए की गई है। वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा डीजीटीआर (व्यापार उपचार महानिदेशालय) की सिफारिश के आधार पर व्यापार कार्रवाई की गई है। डीजीटीआर डंपिंग और सब्सिडी जैसे मामलों की जांच करती है।दरअसल, एंटी-डंपिंग ड्यूटी आयातित वस्तुओं पर लगाए जाने वाले टैक्स हैं, जो उनके निर्यात मूल्य और उनके सामान्य मूल्य के बीच के अंतर की भरपाई के लिए लगाए जाते हैं, अगर डंपिंग के कारण आयात करने वाले देश में प्रतिस्पर्धी उत्पादों के उत्पादकों को नुकसान होता है। केंद्र सरकार के संज्ञान में यह बात लंबे अरसे से थी कि चीन भारत के घरेलू उद्योग को बर्बाद करने की साजिश में लगा हुआ है। आखिरकार सरकार को यह कदम उठाना पड़ा। स्वाभाविक तौर पर सरकार के इस फैसले से भारतीय उद्योगों को राहत मिलने की उम्मीद है।सरकार को भी यह भरोसा है कि ऐसी सख्ती से भारतीय उद्योगों को मदद मिलेगी। इससे वे चीन से आने वाले सस्ते आयात से मुकाबला कर पाएंगे। भारत ने पहले ही चीन सहित विभिन्न देशों से सस्ते आयात से निपटने के लिए कई उत्पादों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाया है। इन सब तथ्यों से इतना तो साफ होता है कि चीन की नीयत में खोट है।वह भारत से मिलने वाली तमाम रियायतों और सुविधाओं को दरकिनार कर उसी का नुकसान पहुंचाने की जुगत में लगी रहती है। हो सकता है इस कदम के बाद चीन इस बात की संवेदनशीलता को समझेगा। ऐसे भी भारत के बाजार पर चीन के सामानों की बहुतायत है।कोई भी त्योहार मसलन दीपावली हो या होली; चीन किफायती कीमत के उत्पाद भारत में भेजता है। उसके इस कदम से भारत में काम कर रहीं कंपनियों की सेहत पर काफी बुरा प्रभाव पड़ता है। निश्चित तौर पर केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के फैसले की सराहना की जानी चाहिए।घरेलू उद्योगों को जीवनदान देने के लिए यह एहतियाती कदम उठाना लाजिमी था। इस बात में कोई शक नहीं कि चीन सिर्फ अपना फायदा देखता है। उसके शब्दकोष में न तो संवेदना की जगह है और न नैतिकता की। इस नाते मोदी सरकार की यह पहल ऐतिहासिक मानी जाएगी।

शासकीय प्राथमिक शाला झूमरखाली में प्रवेश उत्सव धूमधाम से मनाया गया

झूमरखाली (विनय उजाला)। शासकीय प्राथमिक शाला झूमरखाली में स्कूल चलें अभियान के तहत प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ब्रांच मैनेजर आशीष राय, सचिव राजेंद्र राजपूत, प्रधान पाठक चंद्रमणि उईके , एवं शिक्षिका नीतू ठाकुर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। ब्रांच मैनेजर आशीष राय द्वारा बच्चों को कॉपी, पेंसिल, रबर, शार्पनर, फलों एवं चॉकलेट का वितरण किया गया। साथ ही, कक्षा पहली के नवप्रवेशी बच्चों को स्कूल में प्रवेश दिलाया गया। इस आयोजन में पलक गढ़भी भी उपस्थित रहीं। विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का संकल्प लिया।

प्रवेश उत्सव में बच्चों को मिला उपहार, शिक्षा के प्रति जागरूकता बड़ी

झूमरखाली (विनय उजाला)। शासकीय प्राथमिक शाला झूमरखाली में स्कूल चले अभियान के अंतर्गत भव्य प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ब्रांच मैनेजर आशीष राय सहित गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। आशीष राय ने बच्चों को कॉपी, पेंसिल, रबर, शार्पनर, चॉकलेट एवं फल भेंट किए, जिससे बच्चों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर सचिव राजेंद्र राजपूत, प्रधान पाठक चंद्रमणि हुई एवं शिक्षिका नीतू ठाकुर ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। इस अवसर पर कक्षा पहली के बच्चों को प्रवेश दिलाकर विद्यालय में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। पलक गढ़भी की विशेष उपस्थिति भी रही। विद्यालय परिवार शिक्षिका नीतू ठाकुर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

ध्यान रहे कि बहुदलीय लोकतंत्र की स्थापना के बाद आरपीपी का गठन 1990 में हुआ था। उसने 1991 के चुनाव में 4 सीटें जीतीं और उसके बाद से संसद में उसने अपनी मौजूदगी बनाये रखी है, अक्सर सरकार बनाने में भी उसकी भूमिका रही है। आरपीपी ने 2022 के चुनाव में 275 सीटों में से 14 पर विजय दर्ज की7 वह वर्तमान सरकार का फरवरी 2023 तक हिस्सा थी।

क्या नेपाल में राजा की वापसी हो पायेगी?

नरेंद्र शर्मा

विनय उजाला

काठमांडू के दरबार चौराहे पर स्थित तलेजू मंदिर में पहली नवरात्रि की घंटियां शांत भी न हुई थीं कि 'राजा आऊं पारचा' (राजा को वापस लाने के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है) की कानाफूसी शुरू हो गई। यह नेपाल में राजशाही वापस लाने और उसे हिन्दू राष्ट्र बनाने के लिए आंदोलन की शुरुआत थी। आंदोलन आरंभ करने के समय के महत्व को हर कोई समझ रहा था। रामनवमी कुछ ही दिन बाद है और यह वह मौसम है जब न्यायप्रिय राजाओं का जश्न मनाया जाता है। हालांकि पहली नवरात्रि 30 मार्च 2025 को थी, लेकिन उससे दो दिन पहले यानी 28 मार्च को राजशाही के समर्थन में हिंसा हुई थी, जिसमें एक पत्रकार सहित दो व्यक्तियों की मौत हो गई थी। यह हिंसा कराने के आरोप में पुलिस ने राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी), जो इस आंदोलन की अगुवाई कर रही है, के दो वरिष्ठ नेताओं को 31 मार्च को अदालत में पेश किया। सांसद धवल शमशेर राणा और रबिन्द्र मिश्रा के पासपोर्ट ज़ब्त कर लिए गये हैं और अनुमान यह है कि उन पर राष्ट्रद्रोह के मुकदमे चलाये जायेंगे - नेपाल में इस अपराध की सज़ा आजीवन कारावास है। नेपाल के संसद में पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के पासपोर्ट को ज़ब्त करने की मांग भी उठी है। अपने नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में राजशाही समर्थक और हिन्दू राष्ट्र की मांग करने वाले आरपीपी के कार्यकर्ताओं ने 12 शहरों में 'मशाल' रैली निकाली है।

नेपाल में हर गुज़रते दिन के साथ राजा को वापस लाने की मुहिम तेज़, उग्र व हिंसक होती जा रही है। दूसरी ओर लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सत्तारूढ़ दल इस आंदोलन को सख्ती से कुचलने का प्रयास कर रहे हैं। गौरतलब है कि नेपाल में हिंसक आंदोलन से ही राजशाही पर विराम लगाया गया था और फिर कड़ी जद्दोजहद के बाद नये संविधान का गठन करके लोकतांत्रिक मूल्यों पर राजनीतिक व्यवस्था स्थापित की गई थी, जिसके तहत जनता चुनाव के माध्यम से अपनी सरकार का गठन करती है। अब हिंसक आंदोलन से ही राजशाही को पुन- स्थापित करने का प्रयास है, जिसमें भावनात्मक कारणों से नेपाल को हिन्दू राष्ट्र बनाने की मांग अतिरिक्त जोड़ दी गई है। राजनीतिक दृष्टि से नेपाल में वामपंथी और मध्यममार्गी दल काफी मज़बूत हैं जो लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं व राजशाही या राज-तंत्र का विरोध करते हैं। इसलिए सवाल यह है कि क्या नेपाल में राजशाही पुन- लौट सकती है?

आरपीपी की केंद्रीय समिति की सदस्य स्वाति थापा तोल-मोल कर बताती हैं, लोग राजा की वापसी चाहते हैं, एक शासक के रूप में नहीं बल्कि एक संरक्षक के तौरपर ताकि देश में स्थिरता आ सके। साथ ही वह नेपाल को हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहते हैं। अब यह राजनीतिक नारे नहीं रहे - ये लोगों की अस्तित्व वृत्ति हैं।

ध्यान रहे कि बहुदलीय लोकतंत्र की स्थापना के बाद आरपीपी का गठन 1990 में हुआ था। उसने 1991 के चुनाव में 4 सीटें जीतीं और उसके बाद से संसद में उसने अपनी मौजूदगी बनाये रखी है, अक्सर सरकार बनाने में भी उसकी भूमिका रही है7 आरपीपी ने 2022 के चुनाव में 275 सीटों में से 14 पर विजय दर्ज की7 वह वर्तमान सरकार का फरवरी 2023 तक हिस्सा थी। आरपीपी ने हमेशा से ही संवैधानिक राजशाही व हिन्दू राष्ट्र का समर्थन किया है और संघीय संरचना का विरोध किया है। आरपीपी के दृष्टिकोण के केंद्र में हिन्दू राष्ट्र है। थापा का कहना है, अपने लोगों से मालूम किये बिना यह देश धर्मनिरपेक्ष बन गया। यही सच है। हमारा मानना है कि 80 प्रतिशत से अधिक नेपाली अब भी हिन्दू राष्ट्र की चाहत रखते हैं।

नेपाल में एक तरह से जॉर्ज बर्नार्ड शॉ के चर्चित नाटक 'एप्पल कार्ट' को दोहराने की कोशिश की जा रही है। इस राजनीतिक व्यंग्य में राजा मैग्नस एक काल्पनिक देश के सम्राट हैं और उनका मंत्रिमंडल उनके शेष राजनीतिक प्रभाव पर भी विराम लगाना चाहता है। इसलिए राजा मैग्नस स्वयं चुनावी मैदान में उतरने की धमकी देकर अपने मंत्रिमंडल को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं। नेपाल में पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के सियासी तौरपर सक्रिय होने से राज-तंत्र के समर्थन में आंदोलन तेज़ हुआ है। आरपीपी शाही परिवार से नियमित संपर्क में है। लेकिन राजा के उत्तराधिकारी का मुद्दा विवादित है। आरपीपी इस बारे में स्पष्ट है कि उत्तराधिकारी स्वत- नहीं बनेगा। थापा के अनुसार, अगला राजा विश्वास व क्षमता के आधार पर चुना जायेगा। यह विवाद तब हो रहा है जब ज्ञानेंद्र शाह के पुत्र पारस ने कहा है कि वह राजा नहीं बनना चाहते। आरपीपी की बातों से चंद चीज़ें एकदम स्पष्ट नज़र आ रही हैं। एक, वह राजा की वापसी तो चाहती है, लेकिन शासक के रूप में नहीं बल्कि सजावटी संरक्षक के रूप में, जैसा कि ब्रिटेन में किंग चार्ल्स हैं। दो, उसे अपनी मर्ज़ी का राजा चाहिए जो उसके हाथों की कठपुतली हो। अंतिम यह कि हिन्दू राष्ट्र का मुद्दा वह जनता में भावनात्मक जोश भरने के लिए उठा रही है। ज़ाहिर है यह सब प्रयास केवल इसलिए हैं ताकि आरपीपी के राजनीतिक प्रभाव क्षेत्र में विस्तार हो सके। कहने का अर्थ यह है कि आरपीपी अपनी सियासत मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) और हिन्दू राष्ट्रवाद की तर्ज़ पर करना चाह रही है। वह इसके ज़रिये राजनीतिज्ञों की नाकामी को अपने पक्ष में भुनाना चाहती है, लेकिन यह भूल रही है कि राजा तो राजनीतिज्ञों से भी अधिक असफल रहे थे।

इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि नेपाल को राजा की ज़रूरत नहीं है और उसे राजा मिलने भी नहीं जा रहा है। यह सही है कि हाल के वर्षों में नेपाल के कुछ वर्गों ने राजशाही की वापसी में दिलचस्पी दिखायी है। इस दिलचस्पी के अनेक कारण रहे हैं। नेपाल की पहली संविधान सभा ने 28 मई 2008 को अधिकारिक तौरपर राजशाही को खत्म कर दिया था फेडरल डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ नेपाल की घोषणा की थी। लेकिन तभी से ही नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता व्याप्त है, बार बार सरकारें बदलती हैं, भ्रष्टाचार चरम पर है और अनेक प्रशासनिक चुनौतियां मौजूद हैं। कोविड के दौरान चुनौतियों में इज़ाफा हुआ जैसे महंगाई बढ़ी, आय में कमी आयी, वित्तीय घोटाले हुए जिनमें सहकारी बैंक फ्रॉड भी शामिल है जिसमें सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के नाम प्रकाश में आये थे। इस असंतोष के वातावरण में अनेक लोग यह मानने लगे हैं कि नेपाल की लोकतांत्रिक व्यवस्था असफल हो गई है। साथ ही अन्य देशों से प्रेरित अति दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी लहर भी नेपाल में तेज़ चलने लगी है। नतीजतन आरपीपी जैसी पार्टियां अपने एजेंडा पर बल देने लगी हैं विशेषकर मुख्य मुद्दों के संदर्भ में जैसे चीन चीन का बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव, अमेरिका का एमसीसी कॉम्पैक्ट और भारत के साथ सीमा विवाद।

कुछ लोगों को लगता है कि राजशाही के खात्मे से नेपाल कमज़ोर हो गया है और अपने पड़ोसियों से सही से डील नहीं कर पा रहा है। इसलिए वह राजशाही (जो नेपाल की हिन्दू पहचान का प्रतीक थी) की वापसी के पक्ष में हैं। लेकिन दूसरी ओर अनेक कारणों से लोगों को शाही परिवार पर विश्वास नहीं है - सत्ता के लालच में राजकुमार दीपेंद्र द्वारा जून 2001 में महल के सबसे स्थान पर राजा बिरेंद्र के पूरे परिवार को मौत के घाट उतरना, तानाशाह बनने के चक्कर में ज्ञानेंद्र शाह द्वारा 2005 में चुनी हुई सरकार को बर्खास्त करना, पारस शाह का अनेक घोटालों में लिप्त होना आदि,। शाही परिवार राजनीतिज्ञों की तुलना में अधिक बदनाम व भ्रष्ट है, राजशाही को वापस लाने के दावेदार भी आपस में बुरी तरह से बंटे हुए हैं, विशेषकर उसकी भूमिका को लेकर। अत- नेपाल में राजा की वापसी लगभग असंभव है।

[लेखक वरिष्ठ पत्रकार है]

सपनों की चाबी- सही निवेश – एक लघुकथा से समझिए

विनय उजाला

क्या आपने कभी सोचा है कि आपके मन में पल रहे सपने, हकीकत की ज़मीन पर कैसे उतरेंगे? सिर्फ चाहने से तो बात नहीं बनती, उन्हें सींचना भी पड़ता है। और इस सींचने की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है - सही निवेश। यह सिर्फ पैसे बचाना नहीं है, बल्कि उस बचत को समझदारी से बढ़ाकर अपने सपनों को पंख देना है। आइए, एक छोटी सी कहानी के ज़रिए इस ज़रूरी बात को समझते हैं।

एक छोटे से गाँव में, अर्जुन नाम का एक लड़का रहता था। अर्जुन की आँखें बड़े सपनों से भरी हुई थीं - वह एक ऐसा सुंदर घर बनाना चाहता था जिसमें उसके माता-पिता सुकून से रह सकें, और उसकी कल्पनाओं में दुनिया के रंग घुले हुए थे, जिन्हें वह अपनी आँखों से देखना चाहता था। लेकिन, इन सपनों को पूरा करने के लिए उसके पास बस थोड़ी-सी जमा पूंजी थी, मानो एक छोटा सा, अनमोल खजाना।

एक दिन, गाँव के बुजुर्ग दादाजी, जिनकी बुद्धिमत्ता पूरे गाँव में मशहूर थी और जिन्हें पैसों के निवेश की गहरी समझ थी, ने अर्जुन को अपने पास बुलाया। उन्होंने अर्जुन की आँखों में झाँककर पूछा, बेटा अर्जुन, तुम्हारे सपनों का खजाना तो बहुत छोटा है। इसे इतना बड़ा कैसे करोगे कि ये सारे सपने सच हो जाएँ?

अर्जुन का चेहरा उतर गया। मुझे नहीं पता, दादाजी। मैं तो बस दिन-रात मेहनत करता हूँ और थोड़ी-थोड़ी बचत कर पाता हूँ।

दादाजी की होंठों पर एक मुस्कान तैर गई। देखो अर्जुन, तुम्हारा यह खजाना एक छोटे से बीज की तरह है। अगर तुम इसे सही जगह पर बोओगे और प्यार से इसकी देखभाल करोगे, तो यह ज़रूर एक बड़ा पेड़ बनेगा।

दादाजी ने अर्जुन को अलग-अलग खजानों की जगहों के बारे में बताया, हर एक जगह की अपनी खासियत और चुनौतियाँ थीं:

सुरक्षित गुफा (फिक्स्ड डिपॉजिट): यह एक ऐसी शांत गुफा है जहां तुम्हारा खजाना सुरक्षित रहेगा और धीरे-धीरे बढ़ेगा। यहां खतरा कम है, इसलिए बढ़ोतरी भी धीमी होती है।

उगता हुआ खेत (शेयर मार्केट): यह एक उपजाऊ खेत है जहां तुम्हारा खजाना बहुत तेज़ी से फल-फूल सकता है, लेकिन यहां मौसम का भी ध्यान रखना होगा। कभी धूप खिलेगी तो कभी बारिश होगी, मतलब कभी बड़ा फायदा तो कभी थोड़ा नुकसान भी हो सकता है।

मिला-जुला जंगल (म्यूचुअल फंड): यह एक घना जंगल है जहां कई लोग मिलकर अपने खजाने रखते हैं, और एक समझदार माली (फंड मैनेजर) उनकी देखभाल करता है। यहां खेत जितना खतरा नहीं होता, और बढ़ोतरी भी अच्छी हो सकती है।

ईंटों का शहर (रियल एस्टेट): यह एक बढ़ता हुआ शहर है जहां तुम अपनी ईंटें (पैसे) लगाते हो, और जैसे-जैसे शहर बढ़ता है, तुम्हारी ईंटों की कीमत भी बढ़ती जाती है। लेकिन यहां ज़्यादा ईंटों की ज़रूरत होती है और इन्हें बेचना थोड़ा समय ले सकता है।

सुनहरी नदी (सोना): यह एक ऐसी नदी है जिसका पानी हमेशा कीमती रहता है। मुश्किल समय में यह नदी तुम्हारे खजाने को डूबने से बचा सकती है।

दादाजी ने अर्जुन को एक महत्वपूर्ण सलाह दी, अर्जुन, कभी भी अपना सारा खजाना एक ही जगह पर मत रखना। थोड़ा-थोड़ा करके अलग-अलग जगहों पर लगाओ। जैसे अलग-अलग मौसम में अलग-अलग फल अच्छे लगते हैं, वैसे ही अलग-अलग जगहों पर तुम्हारा खजाना अलग-अलग तरह से बढ़ेगा।

अर्जुन को दादाजी की बातें गहराई से समझ में आ गईं। उसने अपनी थोड़ी सी बचत को अलग-अलग हिस्सों में बाँटकर, दादाजी द्वारा बताई गई जगहों पर निवेश करने का फैसला किया। उसने कुछ पैसे सुरक्षित गुफा में रखे, कुछ मिला-जुला जंगल में लगाए, और थोड़ा सा सुनहरी नदी में भी डाला।

तो दोस्तों, अर्जुन की तरह ही आपके पास भी अपने सपनों का एक अनमोल खजाना है। बस आपको एक समझदार माली बनना है, अपने खजाने के लिए सही जगहें चुननी हैं, और धैर्य के साथ इंतजार करना है। आपका खजाना भी ज़रूर बढ़ेगा, और एक दिन आपके सारे सपने हकीकत बन जाएंगे!

यह कहानी हमें सिखाती है कि निवेश सिर्फ संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह हमारे सपनों को साकार करने का एक सशक्त माध्यम है। यह ज़रूरी है कि हम अपनी ज़रूरतों और जोखिम लेने की क्षमता को समझें, और फिर सोच-समझकर निवेश की राह पर कदम बढ़ाएं।

।। अनंत शुभकामनाएं।।

डॉ. आरती पटेल
(वाणिज्य शिक्षक)
सी एम राइज़ शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मूसाखेड़ी, इंदौर।

पीएम श्री विद्यालय में प्रवेश उत्सव मनाया गया

इन्दौर (जितेन्द्र यादव)। धार रोड स्थित ग्राम पंचायत सिहासा के जवाहर टेकरी पीएम श्री शासकीय विद्यालय में नए शिक्षण सत्र की शुरुआत सभी छात्र छात्राओ का स्वागत और दीप प्रज्वलन कर प्रवेश उत्सव मनाया गया इस अवसर पर श्री दिलीप पटेल जिला पंचायत सदस्य.सुरेश पवार जनविकास सोसायटी.राज धार्वे.नारायण चौहान सरपंच. श्रीमती भारती पवार प्रधान अध्यापक.आर के तिवारी.अंजना शुक्ला. ऋतु पाठक एवं शिक्षक व शिक्षिकाएं सहित नवीन प्रवेश लेने वाले छात्र छात्राएं मौजूद रहे कार्यक्रम में पांचवीं एवं आठवी कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियो को पुरस्कृत किया गया और किताबें भेंट की गई उपस्थित अतिथियों ने अपने उद्बोधन में सभी बच्चों एवं स्कूल परिवार को बधाई दी साथ ही मध्य प्रदेश सरकार से आगरा किया है कि पीएम श्री हाई स्कूल को हाई सेकेंडरी स्कूल किए जाने की मांग की है।

हाई सेकेंडरी स्कूल नहीं हुआ तो लड़कियों का होगा भविष्य खराब : जवाहर टेकरी के हाई स्कूल को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा हाई सेकेंडरी स्कूल की मान्यता को स्वीकृति नहीं देने के कारण सैकड़ो लड़कियों का भविष्य खराब हो सकता है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र के परिजन अपनी बेटियों को सिटी में पढ़ने भेजने से डरते हैं हाई स्कूल को हाई सेकेंडरी स्कूल की मान्यता करने का प्रयास पिछले 2 वर्षों से किया जा रहा है जिसकी जानकारी सांसद श्री शंकर लालवानी विधायक श्री मधु वर्मा एवं जिला शिक्षा अधिकारी जिला पंचायत सीईओ जनपद पंचायत सीईओ इन सभी पदाधिकारी को जानकारी भेजी जा चुकी है लेकिन अभी तक हाई स्कूल को हाई सेकेंडरी स्कूल की मान्यता नहीं हुई है साथ ही हाई स्कूल को हाई सेकेंडरी स्कूल करने के विषय में जिला कलेक्टर महोदय आशीषसिंह को भी अवगत कराया गया है।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद का वर्षप्रतिपदा महोत्सव सम्पन्न

इंदौर (विनय उजाला)। अखिल भारतीय साहित्य परिषद जिला इकाई धार के तत्वावधान में आयोजित वर्ष प्रतिपदा महोत्सव स्थानीय सांवरिया मन्दिर के विशाल एवं सुसज्जित परिसर में सांवरिया मन्दिर के प्रमुख ट्रस्टी श्री स्वयं प्रकाश जी सोनी के मुख्य आतिथ्य एवं भगवान परशुराम बोर्ड के धार जिला प्रभारी श्री अशोक मनोहर जी जोशी की अध्यक्षता तथा वरिष्ठ समाज सेवी ओमप्रकाश जी सोलंकी और श्री श्रीगौड़ सहकारी साख समिति मर्यादित धार के अध्यक्ष श्री राजेश जी शुक्ल के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मंचासीन अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन पूजन, माल्यार्पण तथा सुश्री प्रशस्ति दवे और सुश्री मनस्वी दवे के द्वारा सुमधुर स्वर में प्रस्तुत सरस्वती वन्दना से हुआ। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं अतिथि परिचय अखिल भारतीय साहित्य परिषद के जिलाध्यक्ष कवि श्री शरद जोशी शलभ ने प्रस्तुत कर स्वागत उद्बोधन दिया। इसके पश्चात काव्यपाठ की प्रस्तुति दी गई।

अमृतांजन के मासिक धर्म स्वच्छता ब्रांड कॉम्फी ने किया रु. 100 करोड़ का आंकड़ा पार

आगे और निवेश करने और विश्व स्तरीय सैनिटरी नैपकिन विनिर्माण संयंत्र बनाने की योजना

विनय उजाला

दर्द प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी, अमृतांजन हेल्थकेयर ने महिला स्वच्छता से जुड़े बेहतर और किफायती उत्पादों की आवश्यकता को देखते हुए हुए 2011 में %कॉम्फी% ब्रांड लॉन्च किया था। आज, कॉम्फी 100 करोड़ रुपये का ब्रांड बन गया है, जो सैनिटरी नैपकिन, टैम्पोन, मासिक धर्म कप और पीरियड पेन रोल-ऑन सहित मासिक धर्म से जुड़े समाधानों की पूरी श्रृंखला के साथ लाखों महिलाओं को सशक्त बना रहा है, वह भी बेहद किफायती कीमत पर।

भारत में मासिक धर्म का अनुभव करने वाली महिलाओं की संख्या 35.5 करोड़ है और फिलहाल उनमें से केवल 36त्न महिलाएं ही सैनिटरी नैपकिन का उपयोग कर पाती हैं। मुख्य तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं और लड़कियों के पास अक्सर मासिक धर्म की देखभाल से जुड़े अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध नहीं होते हैं।

महिला स्वच्छता से जुड़े उत्पादों के लिहाज़ से अग्रणी बेला प्रीमियर हैप्पी हाइजीन केयर प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से, टीम ने उत्तरी अमेरिका से आयातित पल्प का उपयोग कर एक ऐसा उत्पाद विकसित किया जो भारत में अन्य प्रमुख ब्रांडों की तुलना में 80त्न बेहतर अवशोषण का वादा करता है। लेकिन तकनीकी उत्कृष्टता ही काफी नहीं है बल्कि इसे किफायती भी होना चाहिए।

अमृतंजन हेल्थकेयर लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, एस. संभू प्रसाद कहते हैं, कॉम्फी आज एक अरब रुपये (रु. 100 करोड़) का ब्रांड है। हमारे विशिष्ट रूप से डिज़ाइन किए गए सैनिटरी पैड की बाज़ार में उल्लेखनीय स्वीकार्यता के कारण हमारा महिला स्वच्छता व्यवसाय लगातार दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज रहा है।

उन्होंने कहा, हम प्रोजेक्ट दिशा जैसी ज़मीनी पहलों के ज़रिये जागरूकता फैलाने और महिलाओं को आत्मविश्वास तथा सम्मान के साथ जीवन जीने के लिए सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है! अमृतंजन हेल्थकेयर लिमिटेड के लिए वितरण, प्रमुख प्रतिस्पर्धी लाभ के रूप में काम करता है। कंपनी ने थोक और खुदरा दोनों किस्म की दुकानों में मज़बूत चैनल भागीदारी स्थापित की है, जिससे 10,000 से कम आबादी वाले गांवों तक में भी उत्पाद की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित होती है। करने में में मदद मिली। अमृतंजन ने लगातार ब्रांड जागरूकता को प्राथमिकता दी है, कंपनी ने अपनी ब्रांड उपस्थिति को मज़बूत करने के लिए, बॉलीवुड की प्रमुख अभिनेत्री श्रद्धा कपूर को अपना एंबेसडर बनाया। प्रोजेक्ट दिशा ने पांच साल पहले अपनी शुरुआत के बाद से अब तक देश भर के 1800 से अधिक शहरों में 7 लाख उपभोक्ताओं की मदद की है।

प्रधानमंत्री पद की दावेदारी पर सीएम योगी का बड़ा बयान...

मैं योगी हूं, हमेशा के लिए राजनीति में नहीं आया हूं...

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैं दिल से एक योगी हूं और राजनीति मेरा पूर्णकालिक व्यवसाय नहीं है। मैं मुख्यमंत्री पद पर उत्तर प्रदेश की जनता की सेवा करने के लिए हूं और मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं आया हूं। मेरी पार्टी भाजपा ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है उसे मैं निभा रहा हूं।

एक न्यूज चैनल को दिए गए साक्षात्कार में उन्होंने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर खंडन किया। उन्होंने कहा कि मैं कब तक राजनीति में रहूंगा इसकी समय सीमा है। मैं हमेशा के लिए राजनीति में नहीं हूं। बता दें कि इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं काफी तेज हैं और योगी को उनके समर्थकों के द्वारा प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। ये चर्चाएं प्रधानमंत्री मोदी के 30 मार्च को संघ मुख्यालय जाने के बाद और तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर हो रही चर्चाओं में सीएम योगी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है।

इस पर शिवसेना के नेता संजय राउत ने भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश का अगला प्रधानमंत्री महाराष्ट्र से होगा जिस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मोदी जी ही देश का नेतृत्व करेंगे। हमारी संस्कृति में जब तक पिता जीवित होता है उत्तराधिकारी की बात नहीं की जाती है।

राजनीति और धर्म का मिलन गलत नहीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजनीति में धर्म का मिलन गलत नहीं है। ये हमारी गलती है कि हम धर्म को कुछ स्थानों के लिए सीमित कर देते हैं और राजनीति को कुछ लोगों के लिए छोड़ देते हैं। इससे समस्याएं उत्पन्न होती हैं। राजनीति का उद्देश्य स्वार्थों की पूर्ति करना नहीं है बल्कि समाज की भलाई करना है। इसी तरह धर्म का उद्देश्य भी परमार्थ होता है। जब धर्म का प्रयोग स्वार्थ की पूर्ति के लिए होता है तो मुश्किल आती है लेकिन परमार्थ का उद्देश्य होने पर धर्म प्रगति के मार्ग खोलता है।

बंद कमरे में क्या हुई बात?

वक्फ बिल पर पार्टी में मतभेद के बीच जेडीयू ऑफिस पहुंचे नीतीश

पटना

वक्फ संशोधन बिल पर बिहार समेत देश भर में सियासी घमसान जारी है। जेडीयू में भी वक्फ बिल को लेकर मतभेद उत्पन्न हो गया है। एमएलसी गुलाम गौस ने केंद्र सरकार की इस बिल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस बीच मंगलवार को सीएम नीतीश कुमार अचानक पार्टी कार्यालय पहुंच गए। सीएम करीब 15 मिनट तक वहां रुके और बंद कमरे में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने गाना गाकर उनका अभिनंदन किया और फोट खिचवाया। उन्होंने मीडियाकर्मियों से बात नहीं की।

बिहार में इसी साल चुनाव होने वाले हैं। इस वजह से जेडीयू दफ्तर में कार्यकर्ता जुटे रहते हैं। मंगलवार को भी पार्टी ऑफिस में नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ लगी थी। लेकिन सीएम के आगमन की सूचना किसी को नहीं थी।

वक्फ संशोधन बिल पर साफ होगी स्थिति

सीएम ने ऑफिस के कैंपस का भी मुआयना किया। करीब 15 मिनट बाद मुख्यंत्री का काफिला दफ्तर से आवास की ओर रवाना हो गया। सीएम के निकलने से पहले दफ्तर के बाहर भी बड़ी संख्या में लोग जुट गए। सबका अभिवादन स्वीकार करते हुए नीतीश कुमार निकल गए। वक्फ संशोधन बिल पर जदयू एमएलसी गुलाम गौस ने कहा किया है कि जेडीयू इसके समर्थन में नहीं है। पार्टी के मुखिया नीतीश कुमार ने इस पर अभी कुछ नहीं कहा है। आने वाले समय में स्थिति साफ हो जाएगी। उन्होंने कहा है कि यह मुसलमानों का धार्मिक मामला है। वक्फ संशोधन बिल में कई खामियां हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बिल वापस लेने की मांग भी की जबकि जदयू के कुछ नेता बिल के समर्थन में हैं। ऐसे में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सीएम नीतीश कुमार का दफ्तर जाना अहम माना जा रहा है।

आप के दो विधायकों ने विधानसभा में दिया नोटिस

नई दिल्ली

दिल्ली में रोज लग रहे पावर कट को लेकर आम आदमी पार्टी लगातार भाजपा सरकार को घेर रही है। अब आम आदमी पार्टी विधानसभा में भाजपा को घेरने की तैयारी कर रही है। दिल्ली में बढ़ती हुई बिजली कटौती पर आम आदमी पार्टी के दो विधायक संजीव झा और कुलदीप कुमार ने विधानसभा में नोटिस दिया है। आज आप का विधायक दल इस मुद्दे पर चर्चा की मांग करेगा।

एक दिन पहले नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि भाजपा को सरकार नहीं चलाने आती है। उनकी सरकार आते ही दिल्ली में घंटों बिजली जाने लगी है। ऐसा पहले 10 साल पहले हुआ करता था। उन्होंने कहा कि आप सरकार में दिल्ली की बिजली व्यवस्था बेहतर थी। उन्होंने कहा कि लोगों को फिर से इनवर्टर लगाने पड़ सकते हैं। दिल्ली में 10 साल पहले तक हर घर में इनवर्टर हुआ करते थे। इससे पहले 2014 की गर्मियों में आखिरी बार दिल्लीवालों ने 6 से 8 घंटे तक बिजली गायब देखी थी। दिल्ली में फरवरी 2015 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री बनकर दिल्ली में पावर सप्लाई को बेहतर बनाया। दिल्ली देश का इकलौता राज्य बन गया जो बिना पावर कट के 24 घंटे बिजली देता रहा है।

बांग्लादेश के टुकड़े कर दो

यूनुस के चीनी निमंत्रण पर भड़के पूर्वोत्तर के नेता

नई दिल्ली

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस के पूर्वोत्तर भारत को लेकर दिए गए बयान पर भारत में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। पूर्वोत्तर भारत के नेताओं ने एक सुर में यूनुस के बयान का विरोध करते हुए बांग्लादेश को टुकड़ों में बांटने की चेतावनी दे डाली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इसे अपमानजनक और निंदनीय करार दिया, वहीं कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इसे पूर्वोत्तर के लिए खतरनाक बताते हुए केंद्र सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाए हैं।

मोहम्मद यूनुस की एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें वे चीन की चार दिवसीय यात्रा के दौरान पूर्वोत्तर भारत पर टिप्पणी करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वे कहते हैं, भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों को सेवन सिस्टर्स के रूप में जाना जाता है। यह एक भूमि से घिरा क्षेत्र है, जिसकी समुद्र तक कोई पहुंच नहीं है। बांग्लादेश उनके लिए समुद्र तक पहुंच का मार्गदर्शक है। यह एक बड़ी संभावनाओं का द्वार खोलता है। उन्होंने आगे कहा कि यह स्थिति चीन की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा अवसर खोलती है।

कॉरिडोर के आसपास मजबूत नेटवर्क : बिस्वा

दिशपुर

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मोहम्मद यूनुस के बयान की कड़ी आलोचना करते हुए कहा, बांग्लादेश की तथाकथित अंतरिम सरकार के मोहम्मद यूनुस द्वारा पूर्वोत्तर भारत के राज्यों पर दिए गए बयान पूरी तरह से अपमानजनक और निंदनीय है। यह बयान भारत के चिकन नेक कॉरिडोर की भौगोलिक संवेदनशीलता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर को मुख्यभूमि भारत से जोड़ने के लिए मजबूत रेलवे और सड़क नेटवर्क विकसित करना अनिवार्य है। उन्होंने आगे कहा कि इतिहास में भारत के कुछ आंतरिक तत्वों ने भी इस महत्वपूर्ण मार्ग को काटकर नॉर्थईस्ट को मुख्यभूमि से अलग करने का खतरनाक सुझाव दिया था। सीएम ने इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए केंद्र सरकार से अपील की कि चिकन नेक कॉरिडोर के नीचे और आसपास मजबूत रेल और सड़क नेटवर्क विकसित किया जाए। साथ ही, उन्होंने वैकल्पिक सड़क मार्गों की खोज पर जोर दिया, जो नॉर्थईस्ट को मुख्यभूमि से जोड़े और चिकन नेक को बायपास करे।

उन्होंने कहा, हालांकि इसमें इंजीनियरिंग की बड़ी चुनौतियां हो सकती हैं, लेकिन दृढ़ संकल्प और इनोवेशन से यह संभव है। यूनुस के इस तरह के उकसावे वाले बयानों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए, क्योंकि ये गहरी रणनीतिक सोच और लंबे समय से चली आ रही योजनाओं को दर्शाते हैं।

2020 दिल्ली दंगा मामला : मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश

नई दिल्ली

दिल्ली सरकार में मंत्री और भाजपा नेता को राउज एवेंन्यू कोर्ट से मंगलवार को झटका लगा है। कोर्ट ने मंत्री कपिल मिश्रा और अन्य के खिलाफ 2020 के दिल्ली दंगों में उनकी कथित विभिन्न भूमिकाओं की जांच के लिए सुनवाई का आदेश दिया। साथ ही कोर्ट ने कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए आवेदन स्वीकार कर लिया है।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने इसे प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध पाया, जिसमें उन्होंने जांच के आदेश दिए हैं। न्यायाधीश ने कहा कि दंगों के दौरान कपिल इलाके में थे। इसमें आगे जांच की जरूरत है।

अमित शाह का एक और ऐलान... 2026 तक देश नक्शलवाद मुक्त होगा

नई दिल्ली

होम मिनिस्टर अमित शाह ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने मंगलवार को बताया कि देश में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 6 ही रह गई है। पहले यह आंकड़ा 12 का था, लेकिन बीते कुछ महीनों में जिस तरह से नक्सलवाद के खिलाफ सरकार ने अभियान छेड़ा है, उससे राहत मिली है। अब देश के 6 जिले ही नक्सल प्रभावित बचे हैं।

अमित शाह ने एक बार फिर से संकल्प दोहराया है कि 31 मार्च 2026 तक देश पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो जाएगा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत बना रही है। हम विकास के रास्ते पर बढ़ रहे हैं और तेजी से देश नक्सलमुक्त हो रहा है। 31 मार्च, 2026 तक भारत पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि भारत नक्सलवाद को 31 मार्च 2026 तक पूरी तरह से जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध है। शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'नक्सल मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए आज हमारे देश ने वामपंथी उग्रवाद से सर्वाधिक प्रभावित जिलों की संख्या को 12 से घटाकर मात्र छह करके एक नई उपलब्धि हासिल की है।' केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित जिले वे हैं, जहां नक्सली गतिविधियां एवं हिंसा अब भी जारी है।

10 सालों में 29 जिले नक्सलवाद से मुक्त

इन जिलों को 'सबसे अधिक प्रभावित जिले' के रूप में उप-वर्गीकृत किया गया है। यह 2015 में लाई गई शब्दावली है। इसके अलावा एक उप वर्ग 'चिंताजनक जिलों' की श्रेणी का है। यह उप श्रेणी 2021 में बनाई गई थी। पिछली समीक्षा के अनुसार 'सर्वाधिक प्रभावित जिले' 12 थे। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार 2015 में ऐसे 35 जिले, 2018 में 30 जिले और 2021 में 25 जिले थे। अब यह आंकड़ा तेजी से कम होता जा रहा है। साफ है कि बीते 10 सालों में 29 जिलों से नक्सलवाद समाप्त हो चुका है और अब सिर्फ 6 जिलों में ही यह बचा है।

चैत्र नवरात्र का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत महत्व है। नवरात्र देवी भगवती की उपासना के माध्यम से आत्मिक शक्ति, मानसिक शांति और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाने का एक अलभ्य अवसर होता है। इस कालखंड में आहार-विहार का संयम व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने और आंतरिक शक्तियों को जाग्रत करने का कार्य करता है। देवी दुर्गा इच्छा, ज्ञान और क्रिया शक्ति की प्रतीक हैं। वह संपूर्ण ब्रह्मांड की आधारभूत और क्रियात्मक शक्ति के रूप में आराधित होती हैं। मां ललिता त्रिपुरसुंदरी की उपासना से भक्तों को आत्मिक बल, जीवन में संतुलन और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है। नवरात्र के नौ दिनों में किया गया तप और साधना व्यक्ति को सभी प्रकार की नकारात्मक शक्तियों से मुक्त कर कल्याणकारी जीवन की ओर प्रेरित करता है। यह कालखंड निस्संदेह आत्मिक उत्थान और व्यक्तिगत विकास के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होता है!

मां दुर्गा में समाई है ब्रह्मा, विष्णु और शिव की शक्तियां...

क्या है चैत्र नवरात्र का सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

विनय उजाला

मानव मन में अंतर्निहित दुष्प्रवृत्तियो का निर्मूलन मां की कृपा अर्थात् निर्मल मति और आत्म-शक्ति के जागरण से संभव है। अंत:करण की पूर्ण शुचिता के उपरांत प्रस्फुटित शुभता और दिव्यता ही शक्ति आराधना की फलश्रुति है। इच्छा शक्ति, ज्ञान शक्ति और क्रिया शक्ति के रूप में जो सचराचर जगत में विद्यमान हैं, उन मां की आराधना का यह पवित्र पर्व नवरात्र सभी के लिए मंगलमय हो।

संपूर्ण ब्रह्मांड की उत्पत्ति का मूल कारण शक्ति ही हैं, जिसे ब्रह्मा, विष्णु व शिव तीनों ने मिलकर मां नवदुर्गा के रूप में सृजित किया। इसलिए मां दुर्गा में ब्रह्मा, विष्णु एवं शिव तीनों की शक्तियां समाई हुई हैं। जगत की उत्पत्ति, पालन एवं लय तीनों व्यवस्थाएं जिस शक्ति के आधीन संपादित होती हैं, वही हैं पराम्बा मां भगवती आदिशक्ति। नवरात्र का माहात्म्य सर्वोपरि इसलिए है कि इसी कालखंड में देवताओं ने दैत्यों से परास्त होकर आद्या शक्ति की प्रार्थना की थी और उनकी पुकार सुनकर देवी मां का आविर्भाव हुआ। उनके प्राकट्य से दैत्यों के संहार करने पर देवी मां की स्तुति देवताओं ने की थी। नवरात्र राक्षस महिषासुर पर देवी मां दुर्गा की विजय का प्रतीक है, जो नकारात्मकता के विनाश और जीवन में सकारात्मकता के पुनरुद्धार का प्रतीक है।

देवी मां दुर्गा का हर रूप एक अद्वितीय गुण या शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। उदाहरण के लिए, शैलपुत्री शक्ति और स्थिरता का प्रतिनिधित्व करती हैं। ब्रह्मचारिणी तपस्या का प्रतीक हैं और सिद्धिदात्री ज्ञान प्रदायिनी हैं। आदिशक्ति या महादेवी मां दुर्गा को सनातन, निराकार, परब्रह्म, जो कि ब्रह्मांड से भी परे एक सर्वोच्च शक्ति के रूप में माना जाता है। नवरात्र मां के अलग-अलग रूप के अविलोकन करने का दिव्य पर्व है। माना जाता है कि नवरात्र में किए गए प्रयास, शुभ-संकल्प बल के सहारे देवी दुर्गा की कृपा से सफल होते हैं।

चैत्र नवरात्रि का धार्मिक, ज्योतिषीय और आध्यात्मिक महत्व

भारत में होली-दीपावली जितना ही खास है चैत्र नवरात्रि। जिसकी धूम भारत के ज्यादातर जगहों पर देखने को मिलती है। नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा के अलग-अलग रूपों की पूजा होती है। मंत्रोच्चारण से लेकर पूजा-पाठ, भोग लगाने तक हर एक चीज का अपना एक अलग महत्व होता है। भागवत पुराण के अनुसार साल में चार नवरात्र मनाए जाते हैं जिनमें दो गुप्त नवरात्र सहित शारदीय नवरात्र और बासंती नवरात्र, जिसे चैत्र नवरात्र के नाम से भी जाना जाता है। चारों नवरात्रि ऋतु चक्रों पर आधारित हैं।

ज्योतिषीय महत्व

ज्योतिषीय दृष्टि से चैत्र नवरात्र का खास महत्व है क्योंकि इस नवरात्र के दौरान या आसपास सूर्य का राशि परिवर्तन होता है। चैत्र नवरात्र से नववर्ष के पंचांग की गणना शुरू होती है। इसी दिन से वर्ष के राजा, मंत्री, सेनापति, वर्षा, कृषि के स्वामी ग्रह का निर्धारण होता है और वर्ष में अन्न, धन, व्यापार और सुख शांति का आंकलन किया जाता है। नवरात्र में देवी और नवग्रहों की पूजा का कारण यह भी है कि ग्रहों की स्थिति पूरे वर्ष अनुकूल रहे और जीवन में खुशहाली बनी रहे।

आध्यात्मिक महत्व

इस नवरात्रि में देवी की 9 शक्तियों के अलावा 9 विद्या भी पूजी जाती हैं। 9 औषधियां भी पूजन में शामिल की जाती है। इस नवरात्रि में ध्यान, चिंतन और मनन के अतिरिक्त आध्यात्मिक उन्नति के लिए प्रयास किए जाते हैं। साधक की साधना इस नवरात्रि में अधिक फलदायी होती है।

धार्मिक महत्व

धार्मिक दृष्टि से नवरात्र का अपना अलग ही महत्व है क्योंकि इस समय आदिशक्ति जिन्होंने इस पूरी सृष्टि को अपनी माया से ढका हुआ है जिनकी शक्ति से सृष्टि का संचलन हो रहा है जो भोग और मोक्ष देने वाली देवी हैं वह पृथ्वी पर होती है इसलिए इनकी पूजा और आराधना से इच्छित फल की प्राप्ति अन्य दिनों की अपेक्षा जल्दी होती है। जहां तक बात है चैत्र नवरात्र की तो धार्मिक दृष्टि से इसका खास महत्व है क्योंकि चैत्र नवरात्र के पहले दिन आदिशक्ति प्रकट हुई थी और देवी के कहने पर ब्रह्मा जी को सृष्टि निर्माण का काम शुरु किया था।

इसलिए चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से हिंदू नववर्ष शुरू होता है। चैत्र नवरात्र के तीसरे दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य रूप में पहला अवतार लेकर पृथ्वी की स्थापना की थी। इसके बाद भगवान विष्णु का सातवां अवतार जो भगवान राम का है वह भी चैत्र नवरात्र में हुआ था। इसलिए धार्मिक दृष्टि से चैत्र नवरात्र का बहुत महत्व है।

संक्षिप्त समाचार

तीन मासूम बच्चों की जवाबदारी वहन करेगा मोहन श्री फाउंडेशन

नागदा जं. (निप्र)। नगर की अग्रणी सामाजिक संस्था मोहनश्री फाउण्डेशन बिन माँ के तीन मासूमो के पालन पोषण की जवाबदारी उठायेगा। उक्त जानकारी देते हुए फाउण्डेशन के मनोज राठी बारदानवाला ने बताया कि ताल निवासी दिलीप पांचाल जो कि गुजरात में मजदूरी करके अपने परिवार का जीवन यापन कर रहा था तथा कुछ माह पूर्व उसकी पत्नी उसे व उसके तीन छोटे बच्चों को छोड़कर किसी अन्य व्यक्ति के साथ चली गई। ऐसी स्थिति में दिलीप के उपर बच्चों की परवरिश करने की जिम्मेदारी आ गई जो कि उसके लिये काफी मुश्किल भरा काम था। पंद्रह दिन पहले दिलीप अपने तीनों बच्चों 8 वर्षीय हिमांशु, 6 वर्षीय तनीषा, 4 वर्षीय पीयूष को मोहन श्री फाउंडेशन के पास लेकर आया। छोटे-छोटे व मासूम बच्चों की पीड़ा देखकर मोहन श्री फाउंडेशन ने उन बच्चों की संपूर्ण जवाबदारी वहन करने का निर्णय लिया और उन तीनों बच्चों को अपने सरंक्षण में लिया। आज पंद्रह दिन पश्चात् तीनों बच्चे अपनी मां व अपना दुख भूलकर हंसते-खेलते हुए अपना जीवन जी रहे हैं। राठी ने बताया कि इन बच्चों की 21 वर्ष की आयु पूरी होने तक संपूर्ण जवाबदारी मोहन श्री फाउंडेशन द्वारा वहन की जाएगी। यदि आपकी नजर में भारत के किसी भी क्षेत्र में ऐसा कोई बच्चा हो जिसकी माँ नहीं हो या माता- पिता दोनों ही नहीं हो, वो बच्चा अपने रिश्तेदारों के यहां रहकर प्रताड़ित हो रहा हो या किसी भी मासूम बच्चे का बचपन कहीं भी कुचला जा रहा हो तो ऐसे बच्चे का पालन पोषण की जिम्मेदारी मोहन श्री फाउंडेशन द्वारा वहन की जाएगी।

गौरतलब है कि समाज के पीड़ित और परेशान लोगों की यथा संभव मदद के लिए प्रतिबद्ध मोहन श्री फाउंडेशन स्वर्गीय मोहनलाल जी राठी की स्मृति में राठी परिवार द्वारा संचालित किया जा रहा है जो बिना किसी बाहरी या शासकीय सहायता प्राप्त होकर राठी परिवार द्वारा विगत कई वर्षो से संचालित हो रहा है तथा नगर व आसपास के जरूरतमंदो को हमेशा सहयोग करता आ रहा है।

दूधारू गायों हेतु पुरस्कार योजना आज से

उज्जैन, निप्र। प्रदेश की मूल गौवंशीय नस्ल मालवी एवं भारतीय उन्नत नस्ल एवं भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गायों हेतु पुरस्कार योजना का आयोजन उज्जैन जिले में 2 से 8 अप्रैल के मध्य किया जाएगा। योजना अंतर्गत सभी वर्ग के पशु पालक, जिनके पास प्रदेश की मूल गौवंशीय नस्ल मालवी नस्ल की गाय जिसका प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन 4 ली. अथवा उससे अधिक है एवं भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गाय जिसका प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन 6 ली. अथवा उससे अधिक है, योजनान्तर्गत गौवंश पालक 4 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं। योजना राज्य स्तरीय एंव जिला स्तरीय पर संचालित की जाएगी। योजना में जिला स्तरीय पुरस्कार मालवी नस्ल की गाय एवं भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गाय के लिए प्रथम पुरस्कार राशि रु 51000/-, द्वितीय पुरस्कार राशि रु 21000/-, एवं तृतीय पुरस्कार राशि रु 11000/- है। योजना में राज्य स्तरीय हेतु प्रथम पुरस्कार हेतु राशि रु 200000/-, द्वितीय पुरस्कार राशि रु 100000/- एवं तृतीय पुरस्कार राशि रु. 50000/- है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अपने निकटतम प्रभारी पशु चिकित्सालय अथवा पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी से संपर्क करें।

पंचक्रोशी यात्रा 23 अप्रैल से होगी प्रारंभ

उज्जैन, निप्र। पंचक्रोशी यात्रा आगामी 23 अप्रैल से प्रारंभ होगी। यात्रा की तैयारियों के लिए विभागों को दायित्व सौंपे गए हैं। संबंधित विभाग समस्त कार्य दिनांक 15 अप्रैल के पूर्व पूर्ण कर कार्यालयीन समय में लिखित में पूर्णता का प्रमाण पत्र जिला पंचायत उज्जैन में प्रस्तुत करेंगे। मुलभूत सुविधाओं की व्यवस्था का दायित्व सम्बंधित विभागों को दिये गए है। जिनमें लोक निर्माण विभाग (भवन एवं पथ) को समस्त पड़ाव उप पड़ाव स्थल पर समतलीकरण। पंचक्रोशी मार्ग का संधारण (पटरी भरना एवं कटीली झाड़ी एवं रोड़ पर आने वाली झाड़ियों को हटाना। मंदिर मे आने जाने हेतु बैरिकेटिंग की व्यवस्था करना। यात्रा मार्ग की नदी नाले की गहरी पुल पुलिया पर यात्रा के पूर्व रेलिंग लगवाना। पिंग्लेश्वर रेल्वे पुलिया के निचे मुरम डालकर रोलिंग करना एवं आपात स्थिति में वर्षा जल निकासी की व्यवस्था। कालियादेह ग्राम से चक कमेड़ अष्टतीर्थ मार्ग का संधारण कराना लगभग 3 कि.मी. । यात्रा मार्ग पर संकेतक एवं माईलस्टोन लगवाना। यात्रा के जैथल से उण्डासा जाने पर आगर रोड़ पर डिवाईडर बनाकर यात्रियों हेतु मार्ग की पृथक से व्यवस्था करना। मक्सी रोड़ क्रांसिग पर दुर्घटना ना हो इस हेतु आवश्यक व्यवस्था। मार्ग की पुलिया पर रेलिंग लगाना। समस्त पड़ाव/उप पड़ाव स्थलो के मंदिरो पर यात्रा के दौरान बेरिकेटिंग करवाना।

नवीन नेशनल हाईवे का उद्घाटन करेंगे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

कलेक्टर सिंह ने दिए तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के द्वारा मंगलवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभा कक्ष में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली गई।

बैठक में कलेक्टर सिंह ने कहा कि आगामी 7 अप्रैल को उज्जैन से होकर गुजरने वाले नवीन नेशनल हाईवे व बड़नगर-बदनावर हाईवे का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए कार्यक्रम स्थल निर्धारण को लेकर एसडीएम बड़नगर और उज्जैन ग्रामीण को उपयुक्त स्थान का चिन्हांकन करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अन्य आवश्यक तैयारीयां सुनिश्चित करने को कहा गया।

कलेक्टर ने बैठक में आने वाले समय में माननीय मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिविशिष्ट व्यक्तियों के कार्यक्रमों के लिए एसओपी तैयार करने के निर्देश दिए, जिसमें हेलीपैड व्यवस्था, वीआईपी गेस्ट हाउस व्यवस्था, स्टेज व्यवस्था एवं अन्य चेकलिस्ट शामिल करने के लिए कहा गया। जिन अधिकारियों की ड्यूटी महाकालेश्वर मंदिर के प्रोटोकॉल में लगी है उनकी वीआईपी कार्यक्रमों में शिफ्ट वार ड्यूटी लगाई जाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर द्वारा आने वाले पर्वों को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां करने के लिए कहा गया।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए की सभी लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण किया जाए, साथ ही जिन विभागों द्वारा अच्छा प्रदर्शन किया गया है वे अपना प्रदर्शन बरकरार रखें। ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली और पेयजल की स्थिति की समीक्षा की गई तथा सभी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान सभी विभागों को निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत लक्ष्य निर्धारित कर अब तक की प्रगति से अवगत कराया जाएं। बैठक में सीईओ जिला पंचायत जयति सिंह, एडीएम प्रथम कौशिक एवं सभी संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

जैन सोशय ग्रुप द्वारा जल मंदिर का शुभारंभ

विनय उजाला

नागदा, जं. निप्र। गर्मी के दिनों में प्यास लगी हो ओर यदि ठंडा जल मिल जाए वह गर्मी के दिनो में सबसे बड़ा सुख होता है। ठंडे पीने के पानी की कीमत वहीं व्यक्ति अच्छे से समझा सकता है जो गर्मी के दिनों में ठंडे पानी पीने की आस में कई मील पैदल यात्रा कर आया हो। यह बात मंगलवार सुबह 10 बजे जवाहर मार्ग स्थित जैन सोश्लय ग्रुप के द्वारा संचालित जल मंदिर के शुभारम्भ पर मुख्य अतिथि भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़ ने कही। जल मंदिर के शुभारम्भ पर आयोजित कार्यक्रम में नवकार महामंत्र की प्रस्तुति डॉ. नितिशा वागरेचा ने दी। स्वागत उद्बोधन ग्रुप के अध्यक्ष धर्मेन्द्र बम ने दिया। अतिथियों ने फिता खोल कर जल मंदिर का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम का संचालन ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष श्रेणिक बम ने और अभार सचिव प्रशांत नाहर ने माना। मीडिया प्रभारी डॉ. विपिन वागरेचा ने बताया कि ग्रुप द्वारा विगत 12 वर्षों से निरन्तर प्याऊ का संचालन किया जा रहा है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुनील चोधरी, मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ अध्यक्ष मनीष सालेचा व्होरा, दिगम्बर जैन संघ अध्यक्ष सुनील जैन, स्थानकवासी संघ अध्यक्ष प्रकाश लुणावत, रीजन उपाध्यक्ष शरद जैन थे। जल मंदिर के शुभारम्भ पर ग्रुप परिवार द्वारा अतिथियों का बहुमान करने के साथ अस्थायी जल मंदिर निर्माण के भूमि प्रदान करने वाले कमल पोरवाल एवं अस्थाई जल मंदिर का निर्माण करने वाले ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष मनीष चपलोद का भी बहुमान किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रुप पदाधिकारियों सहित महिला सदस्य भी उपस्थित थी।

स्वर्णिम भारत मंच ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से की मांग

पवित्र नगरी में मदिरा बंद तो मांस क्यों नहीं

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। 1 अप्रैल से धार्मिक नगरी उज्जैन में भी मदिरा की बिक्री पर रोक सरकार ने लगा दी है। कलाली हटने से जनता खुश तो है लेकिन धार्मिक नगरी में से केवल मदिरा विक्रय पर रोक लगाने वाले आदेश से स्वर्णिम भारत मंच ने असंतुष्टि जताई है।

स्वर्णिम भारत मंच ने मांग की है कि जब संत प्रतीतराम रामस्नेही के समय से ही धार्मिक नगरी से मांस मदिरा के विक्रय पर रोक लगाने की मांग उठती आ रही थी तो केवल मदिरा पर ही पाबंदी क्यों लगाई ? मांस विक्रय और कत्लखानों को हटाने का आदेश क्यों नहीं दिया? जबकि सरकार के प्रयासों से हमारे नगर के चारों ओर जो विकास हो रहे हैं वह अपने आप में अनूठे एवं वैभवशाली है। महाकाल की नगरी संपूर्ण विश्व में विख्यात है। परन्तु कई वर्षो से उज्जैन में से मांस और मदिरा के विक्रय पर रोक लगाने वाली मांग को आज तक कोई पूरा नहीं कर पाया है। प्रदेश के मुखिया उज्जैन नगर से हैं फिर भी उनके होते हुए उज्जैन धार्मिक नगरी से मांस विक्रय एवं कत्लखाने पर रोक नहीं लग पाई है।

(ब्रह्मलीन संत प्रतीतराम रामस्नेही जी)

स्वर्णिम भारत मंच के अध्यक्ष दिनेश श्रीवास्तव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा स्वर्णिम भारत मंच की मांग को पूरा करते हुए जिस दिन उन्होंने पदभार ग्रहण किया उसी दिन आदेश पारित किया था कि खुले में मांस का विक्रय नहीं होगा। परंतु मुख्यमंत्री के आदेश के बावजूद भी उज्जैन नगर क्षेत्र के धार्मिक स्थान के आसपास खुले आम सड़क पर मांस का विक्रय हो रहा है। आज हर्ष की बात है कि सीएम डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के 17 पवित्र नगरों में से उज्जैन से भी मदिरा के विक्रय पर रोक लगा दी है। लेकिन यह रोक केवल मदिरा पर ही नहीं होकर मांस और कत्लखानों पर भी लगाई जाना चाहिए। ताकि धार्मिक नगरी में आने वाले श्रद्धालुओं को सड़क पर बिक्री हो रहे मांस की दुकानों और कत्लखानों के सामने से होकर नही गुजरना पड़े।

संत की आत्मा को शांति कब

ब्रह्मलीन संत प्रतीतराम रामस्नेही जी ने 3 दशक पूर्व से उज्जैन पवित्र नगरी मांग को लेकर आंदोलन किया था। उनके आंदोलन के प्रभाव के कारण नगर निगम की ओर से 2004 में महाकाल क्षेत्र से 2 किमी में मांस मदिरा विक्रय पर रोक लगाने का एक ठहराव प्रस्ताव सरकार को भेजा था। उसके बाद मप्र सरकार ने 2005 में उज्जैन को पवित्र नगरी घोषित तो कर दिया लेकिन इसका दायरा इतना छोटा सा रखा कि वहां से मांस मदिरा विक्रय और कत्लखानों का संचालन बंद नहीं हो पाया। संत प्रतीत राम जी के ब्रह्मलीन होने के बाद इस आंदोलन को स्वर्णिम भारत मंच ने आगे बढ़ाते हुए अपनी प्रमुख मांगों में से एक रखा और एक जन आंदोलन खड़ा भी किया। जिसके कारण खुले में हो रहे मांस विक्रेता पर पाबंदी लगाने पर जोर प्रशासन ने दिया। लेकिन सरकार के द्वारा कभी भी उज्जैन से मांस मदिरा विक्रय पर प्रतिबंध नही लगाया गया। आज जब मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अभिनव पहल से मदिरा विक्रय पर रोक तो लगी है, लेकिन वास्तविक तौर पर मांस विक्रय एवं कत्लखाने पर भी पाबंदी लगाना चाहिए थी। यदि धार्मिक नगरी से मांस और कत्लखानों पर पाबंदी नही लगी तो ब्रह्मलीन संत प्रतीतराम रामस्नेही जी की आत्मा को शांति नहीं मिलेगी।

देश विदेश में छवि हो रही ख़राब

महाकाल की नगरी में आने वाले श्रद्धालुओं को जब सड़क पर मांस मटन चिकन दिखता है तो उनकी नजरों में हमारी धार्मिक नगरी की छवि एक गंदे शहर की तरह जाती है। मदिरा बिक्री पर रोक सरकार सराहनीय प्रयास है। लेकिन मांस और कत्लखानों पर पाबंदी नहीं लगी तो धार्मिक नगरी का वैभव नही बन पाएगा। सरकार पवित्र नगरी का सीमा क्षेत्र बढ़ाए। स्वर्णिम भारत मंच ने मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव से मांग की है कि 2005 में उज्जैन को पवित्र नगरी का दर्जा दिया था। परन्तु सीमा क्षेत्र केवल महाकाल मंदिर से 200 मीटर ही है। अब इस सीमा क्षेत्र को बड़ा कर 2 किमी कर दिया जाए।

स्विमिंग पूल संचालन की जिम्मेदारी दिल्ली की कंपनी को

विधायक, महापौर एवं निगम अध्यक्ष द्वारा किया स्विमिंग पूल का शुभारंभ

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। नगर पालिक निगम द्वारा संचालित नगर निगम मुख्यालय के पीछे स्थित ओलंपिक साइज के स्वीमिंग पूल का शुभारंभ मंगलवार को उज्जैन उत्तर विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव द्वारा किया गया। इस दौरान एमआईसी सदस्य रजत मेहता, कैलाश प्रजापत, सत्य नारायण चौहान, जोन अध्यक्ष संग्राम सिंह भाटिया, पार्षद हेमंत गहलोत, श्रीमती आभा कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष अजय तिवारी, उपायुक्त योगेन्द्र पटेल, सहायक आयुक्त प्रदीप सेन, पार्षद प्रतिनिधि घनश्याम गौड़ उपस्थिति रहे।

उल्लेखनीय है कि स्विमिंग पूल का संचालन दिल्ली की रामा कृष्णा कंपनी द्वारा किया जाएगा। जिसमें कंपनी द्वारा ही स्विमिंग पूल का रख रखाव, लाइफ गार्ड की उपलब्धता का कार्य किया जाएगा। स्विमिंग पूल का शुल्क प्रतिमाह 2,500 रुपए, 3 माह का 5,500 रुपए, छ: महीने का 9,000 रुपए, स्पेशल प्लान जिसमें फैमिली प्लान 18,000 रुपए एवं प्रतिदिन का शुल्क 150 रुपए निर्धारित किया गया है।

यह रहेगा समय : स्विमिंग पूल में सुबह एवं शाम की शिफ्ट रहेगी। जिसमें सुबह का समय प्रात: 6 से 7, 7 से 8, 8 से 9 ,9 से 10, 10 से 11 (महिला) का समय रहेगा। इसी तरह शाम को 4 से 5 तक 5 से 6 , 6 से 7, 7 से 8, 8 से 9, 9 से 10 तक रहेगा। जिसमें 45 मिनट स्विमिंग कर सकेंगे एवं 15 मिनट का शावर रहेगा।

जिला पुर्नगठन आयोग को जिला बनाने का नहीं सिर्फ सिफारिश करने का अधिकार है : पूर्व विधायक गुर्जर

विनय उजाला

नागदा जं. निप्र। विधायक तेजबहादुरसिंह चौहान द्वारा व्यापारी संघ के कार्यक्रम में नागदा को जिला बनाने के संबंध में कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा जिलो को लेकर पुर्नगठन आयोग का गठन किया गया है जिस कारण व्यवस्था बदली है पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व विधायक दिलीपसिंह गुर्जर ने कहा है कि व्यवस्थाएं बदली है परंतु संविधान नही बदला है। जिला बनाने के लिए प्रक्रिया व कानुन नही बदला है। परिसीमन आयोग बनने के पश्चात भी शासन के नियम यथावत है आयोग के नाम पर नागदा को जिला नही बनाने का एक षडयंत्र है। श्री चौहान क्षेत्र की जनता के बीच अपना मत स्पष्ट करें कि वो नागदा को जिला बनाना चाहते है कि नही? श्री गुर्जर ने कहा है कि दिनांक 12 मार्च 2024 को एक वर्ष की कार्यावधि हेतू नवीन प्रशासनीक इकाठ पुर्नगठन आयोग का गठन किया गया है। परंतु नये जिले बनाने का अधिकार आयोग को भी नही है आयोग सिर्फ प्रस्ताव व सिफारिश करेगा जिला बनाने का कार्य राजस्व विभाग धारा 13 के अन्तर्गत जिला बनाने की प्रक्रिया पूर्ण करेगा वो ही प्रक्रिया है जो नागदा को जिला बनाने में हुई थी क्या श्रेय की राजनीति के चलते उसी प्रक्रिया को पुन: दोहराने का नाटक किया जाएगा?

श्री गुर्जर ने कहा है कि विधायक चौहान सत्तारूढ पार्टी के विधायक होते हुए भी क्षेत्र में आईटीआई कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज व अन्य मांग कर रहे है जिसमें शासन के नकारात्मक जवाब है यदि वो नागदा को जिला बनाने की अंतिम प्रक्रिया पूर्ण कर जिला बना लेवें तो मेडिकल कॉलेज, इंजीनियर कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज, आईटीआई, जिला चिकित्सालय आदि करीब 50 से अधिक विभागों के कार्यालय नागदा में आ जाएगें जिससे कि नागदा में शिक्षा, रोजगार, व्यापार, व्यवसाय के खुब अवसर क्षेत्र की जनता को उपलब्ध होगें क्षेत्र में उन्नति व समृद्धि होगी।

चाचा ने कराया फर्जी दस्तावेज से भूमि का नामांतरण

कलेक्टर द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के द्वारा मंगलवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभा कक्ष में विभिन्न मामलों में जनसुनवाई करते हुए प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को दिए गए। उज्जैन निवासी अनुराग सोलंकी ने आवेदन दिया कि उनकी पैतृक भूमि ग्राम सुचाई तह. माकडौन में है, इस पर उनके चाचा ने फर्जी दस्तावेज के द्वारा भूमी का नामांतरण अपने नाम करा लिया गया है। इस पर तहसीलदार माकड़ोन को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

घट्टीया तहसील के ग्राम अम्बोदिया निवासी भेरूलाल ने आवेदन दिया कि उन्होंने सूचना के अधिकार के तहत उनकी पूर्वजों की भूमि का रिकार्ड मांगा था जो कि उन्हें आज तक नहीं मिला है। इस पर तहसीलदार घट्टीया को जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। नागदा तहसील के भड़ला निवासी जगदीश ने आवेदन दिया कि उनके स्वामित्व की कृषि भूमि पर अनावेदकों द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा है। इस पर तहसीलदार नागदा को मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

घट्टीया तहसील के ग्राम बनड़ा निवासी पप्पूसिंह ने आवेदन दिया कि उनके ग्राम में सरपंच व सचिव के द्वारा शासकीय कार्य में अनियमितता की जा रही है। इस पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार कलेक्टर, अपर कलेक्टर एमएस कवचे एवं अन्य अधिकारियों द्वारा अन्य मामलों में जनसुनवाई की गई।

पालतु श्वानों को उद्यान में घुमाने पर होगी चालानी कार्रवाई

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। उद्यानों में स्थानीय रहवासियों द्वारा अपने पालतू श्वानों को घुमाया जाता है एवं वही पर गंदगी करवाई जाती है, जो कि पूर्ण रूप से अनैतिक है। उद्यानो में बुजुर्ग, महिलाऐं, बच्चे सुबह-शाम के समय भ्रमण एवं योगा भी करते है और उन्हें श्वानों के घुमने व गंदगी करवाने से अनेक परेशानियों उत्पन्न होती है। जिसे दृष्टिगत रखते हुए आयुक्त आशीष पाठक के निर्देशानुसार उपायुक्त उद्यान योगेन्द्र पटेल द्वारा आदेश जारी किया जाकर स्वास्थ्य अधिकारी, स्वास्थ्य निरीक्षक एवं उद्यानों के उपयंत्री एवं प्रभारी दरोगाओं को सतत् उद्यानों का निरीक्षण करने तथा उद्यानों में श्वानों को घुमाते पाए जाने पर सम्बंधित श्वान मालिक पर चालानी कार्रवाई करने के लिए आदेशित किया गया।

प्रवेश उत्सव मनाया

उज्जैन, निप्र। नगर का एक मात्र ईएफए विद्यालय शासकीय शालिग्राम तोमर उमावि में 1 अप्रैल को प्रवेश उत्सव हर्षोल्लाह से मनाया गया। नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं को तिलक लगाकर पुस्तक वितरण किया गया। नर्सरी से लेकर 12वीं तक का प्रवेश विद्यालय में दिया जा रहा है। जिले का एकमात्र स्कूल है, जहां पर आईपी विषय पढ़ाया जाता है। कक्षा 9वी से इंग्लिश मीडियम और हिंदी मीडियम दोनों ही माध्यम में छात्रों के लिए प्रवेश चालू है। जानकारी शाला मीडिया प्रभारी डॉक्टर मनीष राठौर और वंदना घाटे ने दी।

पीएचई विभाग प्रभारी ने की विभाग की समीक्षा

प्रत्येक वार्ड में किया जाएगा प्याऊ का संचालन : प्रकाश शर्मा

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुसार उज्जैन शहर में प्रत्येक वार्ड अंतर्गत नगर निगम जल कार्य विभाग द्वारा एक प्याऊ का संचालन किया जाएगा जिसकी शुरुआत जोन स्तर से की जाएगी।

साथ ही गर्मी के समय को दृष्टिगत रखते हुए कुएं, बावड़ियों एवं जलाशयों की सफाई की जाए एवं जिन क्षेत्रों में आवासीय भवनों द्वारा कमर्शियल रूप से जल का उपयोग किया जा रहा है। उनसे कमर्शियल की दर से जलकर वसूला जाए। उक्त निर्देश मंगलवार को जल कार्य विभाग के प्रभारी सदस्य प्रकाश शर्मा द्वारा विभाग की समीक्षा बैठक अंतर्गत अधिकारियों को दिए गए।

प्रभारी सदस्य प्रकाश शर्मा द्वारा निर्देषित किया गया कि शहर में पेयजल व्यवस्था पर विभाग के अधिकारियों द्वारा नियंत्रित रखा जाए। शहर के हैंडपंप, बोरिंग की मोटर का संधारण किया जाए, पानी की टंकियां अपनी पूर्ण क्षमता के साथ भरी जाए, जल प्रदाय के समय विभाग के अधिकारी वार्डों में भ्रमण करें जहां पर भी पेयजल की लाइन क्षतिग्रस्त या लीकेज हो उसका संधारण एवं पानी की गुणवत्ता की जांच कर्मचारियों से करवाया जाए। साथ ही देखने में आ रहा है कि दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों की धुलाई हेतु वॉशिग सेंटर संचालकों द्वारा पानी का अपव्यय किया जा रहा है। ऐसे में वाशिग सेंटर की जांच की जाए की पानी कहां से लिया जा रहा है। इसी के साथ शहर में पेयजल वसूली हेतु बिल वितरण व्यवस्था में सुधार लाया जाए। बैठक में कार्यपालन यंत्री केदार खत्री, सहायक यंत्री शिवम दुबे, वैभव भावसार, दीपेश वास्पत एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बावड़ी स्कूल व छात्रावास में प्रवेश उत्सव मनाया गया

पेटलावद, निप्र। उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान व नवीन शैक्षणिक सत्र के अंतर्गत ग्राम बावड़ी में साक्षरता रैली व छात्र छात्राओं की प्रवेश उत्सव के संबंध में रैली का आयोजन किया गया। प्रवेश उत्सव में छात्र छात्राओं को कुमकुम का तिलक लगाकर व रक्षा सूत्र बांधकर स्वागत किया गया तथा पुस्तक वितरण की गई। कार्यक्रम में खण्ड स्त्रोत समन्वयक रेखा गिरी, संकुल प्राचार्य एमएल मालवीय ,खंड अकादमीक समन्वयक लालसिंह अम्लावर, विकास खण्ड साक्षरता समन्वयक मेजर सिंह राठौर, जन शिक्षक रामेश्वर पाटीदार, प्रधानाध्यापक वासुदेव बैरागी, श्यामलाल पडियार, मोहनलाल मेडा, जिज्ञासा भट्ट , रावजी भंवर गल सिंह डामर, लालसिंह गर वाल आदि शिक्षको का कार्यक्रम में योगदान रहा।

अभिनव पब्लिक स्कूल में कन्याओं का पूजन और बालकों को तिलक लगाकर कराया प्रवेश

हरसूद, निप्र। नवीन शिक्षा सत्र के प्रथम दिवस मंगलवार को स्थानीय अभिनव पब्लिक स्कूल हरसूद में प्रवेश उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष विजय कुमार मंत्री, सचिव बीडी अग्रवाल एवं शिक्षा समिति अध्यक्ष डॉ. डीपी अग्रवाल द्वारा कन्याओं का पूजन कर एवं बालकों को तिलक लगाकर तथा उनका मुंह मीठा कर स्कूल में प्रवेश कराया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि कमल खंडेलवाल, समाजसेवी डॉ महेश जैन, डॉ. आरएन पटेल सहित बडी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं स्टाफ मौजूद रहा। इस अवसर पर प्राचार्य नारायण प्रसाद शर्मा ने शाला की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि हाल ही में घोषित कक्षा 8वीं एवं 5वीं के परीक्षा परिणामों में शाला के विद्यार्थियों ने बेहतर परिणाम देकर शाला का नाम रोशन किया। शर्मा ने बताया कि कक्षा 8वीं में शाला की छात्रा सौम्या पिता उमाशंकर वासले ने तहसील में सर्वाधिक 91.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं तनु पिता संदीप तंवर ने 91.50 प्रतिशत अंक प्राप्त का द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

स्थानीय कक्षाओं के परीक्षा परिणाम घोषित

हरसूद, निप्र। अरिहंत स्कूल के कक्षा नर्सरी से ग्यारहवीं कक्षा तक के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। कक्षा में अव्वल आए विद्यार्थियों को पुरुस्कृत किया गया। परीक्षा परिणाम दिवस पर संचालक संतोष जैन द्वारा नीट, जेईई, ओलंपियाड और फाउंडेशन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी बड़े शहरों की तर्ज पर उच्च गुणवत्ता वाली क्लासेस लगाने की घोषणा की गई। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष कविता जैन, प्रधानाध्यापिका प्रीति दुबे, मैनेजिंग डायरेक्टर अक्षत जैन, कपिल यादव, रोहित भाटी एवं समस्त स्टाफ ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित की।

पुष्प वर्षा कर किया छात्रों का स्वागत

हरसूद, निप्र। मंगलवार को शासकीय उत्कृष्ट बालक विद्यालय हरसूद में प्रवेशोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर शाला आए विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प वर्षाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि कमल खंडेलवाल, माखन मालवीय, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एसएस सोलंकी एवं बीआरसी तरूण कुमार झिंझौरे द्वारा विद्यार्थियों को पुस्तकों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्राचार्य आशीष कुमार मावलीय द्वारा व्यक्त किया गया।

जल संरक्षण एवं पौधारोपण का कार्य शासन प्रशासन तो कर ही रहा है इसमें आमजन का सहयोग भी जरूरी है : महापौर अमृता यादव

निगम प्रशासन द्वारा जल संरक्षण अभियान का हुआ शुभारंभ, महापौर ने किया पौधारोपण

विनय उजाला

खंडवा, निप्र। नगर निगम खंडवा द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत झीलोद्धान में पौधरोपण अभियान का का शुभारंभ मंगलवार को महापौर अमृता अमर यादव द्वारा पौधा लगाकर किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी सुदेश वानखेड़े एवं भाजपा जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर के साथ ही पार्षदगणों एवं उपस्थित जनों ने भी अपने हाथों से पौधे का रोपण किया। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि जल शक्ति अभियान, जल संरक्षण के लिए भारत सरकार का एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। इसका मकसद लोगों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जल संरक्षण परियोजनाओं में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करना है। महापौर अमृता यादव के मार्गदर्शन में निगम प्रशासन द्वारा ऐतिहासिक और प्राचीन पदमकुंड एवं रामेश्वर कुंड के साथ ही शहर में स्थापित जल संरचनाओं पर कार्य चल रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर अमृता यादव ने कहा कि जल जीवन है जल है तो कल है, जल सीमित है और जल के दुरुपयोग को बचाना हम सब का दायित्व है, पेड़ों की कटाई के कारण प्रकृति के साथ खिलवाड़ हुआ है इसके कारण पर्याप्त वर्षा नहीं हो पा रही है। हमारे आने वाली पीढ़ी के लिए और भरपूर मात्रा में ऑक्सीजन हमें कुदरती प्राप्त होती रहे इसके लिए पौधारोपण आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति अपने पुत्र-पुत्री की भांति एक पौधा लगाकर उसे बड़ा करें तो हम इस अभियान में सफल होंगे। महापौर श्रीमती यादव ने कहा की पौधारोपण के साथ ही जल निकायों की सफ़ाई और गाद निकालना भूजल पुनर्भरण के लिए परित्यक्त/निष्क्रिय बोरवेलों को पुनर्जीवित करना।

जल निकायों के आस-पास के जलग्रहण क्षेत्रों में वनरोपण जल संरक्षण के कार्य है, प्रशासन तो अपना कार्य कर रहा है, लेकिन आम जन का यदि इसमें सहयोग मिलेगा तो इसमें हम सफल होंगे, जल संरक्षण का यह अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलेगा, इसमें सभी सहयोग प्रदान करें। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि आयोजित कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेड़े, भाजपा जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर, सेवादास पटेल ने भी संबोधित किया। निगम आयुक्त प्रियंका सिंह राजावत ने जल संरक्षण के कार्यों की जानकारी स्वागत भाषण के रूप में दी। कार्यक्रम में महापौर अमृता यादव जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेडे राजपाल सिंह तोमर सेवा दास पटेल, एमआईसी सदस्य राजेश यादव, अनिल वर्मा, सुनील जैन,पार्षद मोनीका नीतीश बजाज, पवन गोस्वामी, राम सिंह रावत, ओमप्रकाश सिलावट, प्रेम गोयल,ऋरंगी उपाध्याय,सादिक बांटिया, शकीरा बिलाल, आयुक्त प्रियंका सिंह राजावत उपयुक्त सचिन सिटोले, कार्यपालन यंत्री वर्षा धीघोड़े, राधेश्याम उपाध्याय, मनीष झीले, प्रशांत पचौरे, संजय शुक्ला, राजेश गुप्ता, गोपाल चौहान सहित अंपरिकल कोचिंग के विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन गौरव खरे ने किया एवं आभार उपयुक्त सचिन सिटोले ने माना।

जिला मुख्यालय खंडवा में आयोजित स्कूल चले हम कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री लोधी ने बच्चों को शुभकामनाएं दी

विद्या ऐसा धन है जो हर समय हमारे साथ रहता है : महापौर

विनय उजाला

खंडवा, निप्र। प्रदेश शासन के स्कूल चले हम अभियान कल शुभारंभ पूरे प्रदेश में 1 अप्रैल से प्रारंभ हो चुका है, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शासकीय नवीन उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय अरेरा कॉलोनी (ओल्ड कैंपियन) में प्रात: स्कूल चलें हम अभियान - 2025 का शुभारंभ शुभारंभ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह उपस्थित थे। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि जिला मुख्यालय खंडवा में भी एमएलबी स्कूल में स्कूल चले हम कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेड़े एवं महापौर अमृता अमर यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर इस अभियान का शुभारंभ बच्चों को साथ ले जाकर एवं पाठ्यपुस्तिका वितरण कर किया। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री धर्मेद्र सिंह लोधी वर्चुअल जुड़े और बच्चों को शुभकामना देते हुए कहा कि शिक्षा बच्चों का चरित्र निर्माण कर अच्छे नागरिक बनाती है, बिना शिक्षा के जीवन अधूरा है। आज की आवश्यकता शिक्षा है, जिला शिक्षा अधिकारी पीएस सोलंकी ने बताया कि उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं भी प्रेषित की। कार्यक्रम के आरंभ में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी को 1 से 4 अप्रैल तक आयोजित प्रवेश उत्सव की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम मे महापौर अमृता अमर यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्या ऐसा धन है जो हमेशा हमारे साथ ही रहता है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना की, हमारी सरकार निशुल्क शिक्षा प्रदान कर रही है पाठ्यपुस्तिका से लेकर साइकिल एवं अच्छे नंबरों से पास विद्यार्थियों के लिए कई प्रकार की सुविधा उपलब्धि कर रही है, सुनील जैन ने बताया कि कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेड़े, राजपाल सिंह तोमर, सेवादास पटेल, हरीश कोटवाले, राजेश तिवारी, सुधांशु जैन ने भी बच्चों को शुभकामना देते हुए आशीर्वचन उद्बोधन दिया। इस अवसर पर समाजसेवी सुनील जैन, संदेश गुप्ता श्रृंगी उपाध्याय, ओम सिलावट, टिंकू गौड आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। अतिथियों द्वारा बच्चों का स्वागत करते हुए स्कूल में प्रवेश भी करवाया, साथ ही विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों का वितरण भी किया गया।

संचालन संदीप जोशी ने किया तथा आभार रमसा प्रभारी एडीपीसी श्रीमती संगीता सोनवणे ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य ज्योत्सना सोनी, राजेश भंगाले, हिमांशु गंगराड़े सहित स्टाफ सदस्य एवं छात्राएं उपस्थित थी।

सर्व हिंदू समाज ने बजरंग दल के नेतृत्व में बाहर से आए असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सौंपा ज्ञापन

पेटलावद/सारंगी, निप्र। सोमवार को सारंगी नगर के सर्व हिन्दू समाज के द्वारा बजरंग दल के नेतृत्व में वर्ग विशेष के व्यक्तियों, बाहरी लोगों और असामाजिक तत्वों पर नगर की शांति भंग करने और धार्मिक हिंसा फैलाने भड़काने के संबंध में कार्यवाही करने के की मांग करते हुए बड़ी संख्या में एकत्रित होकर सारंगी पुलिस चौकी पर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन सोपने से पूर्व नगर के युवाओं ने प्रमुख मार्गो से जय श्री राम के नारे लगाते हुए वाहन रैली निकाली। उक्त वाहन रैली पुलिस चौकी पर पहुंची जहां पर बड़ी संख्या में नगरवासीयो ने एकत्रित होकर ज्ञापन सोपा। ज्ञापन सोपते हुए बताया गया कि सारंगी में वर्ग विशेष के लोग जो बाहर से धंधा करने आये थे यही बस गए है जो कई दिनों से बीच बाजार और दुकानों पर ज हा धंधा करते हैं वहां पर लड़ाई झगड़ा करते हैं ओर धमकाते हैं कि बाहर से लोगों को बुलाकर काट दूंगा जैसे शब्दों का प्रयोग कर विवाद किया जाता है। इनके द्वारा नगर की शान्ति भंग करने ओर जहर घोलने का प्रयास इनके ओर इनके बाहरी रिश्तेदार द्वारा किया जा रहा है। व महिलाओं को आगे करके झूठी रिपोर्ट डलवाते हैं।

महावीर समिति ने किया प्रतिभाओं का सम्मान नववर्ष पर गरिमामयी आयोज सम्पन्न

मनोज पुरोहित

पेटलावद। समग्र जैन समाज की प्रतिनिधि संस्था महावीर समिति ने नववर्ष पर मिलन समारोह का आयोजन किया। आयोजन में समिति के अध्यक्ष संजय व्होरा ने समग्र जैन समाज के सदस्यों को नववर्ष की शुभकामनाए दी एवं सांस्कृतिक आयोजन के बारे में जानकारी दी।

जानकारी के अनुसार इस आयोजन का शुभारंभ श्री मूर्तिपूजक श्री संघ के पाठशाला के बच्चो ने नवकार महामंत्र की प्रस्तुति के साथ किया। पेटलावद के द्वारा पूरे वर्ष में किए गए सेवा कार्यों का सुंदर विवरण एलईडी के माध्यम से दिया गया। व्यसन मुक्ति का संदेश देते हुए श्री तेरापंथ संघ की संचालित ज्ञानशाला के बच्चो के द्वारा दी गई एवं पके पानी के क्या फायदे होते नाट्य के माध्यम से अणु पाठशाला के बच्चो द्वारा भव्य प्रस्तुति दी गई। धार्मिक नृत्य की प्रस्तुति श्री मूर्तिपूजक महिला मंडल के द्वारा दी गई एवम जैन अदालत की शानदार नाट्य प्रस्तुति श्री वर्धमान स्थानकवासी की महिला मंडल के द्वारा दी गई। जिसमे धर्म संदेश जैन अदालत के माध्यम से दिया गया। सांस्कृतिक कार्यकम में श्रावक के 14 नियमो के बारे में एलईडी के माध्यम से जानकारी दी गई। स्वागत भाषण समिति के सचिव विजय भंडारी ने देते हुए 9 अप्रैल को विश्व महामंत्र के जाप में अधिक से अधिक पंजीयन करने हेतु निवेदन किया। जैन सोशल ग्रुप संगिनी मैत्री पेटलावद की सदस्यों के द्वारा निशुल्क सकोरे के वितरण के लिए उनके जीवदया के कार्य की अनुमोदना की । इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर तेरापंथ संघ के अध्यक्ष नरेन्द्र पालरेचा, पूर्व अध्यक्ष संघ नरेन्द्र कटकानी, मूर्तिपूजक संघ के सुरेंद्र मेहता के साथ वरिष्ठगणों अनिल मेहता , जितेन्द्र मेहता, कचरुलाल मुरार , मणिलाल मेहता, मणिलाल पटवा, पंकज पटवा, संजय चाणोदिया एवं अन्य उपस्थित सदस्यगणो के द्वारा सम्मानित किया । कार्यक्रम का संचालन समिति के उपाध्यक्ष चेतनकुमार कटकानी के द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन समिति के उपाध्यक्ष संजय मालवी ने माना।

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

देश प्रथम की भावना के साथ अध्यापन कार्य करें : डॉ. आरसी दीक्षित

विनय उजाला

महू, निप्र। भेरूलाल पाटीदार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय महू के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि डॉ आर सी दीक्षित,अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा इंदौर संभाग इंदौर का महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रवीण ओझा एवं महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष एडवोकेट निलेश पाटीदार द्वारा महाविद्यालय आगमन पर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रवीण ओझा ने वार्षिक प्रतिवेदन का वाचन किया।

उसके उपरांत डॉ.आर सी दीक्षित,अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा इंदौर संभाग इंदौर द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले एवं प्रवीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा ने सभी सम्मानित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनसे अनुरोध किया कि देश प्रथम की भावना के साथ अपना अध्यापन कार्य करें और जो भी कार्य करें उसे लगन और निष्ठा के साथ पूर्ण करें।

महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष ने भी सभी सम्मानित विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

महाविद्यालय परिवार की ओर से डॉ.आर सी दीक्षित जी को प्राचार्य डॉ. प्रवीण ओझा जी एवं जनभागीदारी समिति अध्यक्ष एडवोकेट निलेश पाटीदार जी द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. शैलेंद्र पिपरिया ने किया एवं आभार डॉ. अर्चना अग्रवाल ने व्यक्त किया।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

कांसुधी-पिपलोद सेक्शन में स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली की शुरुआत

विनय उजाला

मुंबई। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के गोधरा - दाहोद खंड के कांसुधी-पिपलोद स्टेशनों के मध्य लगभग 28 किलोमीटर खंड में स्वचालित ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली 28 मार्च 2025 को कमिशन कर दिया गया है। रतलाम मंडल पर स्वचालित ब्लॉक सिगनलिंग व्यवस्था को लागू कर मंडल ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जिससे रेल यातायात की संरक्षा, सुरक्षा एवं दक्षता में वृद्धि होगी।

गोधरा-दाहोद खंड के कांसुधी-चंचेलाव-संतरोड-पीपलोद स्टेशनों के मध्य लगभग 28 किमी खंड में स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग की व्यवस्था को चालू कर दिया गया है। इससे इस खंड में ट्रेनों की आवाजाही को स्वचालित रूप से नियंत्रित करके टकराव के जोखिम को कम करने के साथ ही ट्रेनों के बीच कम अंतराल की अनुमति देकर सुरक्षा, दक्षता और क्षमता में वृद्धि प्रदान करती है। यह प्रणाली एक ही सेक्शन में अधिक रेलगाड़ियां चलाने की अनुमति देता है, जिससे समग्र क्षमता बढ़ती है और बढ़ती परिवहन मांग पूरी होती है। इसके साथ ही ट्रेनों के स्टेशनों से समय पर प्रस्थान करने तथा प्लेटफार्मों और अन्य अचल परिसंपत्तियों का अनुकूलतम उपयोग को सुनिश्चित करता है। रतलाम मंडल द्वारा एक साथ 28 किमी खंड में स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली को लागू कर पश्चिम रेलवे में एक बार में चालू किया गया सबसे लंबा स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग सेक्शन बन गया है। कांसुधी-पिपलोद स्टेशनों के मध्य स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली को 100% क्षमता के साथ चालू किया गया जिसमें पावर सप्लाई के साथ अन्य संसाधनों का बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। यह सुनिश्चित करेगा कि रेल यातायात सुरक्षित और निर्बाध रूप से चलता रहे। रतलाम मंडल पर नागदा से गोधरा के मध्य स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली लागू करने का कार्य चल रहा है।

बाजार भाव

इंदौर मंडी

मुंग दाल में मांग

इंदौर (व्यापार प्रतिनिधि)। चना कांटा 5800 - 5850 विशाल चना 5700 - 5750 डंकी चना 5600 - 5650 मसूर 6100 - 6150 नई 6000 मूंग एवरेज 7200 - 7700 मूंग (गर्मी का) 8000 - 8200 उड़द (गर्मी) बेस्ट - 8300 - 8800 एवरेज मीडियम उड़द 6500 - 7800 हल्की उड़द 3000 - 5000 रुपए।

तिलहन - (प्रति क्विंटल)- सोयाबीन 4100 - 4125 सरसों निमाड़ी बारीक 5800 - 5850 एवरेज बारीक 5000 - 5005 रुपए।

दाल भाव (प्रति क्विंटल) - तुअर दाल फूल 11000 - 11200 तुअर दाल सवा नंबर 10800 - 11000 चना दाल 8100 - 8200 एक्स्ट्रा बोल्ड 9100 मसूर दाल 7500 - 7550 मूंग दाल 9200 - 9400 मूंग मोगर 9600 - 9700 उड़द दाल 12500 - 13000 उड़द मोगर 12500 - 13000 रुपए।

तेल बाजार (प्रति 10 किलो) - मूंगफली तेल इंदौर 1470 - 1480 मुबंई 1520 - 1525 गुजरात 1485 - 1490 सोया रिफाइंड तेल इंदौर 1315 - 1320 सोया सॉल्वेंट 1255 - 1270 इंदौर पाम ऑइल 1425 - 1430 रुपए।

मावा - 320 रुपए किलो।

इंदौर सराफा बाजार -
सोना 10 ग्राम 89800 रुपए।
चाँदी 100000 रुपए किलो।
चाँदी सिक्का 1100 रुपये प्रति नग।
सोना 3025 डॉलर प्रति औंस
चाँदी 3343 सेंट प्रति औंस

संक्षिप्त समाचार

देवी पार्वती के रूप में गणगौर माता और भगवान शंकर का ईसरजी के रूप में किया पूजन

धामनोद, निप्र। चैत्र शुक्ल तृतीया के दिन सुहागिन महिलाओं ने संस्कृति से सराबोर गणगौर पर्व हर्षोल्लास और श्रद्धा से मनाया। सोलह श्रृंगार से सज-धज कर अखंड सुहाग और मनवांछित वर की कामना करते हुए विवाहित महिलाओं और अविवाहित युवतियों द्वारा पारंपरिक तरीके से पूजा-अर्चना का दौर जारी रहा। पूरे नगर में पर्व का उल्लास छाया रहा। गणगौर पर्व को लेकर महिलाएं कई दिनों से तैयारियां कर रहीं थी। एक पखवाड़े से चल रही गणगौर पूज मंगलवार संपन्न हुई. सुबह से ही महिलाएं, युवतियां और बालिकाएं ढोल-बाजे के साथ नाचते-गाते हुए पूजा करने पहुंची। सिर पर जल से भरे कलश लेकर घर पहुंची। जल कलश लाने के बाद उल्लास और श्रद्धा के साथ घरों में ईसर गणगौर की पूजा की। वैवाहिक जीवन में सुदृढ़ता की प्रेरणा प्रदान करने वाले इस पर्व पर रंग-बिरंगे परिधान पहन कर सजी-धजी महिलाओं और युवतियों ने देवी पार्वती अवतार के रूप में गणगौर माता और भगवान शंकर अवतार के रूप में ईसरजी की विशेष पूजा-अर्चना की। कई सुहागिन महिलाओं ने गणगौर का उद्यापन भी किया। ईसरजी गणगौर की पूजा करने के बाद सोलह सुहागिनों को भोजन कराया और सुहाग की सामग्री भेंट कर सुखद दांपत्य जीवन की मंगल कामना की. इससे पहले गणगौर की पूर्व संध्या पर महिलाओं ने सिंजारा महोत्सव उत्साह से मनाया हाथों पर मेहंदी रचाकर सोलह श्रृंगार से सजी-धजी महिलाओं ने पारंपरिक आभूषण पहने।

देर रात हाईवे स्थित टोल पर लगा जाम, वाहनों की लगी लंबी कतार

धामनोद, निप्र। धामनोद खलघाट स्थित टोल प्लाजा पर सोमवार शाम जाम की स्थिति निर्मित हो गई करीब आधे घंटे तक वाहन जाम में फंसे रहे मौके पर टोल के अधिकारी पहुंचे और धीरे-धीरे जाम को खुलवाया वाहनों की लंबी कतारे करीब 300 मीटर की परिधि तक पहुंच गई थी कई वाहन चालक अपनी गाड़ी पहले निकालने के चक्कर में एक दूसरे के वाहन को दबाने की कोशिश में लगे थे, जो दुर्घटना का कारण भी बन सकते थे। वाहन कतार बद्ध खड़े रहने के बाद मौके पर कुछ जिम्मेदार सिर्फ टोल प्लाजा तक पहुंचे, वहीं कई वाहन चालक अपने वाहनों को इधर-उधर करते नजर आए, लेकिन मौके पर कोई चौकीदार भी नहीं था। उल्लेखनीय है कि कई बार टोल प्लाजा पर टोल से जल्दी निकलने के चक्कर में वाहन आपस में टकराते रहते हैं। कई बार वाहनों का फास्टैग काम नहीं करता तो उन्हें वापस लंबा रिवर्स किया जाता है उसे समय भी कोई चौकीदार वहां नहीं होता ऐसे में दुर्घटना का भय बन जाता है। अधिकतम ऐसा वहां होता है टोल पर कार्य करने वाले कर्मचारी भी मोबाइल चलाने में व्यस्त नजर आते हैं।

एनपीएस और यूपीएस का काली पट्टी बांधकर विरोध कर काला दिवस मनाया

डही, निप्र। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम और मप्र ट्राईबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के आह्वान पर नई पेंशन स्कीम और यूनिफाइड पेंशन स्कीम यानी एनपीएस और यूपीएस का विरोध कर 1 अप्रैल को काला दिवस के रूप में मनाया गया। इस दिन कई कर्मचारियों और शिक्षकों ने अपने कर्तव्य स्थल पर काली पट्टी बांधकर इन दोनों पेंशन स्कीम का विरोध कर पुरानी पेंशन देने की सरकार से मांग की। एनएमओपीएस के ब्लॉक अध्यक्ष जोगेंद्र सिंह चौंगढ़ ने अपने कर्तव्य स्थल पर शिक्षक सुरपाल सिंह खरते, सुबला चोंगड़, विजय सस्त्या, लीला मंडलोई आदि के साथ और ट्राईबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के ब्लॉक अध्यक्ष सरूपचंद मालवीया ने नवीन मावि भगावा में शिक्षक सूरत सिंह सोलंकी, राकेश सोलंकी, अनिल बघेल, संगीता ठाकुर आदि के साथ काली पट्टी बांधकर विरोध किया। इसी तरह अन्य जगह भी शिक्षकों ने विरोध जताया।

आवेदन आए, एसडीएम सीजी गोस्वामी की अध्यक्षता में हुई जनसुनवाई

अलीराजपुर, निप्र। प्रति मंगलवार की तरह आज भी जनसुनवाई का आयोजन एसडीएम सीजी गोस्वामी की अध्यक्षता में जनसुनवाई कक्ष में हुआ। इस जनसुनवाई में वेस्ता पिता नायिका कनेश निवासी ग्राम गोला आम्बा सड़क फलिया तहसील कट्ठीवाड़ा ने आवेदन दिया कि मेरे द्वारा ईंट का भट्टा निर्माण के लिए लोन लिया था। नियमित समय सीमा में किश्त की राशि जमा की हैं। किन्तु लोन की किस्त भुगतान पूर्ण होने के बाद बैंक द्वारा मुझ पर बकाया बताया जा रहा है। मेरे प्रकरण की जांच कर मुझे कर्ज मुक्त किया जाए। उक्त प्रकरण को जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक को सौंप कर जांच कर उचित के लिए सौंपा गया। इस तरह कब्जा छुडाने, रेलवे के साइन बोर्ड आदि से संबंधित 7 आवेदन प्राप्त किए गए।

जिले में भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गाय के लिए पुरस्कार योजना का क्रियान्वयन 02 से 08 अप्रैल के मध्य किया जाएगा

अलीराजपुर, निप्र। उप संचालक पुश विभाग द्वारा बताया गया कि जिले के अन्तर्गत समस्त विकास खंडों से ऐसे पशुपालन जिनके पास भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गायें जिनका दुग्ध उत्पादन 06 लीटर या उससे अधिक है, आवेदन हेतु पात्र होंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु इच्छुक एवं पात्र पशु पालकों से आवेदन विकासखंड के पशु चिकित्सालय में प्राप्त किये जायेंगे।

डेढ़ माह में हुई दो लूट की घटनाओं का पुलिस ने किया खुलासा

बाल अपचारी सहित एक आरोपी गिरफ्तार, गुजरात के परिवार से की थी लूट

विनय उजाला

धार, निप्र। जिले के सरदारपुर थाना क्षेत्र में हुए 2 लूट की वारदातों का पुलिस ने खुलासा किया है। सरदारपुर थाने पर एसडीओपी विश्वदीपसिंह परिहार ने प्रेसवार्ता कर दोनों की घटनाओं का खुलासा करते हुए बताया कि धार एसपी मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सरदारपुर थाना पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने दोनों घटनाओं में शामिल एक बदमाश को गिरफ्तार किया तथा एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया है। वही घटना में शामिल एक बदमाश फरार है। जिसकी तलाश पुलिस टीम द्वारा की जा रही है।

दरअसल 8 फरवरी 2025 को रात्रि में गुजरात के नरेंद्र पिता मनसुख गुजरात से दिल्ली के लिए अपनी कार से परिवार के साथ जा रही थे। इसी दौरान फुलगावाडी के समीप 3 बदमाशो ने उनके साथ लूट की वारदात की थी। बदमाश मारपीट कर सोने की चेन तथा नकदी रुपये लूटकर ले गए थे। वही दूसरी घटना 25 मार्च को रिंगनोद पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम लिमडीपाड़ा के समीप हुई थी। फरियादी नागू निवासी छोटी माछलिया के साथ अज्ञात बदमाश मारपीट कर 3 बदमाश बाइक तथा नकदी लूटकर ले गए थे। दोनों मामलों में धार एसपी मनोज कुमार सिंह के तथा एएसपी गीतेश गर्ग के निर्देश पर तथा सरदारपुर एसडीओपी विश्वदीपसिंह परिहार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रदीप खन्ना तथा रिंगनोद चौकी प्रभारी जीएस भयडिया के नेतृत्व में पुलिस टीम को सफलता मिली है।

सम्पूर्ण कार्रवाई में चौकी प्रभारी जीएस भयडिया,उप निरीक्षक नवलसिंह बघेल, प्रधान आरक्षक गज्जू सिंह वसुनिया, बच्चूसिंह चौहान, आरक्षक दिलीप, अशोक, योगेश, नंदराम का योगदान रहा।

बाइक और नकदी की जब्त

रिंगनोद चौकी प्रभारी जीएस भयडिया ने बताया कि दोनों की घटनाओं का पैटर्न एक ही होने से आरोपियों का पता लगाने हेतु मुखबिर को सक्रिय किए गए। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर घटना में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार कर बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया। इनके कब्जे से लूटी गई बाइक क्रमांक एमपी 11 जेडई 4155 तथा नकदी रुपए जब्त किए है। आरोपियो से अन्य वारदातों में शामिल होने की शंका पर पूछताछ की जा रही हैं।

घटना का एक आरोपी फरार

सरदारपुर एसडीओपी विश्वदीपसिंह परिहार ने बताया कि घटना में शामिल आरोपी जितेश उर्फ जितेन पिता इंदरसिंह उम्र 21 साल निवासी बांकी टांडा को गिरफ्तार किया है। वही एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया है। घटना में शामिल आरोपी विनेश पिता कुँवरसिंह निवासी बांकी टांडा फरार हैं। जिसकी तलाश पुलिस टीम द्वारा की जा रही है।

कलेक्टर पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अलीराजपुर में नव सत्र प्रवेशोत्सव में शामिल हुए

विनय उजाला

अलीराजपुर, निप्र। कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर आज पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अलीराजपुर में स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत नव सत्र प्रवेशोत्सव में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्री संतोष परवाल ने कन्या पूजन कर किया।

उन्होंने नवीन छात्राओं को उपहार दिए। इसके पश्चात विद्यालय के छात्र छात्राओं ने फाउंडेशन लिटरेसी एवं न्यूमेरेसी आधारित एक प्रस्तुति का प्रदर्शन किया।

कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने बच्चों से बात करते हुए उनको शिक्षा के महत्व के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा सिर्फ किताबी नहीं होना चाहिए व्यावहारिक एवं तकनीकी ज्ञान बहुत आवश्यक है। बच्चों से संवाद के दौरान कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने उनके सवालों के जवाब दिए। उन्होंने बताया कि तकनीकी ज्ञान से स्मार्ट डिसीजन एवं कम समय में ज्यादा काम करना संभव होता है। नई नई वैज्ञानिक खोज इसी ज्ञान के माध्यम से ही संभव हो सका है। भारतीय संस्कृति तकनीक एवं आध्यात्मिक ज्ञान से परिपूर्ण है।

भाजपा जिला अध्यक्ष श्री संतोष परवाल ने भी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, शिक्षा से न सिर्फ रोजगार प्राप्त होता है अपितु अच्छे बुरे की पहचान करना, व्यावहारिक गुण आदि प्राप्त होते है। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी अर्जुन सिंह सोलंकी ने भी शिक्षा की आवश्यकता एवं उनके जीवन के अनुभव साझा किए। कलेक्टर डॉ. बेडेकर एवं श्री परवाल ने बच्चों को स्मार्ट बैग एवं पुस्तके वितरित की। कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने सभी बच्चों का भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी एवं उज्जवल भविष्य के लिए सतत मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने कहा कि आज नए सत्र का पहला दिन है, इस दिन को उत्सव के रूप में मनाए जाने के लिए समस्त जिला अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे ड्यूटी अनुसार एक एक विद्यालय का भ्रमण कर बालक बालिकाओं से संवाद करें एवं उन्हें प्रेरित करें। इस दौरान एडीपीसी श्री रामानुज शर्मा, विद्यालय प्राचार्य श्री मूर्ति सहित विद्यालय के स्टॉफ एवं छात्राएं उपस्थित थी।

विधिक साक्षरता शिविर संपन्न

विनय उजाला

झाबुआ, निप्र। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विधि सक्सेना के मार्गदर्शन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ के सचिव शिवकुमार डावर की अध्यक्षता तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी सागर अग्रवाल एवं लीगल एड डिफेंस अधिवक्ता विश्वास की उपस्थिति में आज मंगलवार को एडीआर सेंटर झाबुआ में ग्रामीण महिलाओं को महिलाओं के अधिकार के विषय में जानकारी देने के लिए विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ के सचिव शिव कुमार डावर ने अपने संबोधन में कहा कि यह विधिक साक्षरता शिविर आपके अधिकारों और कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक माध्यम है, ताकि आप अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों का डटकर सामना कर सकें। भारतीय संविधान में हर नागरिक को समान न्याय और मुफ्त कानूनी सहायता का अधिकार दिया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इसी संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। महिलाओं के लिए कानून की जानकारी होना बेहद जरूरी है। चाहे वह घरेलू हिंसा से सुरक्षा हो, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ कानून हो या फिर संपत्ति और शिक्षा का अधिकार ये सभी आपके सशक्तिकरण के आधार हैं। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाऐं भी इन अधिकारों से वंचित न रहें।

इसीलिए यह शिविर आयोजित किया जा रहा है ताकि आपको यह बताया जा सके कि कानून आपके साथ है और यह आपके लिए एक ढाल की तरह काम करता है। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी सागर अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) ने आपकी सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 15100 शुरू किया है।

स्कूल चलें हम अभियान के तहत शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम हुआ संपन्न

विनय उजाला

बाग, निप्र। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार मंगलवार को जनपद शिक्षा केंद्र में समस्त शासकीय संस्थाओं में स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसी कड़ी में विकासखंड स्तर पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि नारायण सिंह भूरिया बाग सरपंच धर्मेंद्र बामनिया, उपसरपंच रोहित झंवर, पंच प्रतिनिधि जाफर मेंव, बीईओ अरविंद नायक, बीआरसी धर्मेंद्र ठाकुर की उपस्थिति में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर पूजन अर्चन माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। स्वागत भाषण संस्था प्राचार्य श्रीमती जानू मौर्य ने दिया। विभाग की जानकारी देते हुए बीआरसी धर्मेंद्र ठाकुर ने कहा कि स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत संपूर्ण विकासखंड में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। बच्चों को नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक विशेष भोजन प्रदान किया जा रहे हैं।

यह कार्यक्रम 1 अप्रैल से 4 अप्रैल तक आयोजित किए जाएंगे। 1 अप्रैल को प्रवेश उत्सव कार्यक्रम 2 अप्रैल को भविष्य से भेंट कार्यक्रम आयोजित होगा। 3 अप्रैल को सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित होगी। 4 अप्रैल को शाला प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित होगी। विकासखंड शिक्षा अधिकारी अरविंद नायक ने कहा कि नवीन शिक्षा क्षेत्र में पिछले वर्ष की जो कमियां रह गई थी उन कमियों को दूर करें राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देश अनुसार शाला संचालित करें।

विद्यार्थियों को तिलक लगाकर और पुस्तकें वितरित कर प्रवेश उत्सव मनाया, मुख्यमंत्री का संबोधन भी सुना गया

विनय उजाला

डही, निप्र। नगर सहित क्षेत्र की शासकीय स्कूलों में मंगलवार को स्कूल पहुंचे विद्यार्थियों का तिलक लगाकर और पुस्तकें वितरित कर प्रवेश उत्सव मनाया गया। इस दौरान स्कूलों को गुब्बारों से सजाया गया और विद्यार्थियों को मध्याह्न भोजन भी कराया गया। बीईओ राजेश कुमार सिन्हा और बीआरसी मनोज दुबे ने अप्रैल माह में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के साथ नियमित विद्यालय संचालित करने के शिक्षकों को निर्देश दिए। साथ ही 4 अप्रैल तक शाला प्रवेश उत्सव की सभी गतिविधियों को आयोजित करने के निर्देश दिए।

गाजगोटा में जनपद प्रतिनिधि मंगल सिंह की मौजूदगी में प्रवेश उत्सव मनाया गया। प्रावि डिगवी और एनपीएस मानकर पुरा अतरसुमा में महिला जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में प्रवेश उत्सव मनाया गया। मावि अतरसुमा में प्रधानाध्यापक विक्रम असाड़े, मावि ठेंग्चा में प्रधानाध्यापक कीर्ति गनावा आदि की उपस्थिति में शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। प्रावि देवड़ा पूरा अजगांव में प्रधान अध्यापक अविनाश पुरोहित, प्रावि उमेदपुरा में प्रधान अध्यापक दिनेश मालवीय, बड़दा में प्रभारी प्राचार्य भूर सिंह चौहान, शिक्षक राकेश पाटीदार,प्राथमिक विद्यालय चाकल्या में प्रधान पाठक हीरा अलावा, शिक्षक भंगड़ा अलावा, टेमरिया में प्रधान अध्यापक राजाराम गनावा, शिक्षक देवी सिंह बामनिया, गौरी भिड़े, परिहारपुरा टेमरिया में प्रधानाध्यापक बोंदर सिंह सस्त्या, माध्यमिक विद्यालय पिपलूद में प्रधान अध्यापक मोहन सिंह जामोद, मावि मालपुरा में प्रधानाध्यापक मोते सिंह बामनिया, माध्यमिक विद्यालय मावि पीतनपुर में शिक्षक रमेश चंद्र कन्नौज, सेना सस्त्या आदि ने विद्यार्थियों का स्वागत तिलक लगा कर और पुस्तकें वितरित कर किया। बीएसी हितेंद्र सिंह ठाकुर, मीनाक्षी ठाकुर, अजय भारद्वाज, मनीषा ठाकुर, रमेश सोलंकी सहित जन शिक्षकों ने विद्यालयों की मानिटरिंग की।

स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत

नगर डही के सीएम राइज विद्यालय और कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य अरुण कुशवाह और शिक्षकों ने विद्यार्थियों का स्वागत कर प्रवेश उत्सव मनाया। इस दौरान टीवी स्क्रीन पर मुख्यमंत्री डा मोहन यादव का प्रसारण दिखाया गया। माडल स्कूल डही में प्राचार्य मनीष भावसार और शिक्षकों ने विद्यार्थियों का स्वागत किया। शासकीय हाई स्कूल जामदा में सरपंच सोनारसिंह निंगवाल, कदमसिंह मोरी की उपस्थिति में प्रभारी प्राचार्य देवेन्द्र पुरोहित, शिक्षक इंदरसिंह भिड़े, सिकदार सिसोदिया, गंगा सिसोदिया, मेघा कूड़ेश, शिवेंद्रसिंह सोलंकी की उपस्थिति में नवप्रवेशित विद्यार्थियो का तिलक लगाकर, पुष्पहार पहनाकर, निशुल्क पुस्तकें भेट कर और बच्चों को बिस्कीट वितरित कर प्रवेश उत्सव मनाया गया। नवीन मावि भगावा में सरपंच कैलाश बघेल और आदिवासी युवा जन जागृति मंच द्वारा बच्चों को उपहार भेंट किए गए। इस दौरान शिक्षक राकेश सोलंकी, अनिल बघेल आदि उपस्थित थे। खास बात यह रही कि आदिवासी युवा जन जागृति मंच द्वारा भगावा की पांचों स्कूलों में पहुंचकर बच्चों को उपहार वितरित कर शिक्षा के लिए प्रेरित किया।

ईसरजी-रनूबाई के साथ पधारे आंगना निमाड़ क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति भाव का माहौल

बाड़ी पूजन स्थल पर अलसुबह से लगी श्रद्धालुओं की भीड़

आकाश पांडेय

सिंघाना। निमाड़ के प्रसिद्ध लोक पर्व गणगौर की शुरुआत माता की बाड़ी खुलने के साथ हो चुकी है, पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति भाव का माहौल देखा जा रहा है। मंगलवार को गणगौर पर्व का आगाज माता की बाड़ी खुलने के साथ हुआ।

सिंघाना के राम मंदिर अयोध्या चौपाटी स्थित माता गणगौर के महल बाड़ी पूजन स्थल पर अलसुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ना प्रारंभ हो गई थी। पर्व के तहत मंगलवार को मां की बाड़ियां आम दर्शन व पूजा के लिए खोली गई, ब्रह्म मुहूर्त में मंडलोई परिवार द्वारा वैदिक मंत्रों के साथ माता का जल अभिषेक कर पूजा अर्चना प्रारंभ की गई।

व आरती के बाद सभी भागतो के लिए पट द्वार खोल दिए गए। जहां पर माताजी के भक्तों का तांता पूरा दिन लगा रहा।

पं. मंडलोई ने बताया की यह पर्व शिव-पार्वती के प्रेम व भक्ति का प्रतीक है। पर्व के अंतर्गत माता की बाड़ी में जवारे बोए जाते हैं, जिनका आठ दिन तक विशेष पूजन किया गया है। व भक्तों के लिए आज सुबह मंगलवार के दिन बाड़ी के पट खोले गए। भक्तों के घर 6 दिन तक माता का विश्राम रहेगा जहां पर भक्ति भाव से पूजा अर्चना को मंगल गीत गाए जाएंगे।

क्षत्रिय सीरवी समाज के द्वारा ढोल के साथ चल समारोह आईजी नगरी सीरवी मोहल्ले से निकला गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाज जन माता गणगौर की कास्ट प्रतिमा को सिर पर रखकर माता की बाड़ी ज्वारे लेने के लिए बड़ी संख्या में माता के महल पहुंचे। जहां पूजा अर्चना व मंगल गीत के साथ माता को श्रद्धा भाव के साथ घर पर लाए। दो दिनों तक माता का अपने अपने घर पर ही रोका रहेगा। व मामा को झलकियां गीत से प्रसन्न किया जाएगा।

इस वर्ष सिंघाना में गणगौर महोत्सव छ: दिवसीय हे, रात्रि विश्राम दो रोज स्वयं के घर रात्रि विश्राम कर के माता की पूजा अर्चना व मंगल तमोल गीत गए जाए हे, वहीं गुरुवार को कमल कैलाश जी बरफा के घर रात्रि विश्राम होगा, शुक्रवार भीमाजी रामाजी सिंदडा के घर रात्रि विश्राम शनिवार को ओंकार भगवानजी परिहार के घर रात्रि विश्राम अप्रैल रविवार को माता जी की विदाई के साथ माताजी का विसर्जन होगा।

संक्षिप्त समाचार

चार अप्रैल तक गायों में दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिता के आवदेन लिए जायेंगे

खरगोन, निप्र। गौवंशीय दुधारू नस्लों को बढ़ावा और प्रोत्साहन देने एवं उनके संरक्षण के लिए पशु पालन एवं डेयरी विभाग खरगोन में जिले की मूल नस्ल-निमाड़ी जिनका प्रतिदिन का दुग्ध उत्पादन चार लीटर प्रतिदिन या उससे अधिक हो तथा भारतीय उन्नत नस्ल (गीर, साहिवाल, थरपारकर, हरियाणा, मालवी एवं अन्य) जिनका प्रतिदिन का दुग्ध उत्पादन छै लीटर प्रतिदिन या उससे से अधिक के लिये पृथक-पृथक आवेदन करने की अंतिम तिथि 04 अप्रैल 2025 है। इच्छुक पशुपालक प्रतियोगिता के लिये निकटतम पशु चिकित्सा संस्था से आवेदन प्राप्त कर अंतिम तिथि के पूर्व जमा करे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली गाय में टैगिंग यूनिक आईडी नम्बर तथा इनाफ पोर्टल पर दर्ज होना अनिवार्य है। प्राप्त आवेदनों में से दुग्ध उत्पादन के आधार पर वरियता क्रम में प्रथम 10-10 गायों का चयन कर उनका तीन समय का दुग्ध मापन जिला स्तरीय टीम द्वारा पशु पालक के घर पर ही किया जाएगा। प्रथम 03 निमाड़ी तथा 03 भारतीय उन्नत नस्ल की गायों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरूस्कार क्रमशः 51 हजार , 21 हजार, एवं 11 हजार प्रदान किये जावेगे। चयनित गायो का दुग्ध उत्पादन का रेकार्ड प्रदेश स्तर भेजा जावेगा। प्रदेश स्तर पर चयनित तीन गायों को क्रमशः 02 लाख, 01 लाख तथा 50 हजार का पुरूस्कार दिया जावेगा। उपसंचालक पशु पालन एवं डेयरी विभाग डॉ. एल .एस. बघेल ने जिले के समस्त पशुपालकों से अपिल की है कि वह गायों की जिला स्तरीय दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिता में अधिक से अधिक आवेदन कर पुरुस्कार प्राप्त करे।

आज शालाओं में होगा भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन, अधिकारी करेंगे बच्चों से संवाद

खरगोन, निप्र। स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत 01 से 04 अप्रैल तक सभी शालाओं में प्रवेश उत्सव मनाया जाना है। इसके अंतर्गत खरगोन जिले की सभी शासकीय शालाओं में 02 अप्रैल को भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर भव्या मित्तल ने इसके लिए जिला एवं अनुभाग स्तरीय अधिकारियों को शालाओं का आवंटन किया है और अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वह निर्धारित शाला में जाकर बच्चों से संवाद कर उन्हें अच्छी शिक्षा ग्रहण कर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करें।

विधायक निधि से दो, पानी के टैंकर की दी सौगात

कसरावद, निप्र। नगरवासियों के लिए अगामी गर्मी में पेयजल आपूर्ति के लिए क्षेत्रीय विधायक द्वारा दो पानी के टैंकरों की सौगात दी गई। सचिन सुभाषचन्द्र यादव विधायक विधानसभा द्वारा विधायक निधि से नगर परिषद को नगर मे जल वितरण हेतु 02 नवीन फायर फाइटर पानी के टैंकर प्रदाय किये गये। जिसका लोकार्पण विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्रसिंह यादव द्वारा किया फीता काटकर नगरवासियों को सौगात दी। इस अवसर पर पप्पु सोनी, डॉ. शिरीष जायसवाल, सईद हेडली, प्रदिप सोलंकी, देवा सिसोदीया, सुभम कुशवाह इम्तीयाज पटेल ,परमानंद खेडे पार्षद एवं सीएमओ कमलेश गोले, सहित पार्षद एवं पार्षद प्रतिनिधि निकाय कर्मचारी कि उपस्थिति में सौगात दि गई।

जैन सोशल ग्रुप संगिनी मैत्री पेटलावद द्वारा निःशुल्क सकोरे का वितरण

पेटलावद, निप्र। जैन सोशल ग्रुप संगिनी मैत्री द्वारा गत दिवस निःशुल्क सकोरे का वितरण किया गया। इस अवसर पर मैत्री ग्रुप की संस्थापक अध्यक्ष श्वेता कटकानी एवं अध्यक्ष रीना मुथा ने बताया की ग्रुप के द्वारा गर्मी को देखते हुए पंछियों के दाना चुगा पानी के लिए निःशुल्क सकोरे का वितरण किया गया एवम बर्ड्स होम भी बांटे गए। संगिनी मैत्री द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रम में आगामी गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई व कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई। इस अवसर पर ग्रुप की सदस्या ममता मांडोत,मोना पटवा,सोनाली जैन, प्रीति पटवा, सपना पालरेचा, अल्पना पटवा, अमिता भंडारी। आदि विशेष रूप से उपस्थित थी।

नंदकिशोर डोंगरे बने नार्मदीय ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष, धर्मशाला में नवनिर्मित रसोईघर का हुआ शुभारंभ

जितेन्द्र वासुरे

मंडलेश्वर। परंपरानुसार गुड़ी पड़वा पर नार्मदीय ब्राह्मण समाज की स्थानीय इकाई की वार्षिक बैठक स्थानीय धर्मशाला में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से नंद किशोर डोंगरे को सर्वसम्मति से आगामी 1 वर्ष के लिए समाज का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अध्यक्ष पद से दायित्वमुक्त होने वाले पूर्व अध्यक्ष सिद्धनाथ उपाध्याय ने नंदकिशोर डोंगरे के नाम की घोषणा करते हुए अपने एक वर्षीय कार्यकाल का लेखाजोखा प्रस्तुत किया।

वही युवा मंडल अध्यक्ष रितेश शर्मा एवं महिला मंडल अध्यक्षा संध्या शर्मा ने भी गत वर्ष की गतिविधियों का ब्यौरा समाजजनों के समक्ष प्रस्तुत किया। बैठक के दौरान आगामी अक्षय तृतिया पर आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह समारोह की सार्थक योजना पर स्वजनों ने चर्चा की। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सतीश मोयदे, बालकृष्ण डोंगरे, राधेश्याम जोशी, डॉ रमेशचंद्र उपाध्याय, नगर परिषद अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे, वरिष्ठ अभिभाषक संजीव मोयदे, मनीष डोंगरे, हितेंद्र शर्मा, शरद वैद्य, रतनदीप मोयदे, अश्विन शुक्ला, रवि शुक्ला सहित बड़ी संख्या में महिला एवं युवा शामिल थे।

बैठक की शुरुवात में समाज के वरिष्ठ अभिभाषक अनिल पटवारी एवं उनकी धर्मपत्नी भारती पटवारी के मुख्य आथित्य में धर्मशाला में बने नवनिर्मित रसोईघर का शुभारंभ हुआ। बैठक में उपस्थित समाजजनों ने नवनिर्मित रसोईघर के निर्माण पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व का रसोईघर जर्जर अवस्था में था। जर्जर रसोईघर का पुनर्निर्माण सामाजिक स्वजनों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

मध्यप्रदेश की स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 स्कूल चलें हम अभियान एक अप्रैल से प्रारंभ

कलेक्टर द्वारा कक्षा 1 से 12 तक निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया जाएगा

विनय उजाला

पलसूद, निप्र। नगर के जनशिक्षा केंद्र शासकीय उमावि कन्या पलसूद विकासखंड राजपूर जिला बड़वानी अंतर्गत समस्त शासकीय, अशासकीय हॉयर सेकंडरी माध्यमिक प्राथमिक विद्यालयों में 02 अप्रैल को क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, शाला प्रबंधन समिति सदस्यों की उपस्थिति में सभी कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण कर नवीन विद्यार्थियों का नामांकन, क्लास प्रमोशन कर उनके पालकों का स्वागत किया गया। इस संबंध में क्लस्टर, शाला स्तर से पिछले 15 दिनों से प्रचार प्रसार किया जा रहा है जनशिक्षक सुरेशचंद्र राठौड़ ने जानकारी देकर बताया कि स्कूल चलें हम अभियान को लेकर डीपीसी प्रमोद कुमार शर्मा, एपीसी अशरफ खान, प्रोग्रामर योगेश निंगवाल द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी जनशिक्षकों, बीएसी, बीआरसी, एमआईएस की बैठक कर स्कूल चले हम अभियान के चार दिवसीय निर्धारित कार्यक्रम में प्रवेशोत्सव, शतप्रतिशत नामांकन, क्लास प्रमोशन, निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण, न्यू अपडेट 3.0 पोर्टल की विस्तृत जानकारी के

साथ अपार आईडी, स्थाई जाति प्रमाण पत्र बनाने, आधार सेंटर के क्रियान्वयन, आने वाले समस्याओं को लिखित में जिला शिक्षा केंद्र में देने हेतु निर्देशित किया गया

जनशिक्षकों द्वारा स्कूल चले हम अभियान 2025- 26 को लेकर शिक्षकों को व्हाट्स ऐप, संचार माध्यम, बैठकों के माध्यम से स्कूल शिक्षा विभाग के सर्कुलर की जानकारी से सभी प्रधानपाठक, शिक्षकों को अवगत कराया जा चुका है नए शैक्षणिक सत्र की प्रभावी प्रारंभ हेतु शिक्षकों ने आंगनवाड़ी से संपर्क एवं नामांकन योग्य बच्चों का सर्वेक्षण कार्य कर लिया गया है जिला स्तर से ऐ एवं बी क्लास ऑफिसर स्कूलों में पहुंचेंगे और मॉनेटरिंग ऑब्जर्वेशन किए जाएंगे आ एरिया के सभी स्कूलों में आवश्यक तैयारी पूर्ण की जाकर शतप्रतिशत विद्यार्थियों को नामांकन करने की कार्यवाही की जाएगी।

1. जनप्रतिनिधि,SMCs की उपस्थिति में निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण, बाल सभा आयोजन, 2. पीएम पोषण में विशेष भोज का आयोजन विद्यार्थी, पेरेंट्स को तिलक लगाकर स्वागत नामांकन प्रक्रिया आफ्टर 3.0 पर क्लास प्रमोशन नामांकन दिनांक 3/04/25 भविष्य से भेट कार्यक्रम,माननीय जनप्रतिनिधि समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध , प्रबुद्ध, खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, पुलिस अधिकारी, स्वेच्छा से आमंत्रित व्यक्ति शाला उपयोगी वस्तुएं भेट कर सकेंगे।

सम्मानित व्यक्तियो को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेट,सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियां 85% से ऊपर को सम्मानित किया जाना 4/04/25 हार के आगे जीत है ध्येय के माध्यम से वर्ष 2025 की परीक्षा में कक्षोंनति प्राप्त नहीं करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय में पुनः प्रवेश कार्यक्रम शाला प्रबंधन समितियों की बैठक, शाला त्यागी बच्चों का शाला में प्रवेश।

सीसीटीवी सर्विलांस से बड़वानी में बढ़ेगी सुरक्षा , अपराध नियंत्रण में मिलेगा सहयोग

सीसीटीवी सर्विलांस से बड़वानी में बढ़ेगी सुरक्षा, अपराध नियंत्रण में मिलेगा सहयोग

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। जिले में अब सुरक्षा व्यवस्था को और भी सुदृढ़ किया जा रहा है, और इसके लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिले भर में 31 प्रमुख लोकेशनों पर 145 अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जा रहे हैं। इस परियोजना पर काम वर्तमान में भोपाल की 4 अनुभवी टीमों द्वारा गति से जारी है।

इस परियोजना में पहले ही पोल और आउटडोर कैबिनेट यूनिट्स को स्थापित किया जा चुका है और अब कैमरे लगाने का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। वहीं, कंट्रोल रूम में सर्वर, यूपीएस बैकअप, छीजी जनरेटर और वीडियो वॉल का कार्य भी अपने अंतिम चरण में है, जिससे कि सर्विलांस की प्रभावशीलता और कार्यक्षमता को बढ़ाया जा सके।31 मार्च 2025 को पुलिस अधीक्षक श्री जगदीश डावर ने इस परियोजना की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने कंट्रोल रूम में जाकर सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम के कार्य की समीक्षा की और साथ ही फील्ड में विभिन्न लोकेशनों पर जाकर कार्य की स्थिति का भी जायजा लिया। इस मौके पर निरीक्षक (रेडियो) श्री विजय सिंह चौहान, रक्षित निरीक्षक श्री चेतन बघेल, सब इंजीनियर श्री राहुल लोधी, और कंपनी इंजीनियर श्री सबर किराड़े सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। यह सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम न केवल जिले की सुरक्षा को और मजबूती देगा, बल्कि नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही, यह अपराध नियंत्रण में मदद करेगा, जिससे बड़वानी जिले को सुरक्षित और संरक्षित बनाया जाएगा।

संत श्री सिंगाजी शासकीय महाविद्यालय राजपुर में एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर कार्यशाला संपन्न

राजपुर(बड़वानी), निप्र। संत श्री सिंगाजी शासकीय महाविद्यालय, राजपुर में एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक ठाकुर की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि एवं जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष प्रीतम राजजी बडोले ने एक राष्ट्र, एक चुनाव की आवश्यकता और उसके लाभों पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति के सदस्य संदीप कामठे, लखनजी धनगर, महेशजी भगोरे एवं दीपमाला राठौर ने भी अपने विचार व्यक्त किए और इस प्रणाली के प्रभावों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. जेड जाधव, डॉ. सुरेश सस्ते, डॉ. अनिता शिंदे, डॉ. पवन डावर, डॉ. हरीश सिसोदिया, डॉ. शोभाग सिंह सिसोदिया, डॉ. मनोज सिंह सोलंकी सहित समस्त महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित था।

वन परिक्षेत्र भड़कला के जंगल में खाई में तेंदुए का क्षत-विक्षत शव मिलने से हड़कंप मच गया

विनय उजाला

माण्डव, निप्र। माण्डववन परिक्षेत्र मे आज मृत तेंदुए का शरीर क्षत विक्षत अवस्था में मिला है। मृत तेंदुए का मुंह कुचला हुआ है और पैर का पंजा कटा हुआ है। वन विभाग के अधिकारी सहित डॉक्टर की पैनल मौके पर पहुंची। विभागीय अधिकारी मामले की व्यापक स्तर पर जांच करने की बात कह रहे हैं। घटना की जानकारी आसपास के ग्रामीणों द्वारा वन विभाग को दी गई। इसके बाद वन विभाग मांडू के रेंजर भुवनसिंह मंडलोई वन विभाग के कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे। बाद में धामनोद वन परिक्षेत्र की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची।ग्रामीणों सहित बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचने लगे। मृत तेंदुआ खाई में पत्थर किनारे पड़ा हुआ था। शव बुरी तरह बदबू मार रहा था । ग्रामीणों का कहना है कि यह शव पांच से छह दिन पुराना होना लगता है।

जानकारों का कहना है कि तेंदुए का पंजा कटा हुआ है ऐसे में ऐसा लगता है जैसे उसका शिकार किया गया है और पैर का पंजा कटा हुआ है इस कारण तांत्रिक क्रिया में उपयोग के लिए भी यह कृत्य किया जाना संभव है। इस विषय में मांडू वन परिक्षेत्र अधिकारी मंडलोई ने बताया कि जांच के बाद स्थिति साफ होगी पर जंगल में जानवरों की आपसी संघर्ष के कारण भी यह घटना हो सकती है। हमने वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की जानकारी दे दी है। धामनोद वन परिक्षेत्र अधिकारी विवेक सिंह पटेल ने बताया कि धामनोद वन परिक्षेत्र की टीम मौके पर पहुंच गई है। डॉक्टरों की पैनल द्वारा मौका मुवाइना कर रिपोर्ट बनाई जाएगी। उच्च स्तर तक हम घटना की जानकारी पहुंचा रहे हैं। पोस्टमार्टम के बाद फॉरेंसिक जांच भी होगी उसके बाद स्थिति स्पष्ट होगी। धार वन मंडल अधिकारी अशोक सोलंकी ने बताया कि घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच दल गठित कर रहे हैं। नियम अनुसार कार्यवाही कर रहे हैं।

प्रेस वार्ता में एसडीओपी ने दी घटना की जानकारी

बलात्कार का एक आरोपी गिरफ्तार, एसडीओपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, फरार आरोपी जल्द होंगे गिरफ्त में

विनय उजाला

मांडू, निप्र। मांडू में बीते 25 मार्च को महिला के साथ हुई बलात्कार की घटना को लेकर सोमवार को पुलिस ने दो आरोपितो के खिलाफ बलात्कार का प्रकरण दर्ज किया था।

इसमें मुख्य आरोपी मोनू को सोमवार शाम को ही गिरफ्तार कर लिया है जबकि एक अन्य आरोपी राधिया को पकड़ने के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। इधर एसडीओपी मोनिका सिंह मांडू पहुंची और उन्होंने मांडू थाना प्रभारी रामसिंह राठौड़ एवं गिरफ्तार आरोपित के साथ घटनास्थल का दौरा किया।

इधर मंगलवार को मांडू थाने पर एसडीओपी मोनिका सिंह ने पत्रकार वार्ता के माध्यम से पूरे मामले की जानकारी मीडिया के समक्ष रखी।

एसडीओपी ने बताया कि इस मामले में पहले घटना की जानकारी मिलने के बाद उक्त महिला से संपर्क किया गया था। उन्होंने खिरनी के पेड़ से गिरना बताया था। महिला के पूर्व में दिए गए बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग हमारे पास है।

उसके बाद पुलिस ने महिला से संपर्क किया पर उसने यही बयान दिया। इसके बाद जब महिला ने अपने साथ हुए बलात्कार की बात कही तो हमने तत्काल धार निजी अस्पताल पहुंचकर महिला के बयान के आधार पर दो आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही कर दी है। आज हमने घटनास्थल का भी निरीक्षण कर इस मामले में अन्य जानकारियां जुटाई है। पुलिस पूरा प्रयास कर रही है जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अज्ञात कारणों से युवक ने घर में लगाई फांसी

कसरावद निप्र। बालसमुद गांव के पास ढालखडा निवासी निवासी युवक ने अज्ञात कारणों से घर में फांसी लगाने से युवक की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि ढालखडा निवासी कान्हा पिता मुन्ना 23 वर्षीय भील ने खुद के घर में मंगलवार की प्रातः अज्ञात कारणों से फांसी लगा ली पुलिस को सूचना मिली। मौके से शव बरामद कर पीएम कराया। फिलहाल पुलिस मौत के कारणों की विवेचना में जुटी हुई है।

खरगोन निप्र। दाता हनुमान मंदिर के गर्भगृह में माता की बाड़ी खोली गई। श्रध्दालुओ ने माता के दर्शन कर उनका पूजन अर्चन किया।

निमाड़ में गणगौर पर्व की धूम

शिकागो से आई श्रद्धालु बोलीं- बचपन की यादें हो गईं ताजा

महेश चौहान

कसरावद। निमाड़ के सबसे बड़े महापर्व गणगौर माता के तीन दिवसीय उत्सव की शुरुआत भक्तिभाव से हो चुकी है। अलसुबह जैसे ही माता की बाड़ी के पट खुले, श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। ब्राह्मण मोहल्ला, कुशवाह मोहल्ला, वार्ड नंबर 15, आदर्श नगर और अरिहंत नगर सहित पूरे नगर में माता की भक्ति का उत्साह देखने को मिला। महिलाओं ने पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना की, वहीं युवतियों ने मनचाहा वर पाने की प्रार्थना की।

गणगौर पर्व निमाड़ी संस्कृति का सबसे भव्य और विशेष त्यौहार माना जाता है। श्रद्धालु माता के दर्शन-पूजन के बाद अपने घरों में माता को लाकर तीन दिनों तक उनकी विशेष सेवा करेंगे। इसके बाद वे माता के रथ को विसर्जन स्थल तक ले जाकर पारंपरिक रिवाजों का निर्वहन करेंगे। ऐसी मान्यता है कि इस पर्व के दौरान सच्चे मन से की गई हर मनोकामना अवश्य पूरी होती है। शिकागो, अमेरिका से आई भारतीय मूल की श्रद्धालु शिल्पा पाठक इस पर्व में शामिल होकर भावुक हो उठीं। उन्होंने कहा, गणगौर पर्व के लिए कसरावद आकर बचपन की यादें ताजा हो गईं। जिस गली-मोहल्ले में बचपन बीता, वहां आकर एक अलग ही आनंद मिल रहा है। शिल्पा शिकागो स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं, लेकिन उनके मामा का घर कसरावद में होने के कारण उनका गहरा जुड़ाव इस नगर से बना हुआ है। उन्होंने बताया कि वे मूल रूप से गुजरात के डाकोर जी की निवासी हैं, लेकिन मां और भाई के साथ खासतौर पर इस महापर्व में शामिल होने के लिए आई हैं। शिल्पा ने कहा कि भारत त्योहारों और अध्यात्म का देश है।

यहाँ उत्सव के दौरान जो आध्यात्मिक आनंद मिलता है, वह विदेशों में दुर्लभ है। उन्होंने कहा, विदेशों में न तो इतने भव्य पर्व होते हैं और न ही आसानी से छुट्टियाँ मिलती हैं। यहाँ हर त्यौहार को पूरे परिवार और समाज के साथ मनाने का सुख मिलता है, जो किसी अन्य देश में संभव नहीं। गणगौर पर्व केवल भारतीय श्रद्धालुओं को ही नहीं, बल्कि विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित कर रहा है। हर साल कई विदेशी मेहमान इस पर्व को देखने के लिए भारत आते हैं।

संक्षिप्त समाचार

महर्षि गौतम जयंती जन्म महोत्सव पर समाजजन ने किया भामाशाह सम्मान

देवास, निप्र। वर्ष प्रतिपदा पर अक्षपाद महर्षि गौतम की जयंती पर श्रीगुजर गौड़ ब्राह्मण समाज की नगर सभा एवं महर्षि गौतम सेवा ट्रस्ट द्वारा महर्षि गौतम जयंती महोत्सव समारोह का आयोजन गौतम आश्रम में संपन्न हुआ। सुंदरकांड एवं भगवान महर्षि गौतम का अभिषेक, हवन पूजन किया गया एवं महाआरती का आयोजन किया गया। शाम को आयोजित सम्मान समारोह में गौतम आश्रम के विशेष निर्माण कार्य हेतु समाज के विशिष्टजन ने आर्थिक सहयोग देकर निर्माण प्रक्रिया को गति प्रदान की ऐसे विशिष्ट समाज के 23 सहयोग करता को अतिथि द्वारा भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा देवास के अध्यक्ष दिनेश मिश्रा, विशेष अतिथि पार्षद आशुतोष जोशी, दीपेश कानूनगो, महिला सभा की जिला अध्यक्ष एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष मधु शर्मा, सर्व ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ संजय शुक्ला, सुधा त्रिवेदी, समाज के संतोष जोशी, गिरधर शर्मा, संतोष त्रिवेदी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रवि शंकर व्यास ने की। अतिथियों का स्वागत नगर सभा अध्यक्ष संतोष दुबे, ट्रस्ट। अध्यक्ष एम एम दुबे, महिला सभा अध्यक्ष अनुपमा पाठक, युवक संघ के प्रखर शर्मा, नगर सभा सचिव अमित पंडित ने किया। स्वागत भाषण एवं आयोजन की जानकारी संरक्षक नवीन दुबे ने दी। इस अवसर पर समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं का सम्मान किया तथा समाज के वरिष्ठ बालकिशन शर्मा, दिनेश मिश्रा, दीपेश कानूनगो, आशुतोष जोशी को ब्राह्मण गौरव सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन चेतन उपाध्याय ने किया तथा आभार नगर सभा संरक्षक एम एम मोदी ने माना।

कलिकाल में मनुष्य को भगवत कथा मंगल प्रदान करती है : सुश्री पूजा शर्मा

देवास, निप्र। देवगढ़ के ग्राम बामनी में सार्वजनिक रूप से चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथावाचक पूजा शर्मा पुजापुरा ने कपिल अवतार, वराह अवतार एवं भगवान शंकर का पार्वती के साथ मंगल विवाह के प्रसंग पर चर्चा करते हुए कहा कि इस कलिकाल में मनुष्य को भगवत् कथा ही मंगल प्रदान करती है, तथा श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण से हृदय रोग जैसी अनेक असाध्य बीमारी का भी इलाज हो जाता है। कथा सुनने से जगत की सारी व्यथा दूर हो जाती है ! कथा में भगवान शंकर और मां पार्वती के विवाह की सजीव झांकी प्रस्तुत की गई। भगवान शंकर का रूप धारण कुमकुम सेंधव ने किया था। पार्वती का रूप धारण राजनंदनी सेंधव ने किया। भागवत कथा की आरती के मुख्य यजमान कृपालसिह सेधव सहपत्नी ने की. कथा में नगर व आसपास के सैकड़ों महिलाएं एवं पुरुष ने भाग लिया।

खुली माता की बाड़ी, श्रद्धालुओं ने की पूजा अर्चना

बाग, निप्र। नगर सहित क्षेत्र में चैत्र शुक्ल की तीज मंगलवार को माता की बाडियां खुली। इस दौरान श्रद्धालु महिलाओं ने वाड़ी में पहुंचकर माता के ज्वारों का पूजन अर्चना की। निमाड़ ओर मालवा का लोकपर्व गणगौर का नगर में उत्साह चरम पर है। ज्वारों की बाड़ी खुलते ही तीन दिवसीय गणगौर महापर्व प्रारंभ हुआ। बाड़ी में मां के ज्वारों की पूजा व दर्शन के लिए नगर के श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह 5 बजे से उमड़ पड़ी। सिर्वी, माहेश्वरी, बाह्मण समाज सहित नगर मे निवासरत अन्य समाज की सभी महिलाओं ने बड़ी संख्या में नगर परसाई विशाल शरद पांडे के श्री राम मंदिर व सिर्वी मोहल्ला स्थित पवन हनुमान सेन के निवास स्थान पर स्थापित माता की बाड़ी में ज्वारे का पूजन किया। मंगलवार तीज के दिन नगर बाग में ज्वारे रूपी माता के प्रतीक को नगर में जिन जिन स्थानों पर माता के रथ स्थापित किए गए हैं। धूमधाम से ढोल व चल समारोह के साथ लाए गए। धनियार राजा यानी भगवान शंकर एवं रनुबाई यानि माता गौरी का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर भोग लगाया गया। नगर के सिर्वी समाज के भक्तजनों ने गणगौर माता के 25 से अधिक रथ एवं माहेश्वरी समाज की महिलाओं द्वारा एक रथ स्थापित किया गया है। विभिन्न समाजों की महिलाओं द्वारा घर-घर जाकर रनुबाई और धनिया राजा को रख झलारिया मंगल गीत गाएं जाएंगे। सुबह से माहेश्वरी मांगलिक भवन में महिलाओं ने सज संवर कर माता की पूजा कर गीत गाए। माहेश्वरी समाज की गणगौर तीज के अवसर पर ज्वारे रूपी माता जी की बाड़ी पर समाज की महिलाओं द्वारा पूजा-अर्चना किया। वहीं समाज की महिलाओं द्वारा सजधज कर आकर्षक वेशभूषा में माहेश्वरी भवन पर स्थित गणगौर माता के रथ को चल समारोह द्वारा माताजी की बाड़ी लाया गया। फूलपांती के रूप में चल समारोह का समापन माहेश्वरी भवन पर हुआ। माहेश्वरी समाज द्वारा स्थापित गणगौर के रथों को सिद्धेश्वर महादेव मंदिर पर लाया जाकर नगर के सभी गणगौर रथों के साथ सिर पर रख कर महिलाओं द्वारा नृत्य किए जाएंगे व झाले देंगे।

शिक्षा और ज्ञान की बदौलत हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते : कलेक्टर

'स्कूल चलें हम अभियान-2025' उत्कृष्ट विद्यालय देवास में आयोजित हुआ जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम

विनय उजाला

देवास, निप्र। शिक्षा और ज्ञान का हमारे जीवन में बहुत महत्व हैं। शिक्षा और ज्ञान की बदौलत हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थी जीवन में कठिन परिश्रम करके पढ़ाई करना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा शिक्षा और ज्ञान को अर्जित करना चाहिए, जिससे अपने सभी सपने पूरे हो सकें।

उक्त बातें कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने मंगलवार को उत्कृष्ट विद्यालय देवास में 'स्कूल चलें हम अभियान-2025 अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में कही। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी हरिसिंह भारती, उत्कृष्ट विद्यालय देवास के प्राचार्य सुधीर कुमार सोमानी अन्य शिक्षकगण तथा विद्यार्थीगण उपस्थित थे। कलेक्टर सिंह ने कहा कि पढ़ाई में मेहनत बहुत जरूरी होती है। मेहनत के द्वारा ही जटिल से जटिल परीक्षा पास करना संभव है। आप अच्छे से पढ़ाई करेंगे तो निश्चित ही सफलता आपके कदम चुमेगी। उन्होंने कहा कि कक्षा 12वीं अच्छे नंबर से पास करके अच्छे कॉलेज से डिग्री हासिल करना तथा अपने लक्ष्य को प्राप्त करना। उन्होंने कहा कि आपकी कॉलेज की डिग्री की तय करेगी कि आप जीवन में क्या करेंगे। इसलिए अच्छे कॉलेज से अच्छे प्रतिशत से डिग्री हासिल करें तथा अपने लक्ष्य को प्राप्त करें। इस अवसर पर विद्यालय के कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के विद्यार्थियों का पुष्पहार व तिलक लगाकर स्वागत किया गया। नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण योजना अंतर्गत विद्यालय के विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों के सेट प्रदान किए गए। संचालन संतोष स्वर्णकार ने किया एवं आभार सुधीर कुमार सोमानी ने किया।

शिक्षा और ज्ञान के बदौलत यह मुकाम पाया

इस दौरान कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए ज्ञान प्राप्त करना बहुत जरूरी है। ज्ञान और शिक्षा अपने जीवन के स्टेटस और रहन-सहन को बदल देता है। उन्होंने कहा मैं यहां तक पहुंचा यह सब ज्ञान और शिक्षा की बदौलत ही संभव हो पाया है। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे अपनी प्रतिभा को पहचाने और जिस क्षेत्र में उनकी रूचि है, उसको ध्येय बनाकर अपने जीवन को सार्थकता प्रदान करें और अपने लक्ष्य को हासिल करें। उन्होंने कहा कि अध्ययन एक ऐसा साधन हैं जो विद्यार्थियों एवं उनके पूरे परिवार की दशा और दिशा तय करता हैं। आप खूब मन लगा कर पढ़ाई कर परिवार व विद्यालय के साथ शहर नाम गौरवान्वित करें।

विद्यार्थियों को कम से कम 14 घंटे पढ़ाई करना चाहिए

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि कि कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को कम से कम 14 घंटे पढ़ाई करना चाहिए, ताकि अपने माता-पिता का नाम आगे बढ़ा सकें। उन्होंने स्कूल के प्रथम दिवस पर सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि कठोर परिश्रम जीवन में बहुत जरूरी है। पढ़ाई के दौरान जो भी कठिनाई आती हैं तो शिक्षक से साझा करके उसका हल निकालें। मेहनत से पीछे ना हटे। परीक्षा यदि करीब हो तो सोशल मीडिया और बाहरी जीवन से दूर रहें और पूरा फोकस पढ़ाई पर ही करें। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी विद्यालयों में 1 अप्रैल 2025 से नये सत्र का प्रारम्भ किया गया। कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

धरे रह गए सख्त कार्रवाई करने के दावे

सीएम के आदेश के बावजूद जले मिले खेत के खेत

विनय उजाला

देवास, निप्र। मप्र की मोहन यादव सरकार ने इस बार सख्त आदेश जारी किए थे कि खेत आग के हवाले नहीं होंगे। जो ऐसा करेगा उस पर कार्रवाई की तलवार भी लटकाई। लेकिन तमाम दावों के बाद भी खेतों में नरवाई यानि पराली जलाई जा रही हैं।

कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने कहा था कि पर्यावरण सुरक्षा को देखते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देश पर रोक लगाई, इसके लिए नरवाई जलाने वाले किसानों से पर्यावरण क्षतिपूर्ति के तहत जुर्माने का प्रावधान किया गया। देवास जिले में प्रशासन ने इस बार काफी तैयारी की, गांव.गांव किसानों को जागरूक करने के लिए कृषि विभाग की गौष्ठी हुई, नियम कायदे बताए। साथ ही चेताया भी कि नरवाई जलाने पर जुर्माना वसूला जाएगा। देवास जिले की बागली तहसील के कमलापुर गांव में बडी चौराहे से कमलापुर के लिए जैसे ही अंदर इंट्री होती हैं, जले खेत स्वागत में खडे मिलेंगे। आगे बिजली कंपनी के ग्रिड के पीछे खेत के खेत जलाए जा चुके। खेत पर गहरी काली परत जमी थी। कुछ आगे जाने पर दाये तरफ का एक खेत में गेहूं कट चुके थे, खाली खेत में एक किसान माचिस लेकर आग लगाने की तैयारी कर रहे थे।

खेत में अलग-अलग तीन, चार जगह वे माचिस से खेत सुलगाने लगे। पुलिस चौकी ग्रिड के आगे हैं। चौकी के आसपास के खेत भी जलाए जा चुके थे। नियम ये है कि जुर्माना वसूलने के लिये संबंधित व्यक्ति, निकाय या कृषक जिनके द्वारा नरवाई जलाकर पर्यावरण को क्षति पहुंचाई गई है, उनके खिलाफ उप संचालक कृषि सूचना-पत्र जारी करेंगे। सूचना-पत्र को तामील कराने की जिम्मेदारी संबंधित क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी की होगी। संबंधित क्षेत्र के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी इसका परीक्षण करेंगे और तामील किए गए सूचना पत्रों की सूची अनुविभागीय कृषि अधिकारी उप संचालक कृषि को प्रस्तुत करेंगे। कृषि विस्तार अधिकारी, संबंधित ग्राम के हल्का पटवारी एवं पंचायत सचिव के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेंगे।

क्या कमलापुर में कृषि विभाग कार्रवाई करेगा...?

ऐसा कोई व्यक्ति, निकाय या कृषक जिसके पास 2 एकड़ तक की भूमि है, तो उससे नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 2500 रुपए जुर्माना वसूला जाएगा। इसी प्रकार 2 से 5 एकड़ तक की भूमि है तो 5 हजार रुपए और 5 एकड़ से अधिक भूमि है तो उसको नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 15 हजार रुपए प्रति घटना के मान से जुर्माना भरना होगा। दूसरी बार नरवाई जलाने पर फिर जुर्माना भरना होगा।

भगवान की आकृति वाली रंगोली को पैर से बिगाडने के मामले में केस दर्ज

विनय उजाला

कन्नौद, निप्र। नगर के शासकीय महाविद्यालय में उकेरी गई भगवान राधा-कृष्ण की आकृति वाली रंगोली को पैर से बिगाड़ने के मामले में सहायक प्राध्यापक पर गत दिवस प्रकरण दर्ज किया गया है।

सहायक प्राध्यापक जुजेर अली रंगवाला द्वारा रंगोली को पैर से बिगाड़ने का एक वीडियो सोशल मीडियो पर वायरल हुआ था। शिकायत भोपाल तक शिकायत पहुंची। मंत्री विश्वास सारंग ने कड़ी कार्रवाई की बात कही हैं। वहीं कन्नौद थाना टीआई तहजीब काजी ने बताया कि शिकायत की जांच के बाद सहायक प्राध्यापक पर केस दर्ज किया गया है। आरोपित की तलाश की जा रही है। वास्तविक घटनाक्रम कब का है अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है। लेकिन सोशल मीडिया पर वीडियो करीब दस दिन पहले वायरल हुआ था। मामले को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा कॉलेज प्रबंधन व पुलिस को आवेदन दिया गया है। इसमें सहायक प्राध्यापक पर कड़ी कार्रवाई करने के साथ ही तत्काल निलंबन की मांग की गई है। वहीं कालेज के प्रभारी प्राचार्य प्रेमलाल मंगवार के अनुसार मामले में हुई एफआईआर व अन्य जानकारी वरिष्ठ स्तर पर भेज दी गई है, आगामी कार्रवाई वहीं से होगी। घटना कब की है, यह मुझे नहीं पता है।

रंगवाला ने कई बार छात्रों को डराया

आरोप लगाते हुए एबीपीवी ने बताया कि छात्र-छात्राएं अगर उनकी बात नहीं मानेंगे तो उनको प्रेक्टिकल में नंबर कम देने व फेल करने की धमकी देते थे। वहीं शिक्षक ने जो वाट्सअप ग्रुप बनाए उनमें भारत और कन्नौद नगर के लिए बहुत ही निंदनीय टिप्पणी की गई। एबीपीवी ने इसके स्क्रीन शाट के प्रिंट आउट भी पुलिस को सौंपे हैं। शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में केमेस्ट्री विषय के शिक्षक रहे रंगवाला ने एक भारतीय नागरिक के न्यूजीलेंड की नागरिकता लेता हैं एवं नाचता है। इस पर टिप्पणी करते हुए भारत को नरक समान बताया। लिखा कि नरक से छूटकारा मिला तो आदमी नाचेगा ही।

वन विभाग की टीम ने किया हिरण का रेस्क्यू

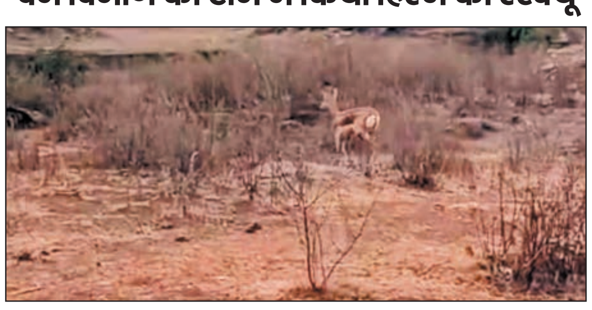

विनय उजाला

देवास, निप्र। 31 मार्च को बसंत विहार कॉलोनी जैतपुरा से कुलदीप नागर के द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि हमारी कॉलोनी के एक ओपन पानी के टैंक में हिरण गिर गया है। सूचना पर वनमंडल अधिकारी अमित सिंह चौहान के आदेश पर उप वनमंडल अधिकारी संतोष शुक्ला एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी राजेंद्र सिंह सोलंकी के निर्देशन में दल प्रभारी हेमराज गोखले, रेस्क्यू एक्सपर्ट राजेश चौहान, अंकित मंडलोई, दिनेश चौधरी द्वारा मौके पर पहुंचकर एक कृष्ण मृग मादा उम्र 5 वर्ष का सुरक्षित रेस्क्यू कर वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश अनुसार प्राकृतिक आवास वन क्षेत्र में छोड़ गया। उक्त जानकारी दल प्रभारी हेमराज गोखले ने दी।

गणगौर पर्व पर महिलाओं ने शिव पार्वती जी का बाना निकाला

विनय उजाला

सोनकच्छ, निप्र। 16 दिवसीय गणगौर पर्व का समापन मंगलवार को हुआं, गणगौर पर्व पर महिलाओं ने नगर में महिलाओं के बजरंग चौराहा स्थित माहेश्वरी समाज धर्मशाला में पूजन करने पहुंची जहां पर उन्होंने भगवान शिव व माता पार्वती का पूजन किया और अपने परिवार के लिए सुख समृद्धि की प्रार्थना की।शाम को ईसर गौरी (शिव पार्वती) की छोटी छोटी प्रतिमा को सिर पर रख कर नगर भ्रमण कर अन्नपूर्णा मंदिर पहुंचे जहां महिलाओं ने भगवान शिव व माता पार्वती के झाले दिए और माता को पानी पिलाया।गणगौर माता का पूजन स्त्री अपने पति की दीर्घायु के लिए करती है।नगर में महेश्वरी समाज के साथ चित्तौड़ा एवं सोनी समाज की महिलाओं द्वारा भी उत्साह से गणगौर पर्व मनाया गया। गणगौर तीज का पर्व कुंवारी कन्याओं और विवाहित महिलाओं द्वारा सुहाग एवं समृद्ध जीवन की कामना हेतु मनाया जाता है।

आनंद ग्राम सोबल्यापुरा में जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू

विनय उजाला

देवास, निप्र। बूंद-बूंद है अनमोल, आइये मिलकर जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संकल्प करें इसी भावना व उद्देश्य को लेकर आनंद ग्राम पंचायत सोबल्यापुरा, वन सुरक्षा समिति सोबल्यापुरा व पुंजापुरा प्रगति समिति (समाज प्रगति संस्था द्वारा संचालित) के तत्वाधान में भेरु घाट के पास बनी डबरी का जनभागीदारी से मध्य प्रदेश शासन की जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 50 ट्राली मिट्टी निकाली गई। इस अभियान में बड़ी संख्या में महिला पुरुषों ने उत्साह के साथ सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत में पूर्व मंडी अध्यक्ष गंगाबाई काग, सरपंच अनुबाई-लक्ष्मण सिंह परिहार, समाज प्रगति के मुरली भाई, वन विभाग के डिप्टी डेंजर राकेश सिसोदिया, पुंजापुरा प्रगति समिति की पारुबाई भार्गव ने दीप प्रज्ज्वलित कर मां नर्मदा व भारत माता की तस्वीर की पूजा अर्चना की। उपस्थित महिलाओं ने जल सर्वधन से संबंधित मधुर लोकगीत प्रस्तुत किये। मोहन मौर्य, महेंद्र काजलिया, भिकुपुरा सरपंच लखन सिंह मुलेवा ने अपने ट्रैक्टर-टाली व पुंजापुरा के सरपंच मोहन राठौर ने अपनी जेसीबी सेवा में लगाकर 50 ट्राली गाद निकालने का प्रशंसनिय सेवा कार्य किया। इस मौके पर इंजीनियर टीना झानिया, सचिव मनोज पंवार, रोजगार सहायक जगदीश मुजाल्दे,समाज प्रगति के धर्मेंद्र राजावत, सुनिल शर्मा, गजानंद मोगे,संदीप भाटी, राजेश यादव, गोलू राठौर, गुलाबसिंह काग, जगदीश चंदेल, मंसाराम भाई तथा तीनों समिति के सदस्यों आदि ने स्वेच्छिक श्रमदान किया।

नव उत्साह के साथ छात्रों ने किया नवीन सत्र में विद्यालय में प्रवेश

पुष्पमाला पहना कर किया छात्रों का स्वागत

विनय उजाला

देवास, निप्र। 1 अप्रैल से विद्यालय में नवीन सत्र के प्रारंभ के साथ ही प्रवेश उत्सव मनाया जा रहा है। स्थानीय श्री नारायण विद्या मंदिर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक एक देवास में भी स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि नितिन आहूजा के आतिथ्य में प्रवेश उत्सव मनाया गया। विद्यालय के शिक्षक मिर्जा मुशाहिद बैग ने बताया कि प्राचार्य के के मिश्रा, अतिथि नितिन आहूजा एवं विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं ने सत्र के प्रारंभ में प्रथम दिवस विद्यालय आने वाले छात्रों को तिलक कर एवं पुष्पमाला पहना कर नवीन शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएं दी। विद्यालय में कक्षा में प्रवेशित छात्रों ने बहुत उत्साह और हर्ष के साथ प्रवेश किया। इस अवसर पर छात्रों को पाठ्यक्रम की पुस्तिकाओं का वितरण भी किया गया। पार्षद प्रतिनिधि श्री आहूजा ने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। संस्था शिक्षक अनुज जायसवाल ने छात्रों को निरंतर विद्यालय आने और नियमित अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्राचार्य के के मिश्रा ने नवीन सत्र में नव ऊर्जा के साथ अध्ययन कर श्रेष्ठ उपलब्धि अर्जित करने का छात्रों से आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका सादिया खान ने किया एवं आभार शिक्षिका अनीता पंड्या ने माना। इस अवसर पर जन शिक्षक सहज सरकार,संस्था के लोकेश दुबे, मनोहर पटेल, सुनील नायक, अंजना सोनी, प्रमिला देवलिया, मनीषा श्रीवास्तव , मद्कली तिर्की, सुनीता भगोर, सारिका कीकर, डी राजेश्वरी, अंकिता व्यास, लता यादव, सहित समस्त शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहे।

शुरुआती मैच गंवाने के बाद कभी चैंपियन नहीं बनी सीएसके

मुंबई

आईपीएल 2025 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। इस सीजन के शुरुआती तीन मैचों ने तो व्यूअरशिप के रिकॉर्ड्स भी तोड़ दिए थे। रविवार को सीजन का दूसरा डबल हेडर खेला गया। दिन के दूसरे मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। यह चेन्नई की इस सीजन की लगातार दूसरी हार रही।

चेन्नई की टीम इस सीजन अब तक अपने शुरुआती तीन में से दो मैच गंवा चुकी है। यह अब तक 18 सत्र में पांचवीं बार है जब चेन्नई ने अपने शुरुआती तीन में से दो या इससे ज्यादा मैच गंवाए हैं। इससे पहले चार बार जब ऐसा हुआ था तो टीम चैंपियन नहीं बन पाई थी। क्या इस बार चेन्नई इस अनचाहे रिकॉर्ड को तोड़ पाएगी? यह तो वक्त ही बताएगा।

साल 2009

–साल 2009 में चेन्नई ने शुरुआती तीन में से दो मैच गंवाए थे। पहले मैच में उसे मुंबई इंडियंस ने 19 रन से हराया था। फिर दूसरे मैच में सीएसके की टीम आरसीबी को हराने में कामयाब रही थी। इसके बाद तीसरे मैच में दिल्ली डेयरडेविल्स ने चेन्नई को नौ रन से शिकस्त दी थी। इस साल टीम लीग स्टेज में 14 में से आठ मैच जीत पाई थी। सेमीफाइनल में हालांकि, सीएसके को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों हार का सामना करना पड़ा था और टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। डेक्कन चार्जर्स ने इस साल खिताब अपने नाम किया था।

साल 2012

साल 2012 में भी चेन्नई ने शुरुआती तीन में से दो मैच गंवाए थे। इस साल टीम 16 में से आठ मैच जीतने में कामयाब रही थी। सात में सीएसके को हार का सामना करना पड़ा था और एक मैच बेनतीजा रहा था। 17 अंक लेकर सीएसके की टीम अंक तालिका में चौथे स्थान पर रही थी और प्लेऑफ में पहुंची थी। इसके एलिमिनेटर में सीएसके ने मुंबई को 38 रन से हराया था। फिर क्वालिफायर–दो में चेन्नई ने दिल्ली कैपिटल्स को 86 रन से शिकस्त दी थी। हालांकि, चेन्नई में खेले गए फाइनल में सीएसके को केकेआर के खिलाफ पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

साल 2025

अब साल 2025 में चेन्नई को खराब शुरुआत मिली है। टीम ने अपने पहले मैच में मुंबई को चार विकेट से हराया, लेकिन इसके बाद आरसीबी और आरआर के खिलाफ हार गई। अब उसे प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए बाकी बचे 11 मैचों में से कम से कम सात–आठ मैच जीतने होंगे (अगर 16 को क्वालिफाइंग अंक मानें तो)। एक यह भी संयोग है कि साल 2012 को छोड़ दें तो बाकी तीन सत्रों के अगले सत्र में चेन्नई की टीम ने जबरदस्त वापसी की थी। साल 2010, 2021 और 2023 में सीएसके की टीम चैंपियन बनी थी। चेन्नई की टीम पांच बार की चैंपियन है। ऐसा माना जा रहा है कि यह 43 साल के धोनी का आखिरी आईपीएल हो सकता है। ऐसे में सीएसके के बाकी खिलाड़ी कड़ी मेहनत कर उन्हें खिताब के साथ विदा करने की कोशिश करेंगे।

साल 2020

साल 2020 में चेन्नई की टीम को शुरुआती तीन में से दो मैचों में हार मिली थी। चेन्नई ने अपने पहले मैच में मुंबई को पांच विकेट से हराया था। इसके बाद राजस्थान के हाथों सीएसके को 16 रन से हार मिली थी। फिर दिल्ली कैपिटल्स ने चेन्नई को 44 रन से हराया था। इस साल चेन्नई की टीम 14 में से सिर्फ छह मैच जीत पाई थी और आठ में उसे हार का सामना करना पड़ा था। 12 अंक लेकर सीएसके की टीम अंक तालिका में आठ में से सातवें स्थान पर रही थी और प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई थी। इस साल मुंबई ने खिताब अपने नाम किया था।

साल 2022

साल 2022 में चेन्नई ने अपने शुरुआती तीनों मैच गंवाए थे। पहले मैच में उसे कोलकाता नाइट राइडर्स ने छह विकेट से हराया था। इसके बाद लखनऊ सुपर जाएंट्स ने छह विकेट से शिकस्त दी थी। वहीं, तीसरे मैच में पंजाब किंग्स ने सीएसके को 54 रन से हराया था। इस सत्र में सीएसके की टीम 14 में से सिर्फ चार मैच जीतने में कामयाब हो पाई थी। उसे 10 मैचों में हार का सामना करना पड़ा। आठ अंक लेकर सीएसके की टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर रही थी। इस साल गुजरात टाइटंस की टीम चैंपियन बनी थी।

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान स्टोक्स फिटनेस के कारण काउंटी से बाहर

ब्रायडन कार्स ने पाकिस्तान के खिलाफ अक्टूबर 2024 में टेस्ट डेब्यू किया था और शानदार प्रदर्शन करते हुए 19.85 की औसत से 27 विकेट झटके थे। कोच कैंपबेल ने कहा कि इंग्लैंड उनके टैलेंट को लेकर गंभीर है, लेकिन उनकी फिटनेस को लेकर सावधानी बरती जा रही है। कैंपबेल ने कहा, कार्स इस समय इंग्लैंड के लिए बेहद अहम खिलाड़ी हैं। उनके अंदर टेस्ट क्रिकेट के लिए गजब की क्षमता है, लेकिन पैर की चोट से वह जूझ रहे हैं।

लंदन, (हि.स.)

इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स के काउंटी चैंपियनशिप के शुरुआती मुकाबलों में खेलने की संभावना बेहद कम है। डरहम के कोच रयान कैंपबेल ने सोमवार को इस बात की पुष्टि की। स्टोक्स इस समय हैमस्ट्रिंग की सर्जरी के बाद फिटनेस हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

33 वर्षीय स्टोक्स को पिछले साल दिसंबर में न्यूजीलैंड दौरे के दौरान हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट लगी थी। यह पांच महीनों में दूसरी बार था जब उन्हें यह समस्या हुई, जिसके कारण उन्हें सर्जरी करानी पड़ी।

इंग्लैंड को मई में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है, जिसके बाद भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की अहम सीरीज होगी। साल के अंत में इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया में एशेज के लिए भी उतरना है।

टीम को खलेगी स्टोक्स और ब्रायडन की कमी

डरहम की टीम मई में जिम्बाब्वे टेस्ट से पहले छह काउंटी चैंपियनशिप मैच खेलेगी, लेकिन स्टोक्स के इन मुकाबलों में खेलने की संभावना नहीं है। डरहम के कोच रयान कैंपबेल ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि टीम को सिर्फ स्टोक्स ही नहीं, बल्कि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स (पैर की चोट) और मार्क वुड (घुटने की चोट) की भी कमी खलेगी। कैंपबेल ने कहा, स्टोक्स, कार्स और वुड का हमारे लिए खेलना फिलहाल मुश्किल लग रहा है। उनकी प्राथमिकता इंग्लैंड के लिए पूरी तरह से फिट होना है। स्टोक्स ने सर्जरी के अगले ही दिन वेट लिफ्टिंग शुरू कर दी थी, जो उनकी दृढ़ता को दर्शाता है। वह टीम के लिए बेंचमार्क सेट कर रहे हैं। इंग्लैंड की टीम अपने प्रमुख खिलाड़ियों को पूरी तरह से फिट देखना चाहती है, ताकि भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़ी टेस्ट सीरीज से पहले वे बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें।

भारतीय टेट खिलाड़ी मानव वर्ल्ड रैंकिंग के टॉप 50 में पहुंचे

नई दिल्ली, (हि.स.)

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मानव ठक्कर ने अपने करियर की बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार आईटीटीएफ वर्ल्ड रैंकिंग के टॉप 50 में जगह बना ली है। वह अब दुनिया में 47वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

इस बीच, स्नेहित सुरवज्जुला ने पहली बार शीर्ष 100 में जगह बनाते हुए 89वां स्थान हासिल किया है। एक मार्मिक मोड़ में, शरत कमल, जिन्होंने प्रतिस्पर्धी टेबल टेनिस से संन्यास की घोषणा की थी, ने विश्व नंबर 80 पर अपने शानदार करियर का समापन किया। अपने अंतिम मैच में कमल पर सुरवज्जुला की जीत ने अनुभवी के करियर का प्रतीकात्मक अंत कर दिया। चेन्नई में डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर में भारत का अभियान रविवार को समाप्त हो गया, जब ठक्कर को पुरुष एकल सेमीफाइनल में फ्रांस के विश्व नंबर 54 थिबॉल्ट पोरेट से 3–1 से हार का सामना करना पड़ा। डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष के रूप में इतिहास रचने वाले ठक्कर ने जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में एक उच्च–ऊर्जा मैच में कड़ी टक्कर दी।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बड़े बदलाव की ओर, टेस्ट कप्तानी से हटे ब्रेथवेट

नई दिल्ली। कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट्स से नदारद रहने के बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट अब बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है। इसी कड़ी में क्रेग ब्रेथवेट ने चार साल बाद वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने सोमवार को बताया कि शाइ होप को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया है।

32 वर्ष के ब्रेथवेट को मार्च 2021 में जेसन होल्डर की जगह कप्तान बनाया गया था। वहीं वनडे टीम के कप्तान होप को रोवमैन पॉवेल की जगह टी20 टीम की कप्तानी दी गई है। रोवमन पॉवेल मई 2023 से टी20 कप्तान थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक बयान में कहा, ब्रेथवेट चाहते थे कि उनके खेल को अलविदा कहने से पहले टीम बदलाव के दौर से गुजर जाए। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले उन्होंने कप्तानी छोड़ दी ताकि नये कप्तान को खुद को स्थापित करने का समय मिल जाये। नए टेस्ट कप्तान का ऐलान जल्दी ही किया जाएगा।

भारत के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली हॉकी खिलाड़ी वंदना ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, (हि.स.)

भारतीय महिला हॉकी की दिग्गज खिलाड़ी वंदना कटारिया ने आधिकारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा कर दी है, जिससे एक असाधारण करियर का समापन हो गया।

320 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 158 गोल करने वाली वंदना भारतीय महिला हॉकी इतिहास में सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी के रूप में विदाई ले रही हैं। आंकड़ों से कहीं अधिक, वह एक प्रेरणादायक धरोहर छोड़कर जा रही हैं, जो एक संघर्ष, संकल्प और भारतीय महिला हॉकी को उच्च शिखर पर पहुंचाने की अनवरत भूख की कहानी है।

एक युग का अंत

वंदना ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर अपने संन्यास की घोषणा की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, यह निर्णय आसान नहीं था, लेकिन मुझे पता है कि अब सही समय है। हॉकी मेरी जिंदगी रही है, और भारतीय जर्सी पहनना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। लेकिन हर यात्रा का एक अंत होता है, और मैं गर्व, आभार और खेल के प्रति अपार प्रेम के साथ छोड़ रही हूं। भारतीय हॉकी अच्छे हाथों में है, और मैं हमेशा इसकी सबसे बड़ी समर्थक रहूंगी। उन्होंने लिखा, मैं अपने कोच, टीम साथियों, समर्थन कर्मचारियों, हॉकी इंडिया, परिवार और सभी फैंस का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने मेरे साथ हर कदम पर समर्थन किया। उनके हर एक चीयर, संदेश और प्रोत्साहन ने मुझे बहुत कुछ दिया। शानदार करियर और ऐतिहासिक क्षण वंदना का हॉकी में सफर एक छोटे से

व्यापार

साल के पहले दिन ही सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट

ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी से सहमा शेयर बाजार

नई दिल्ली, (हि.स.)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रस्तावित टैरिफ पॉलिसी के डर से घरेलू शेयर बाजार ने आज नए वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दिन ही भारी गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत की।

आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। हालांकि पहले आधे घंटे के कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक रिकवरी करके हरे निशान में पहुंचने में सफल रहे थे, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार लगातार गिरता चला गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.80 प्रतिशत और निफ्टी 1.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

3.39 लाख करोड़ रुपए का नुकसान

मंगलवार दिनभर के ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। मीडिया और टेलीकॉम इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह फार्मास्यूटिकल, बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला–जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 409.48 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। निवेशकों को करीब 3.39 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

आधे घंटे के बाद बाजार पर मंदड़ियों का कब्जा

बीएसई का सेंसेक्स आज 532.34 अंक की कमजोरी के साथ 76,882.58 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक ने निचले स्तर से करीब 600 अंक उछल कर 72.13 अंक की मजबूती के साथ 77,487.05 अंक तक पहुंचने में सफलता हासिल की, लेकिन आधे घंटे के कारोबार के बाद ही बाजार पर मंदड़ियों का कब्जा हो गया। बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में लगातार हो रही बिकवाली की वजह से यह सूचकांक 1,502.74 अंक टूट कर 75,912.18 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई मामूली खरीदारी के कारण सेंसेक्स निचले स्तर से 100 अंक से अधिक की रिकवरी करके 1,390.41 अंक की कमजोरी के साथ 76,024.51 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

केंद्र ने 206.6 करोड़ रुपए के घटिया सामानों पर कार्रवाई की

नई दिल्ली,(हि.स.)। सरकार ने भारतीय बाजारों में घटिया वस्तुओं के आयात को रोकने और घरेलू उद्योग की रक्षा के लिए विभिन्न उपायों को लागू किया है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने फरवरी तक सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत वित्त वर्ष 2024–25 में 206.62 करोड़ रुपये मूल्य के घटिया माल के आयात के खिलाफ कुल 206 मामले दर्ज किए हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने मंगलवार को लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा वित्त वर्ष 2024–2025 (फरवरी, 2025 तक) में राजस्व खुफिया निदेशालय और सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत सीमा शुल्क क्षेत्रीय संरचनाओं की ओर से आईपीआर, बीआईएस और एफएसएसएआई मानदंडों का उल्लंघन करने वाले खराब वस्तुओं के आयात के खिलाफ कुल 206 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनकी कीमत 206.62 करोड़ रुपए हैं। डीजीटीआर में प्राधिकारी घरेलू उद्योग की ओर से दायर आवेदनों की जांच करता है और सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के प्रावधानों के अनुसार आयातकों, निर्यातकों और अन्य इच्छुक पक्षों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं का मूल्यांकन करता है।

चुनौतियों के बीच वित्तीय प्रणाली को मजबूत कर रहा आरबीआई : मल्होत्रा

नई दिल्ली/मुंबई, (हि.स.)

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मंगलवार को कहा कि बैंक बदलती आर्थिक स्थिति में पहुंच का विस्तार, दक्षता में सुधार और लचीलेपन को मजबूत करके वित्तीय प्रणाली में सुधार करने के लिए काम कर रहा है।

आरबीआई गवर्नर ने मुंबई में रिजर्व बैंक के 90वें स्थापना दिवस समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हम रिजर्व बैंक में सभी चुनौतियों का सामना करने और सभी अवसरों का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने अपने में वित्तीय स्थिरता और दक्षता के बीच संतुलन कायम करने के लिए विनियामक ढांचे को लचीला बनाने के साथ-साथ उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने की केंद्रीय बैंक की प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आरबीआई वित्तीय स्थिरता, दक्षता में संतुलन बनाकर विनियामक ढांचे को अनुकूल बनाने का प्रयास कर रहा है। मल्होत्रा ने कहा कि आज हम परंपरा और परिवर्तन के संगम पर खड़े हैं, जहां मूल्य स्थिरता, वित्तीय स्थिरता और आर्थिक विकास की अनिवार्यतां तीव्र तकनीकी प्रगति, वैश्विक अनिश्चितताओं, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और बढ़ती सार्वजनिक अपेक्षाओं के साथ जुड़ती हैं। अगला दशक भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीय ढांचे को आकार देने में महत्वपूर्ण होगा। आरबीआई वित्तीय समावेशन का विस्तार करने और उसे गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि जब हम इस सालभर के उत्सव का समापन कर रहे हैं और अपने शताब्दी दशक में कदम रख रहे हैं, तो हम ऐसा आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और स्पष्ट दृष्टि के साथ कर रहे हैं। आगे की यात्रा निरंतर अनुकूलन और चपलता, नई सोच और नवाचार, सहयोग एवं समन्वय और उत्कृष्टता एवं पूर्णता के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता की मांग करेगी।

उन्होंने कहा कि हम ग्राहक सेवाओं में निरंतर सुधार और उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने की संस्कृति को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे। आरबीआई वित्तीय प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। इसके लिए इसकी पहुंच का विस्तार करेगा, इसकी दक्षता बढ़ाएगा और उभरते आर्थिक परिदृश्य में इसके लचीलेपन को मजबूत करेगा। वित्तीय स्थिरता और दक्षता के हितों को संतुलित करके हमारे नियामक ढांचे को अनुकूलित करने का हमारा प्रयास होगा।

जीएसटी राजस्व संग्रह मार्च में 9.9 फीसदी बढ़ा

जीएसटी 1.96 लाख करोड़ रुपए के पार

नई दिल्ली, (हि.स.)

नए वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत होने के साथ ही वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह से सरकार का खजाना फिर भर गया है। मार्च महीने में जीएसटी राजस्व संग्रह सालाना आधार पर 9.9 फीसदी बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा, जबकि पिछले महीने फरवरी में यह 1.84 लाख करोड़ रुपए रहा था।

जीएसटी महानिदेशालय ने मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया कि मार्च माह में जीएसटी राजस्व संग्रह 9.9 फीसदी बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। इसमें केंद्रीय जीएसटी संग्रह 38,100 करोड़ रुपये रहा, जबकि राज्य जीएसटी संग्रह 49,900 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही मार्च में एकीकृत जीएसटी संग्रह 95,900 करोड़ रुपये रहा, जबकि जीएसटी उपकर संग्रह 12,300 करोड़ रुपये रहा।

वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ने की आशंका से

अमेरिकी रिपोर्ट में सोने की कीमत में बड़ी गिरावट की आशंका

नई दिल्ली, (हि.स.)

अमेरिकी अर्थव्यवस्था की अनिश्चितता, ट्रेड वॉर शुरू होने का डर और वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ने की आशंका की वजह से देश और दुनिया में सोना ऑल टाइम हाई पर पहुंच कर कारोबार कर रहा है। आने वाले दिनों में इस चमकीली धातु में और तेजी आने की संभावना जताई जा रही है।

इसी बीच फाइनेंशियल सर्विस देने वाली एक अमेरिकी फर्म ने अपने एक एनालिसिस में आने वाले सालों में सोने के भाव में जोरदार गिरावट आने की भविष्यवाणी करके सबको चौंका दिया है। दावा किया जा रहा है कि आने वाले सालों में सोने की कीमत में 35 से 38 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना आज 3,148.89 डॉलर प्रति औंस के ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह घरेलू सर्राफा बाजार में भी सोना अभी तक के सर्वोच्च स्तर 92,070 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंच कर कारोबार कर रहा है। माना जा रहा है कि जब तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी उठा पटक शांत नहीं होगी, तब तक सोने के भाव में इसी तरह तेजी का रुख बना रहेगा। बाजार की अनिश्चितता के कारण निवेशक फिलहाल सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोने में पैसा लगाना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इसी वजह से ये चमकीली धातु लगातार मजबूती

000

मॉर्निंग स्टार इंक की रिपोर्ट के मुताबिक सोने के उत्पादन में बढ़ोतरी होने और पुराने सोने की लगातार री–साइकलिंग होने के कारण गोल्ड मार्केट में सोने की उपलब्धता पहले की तुलना में काफी अधिक हो गई है लेकिन एक ओर तो सोने की उपलब्धता बढ़ी है, वहीं दूसरी ओर सोने की मांग में करीब 60 से 65 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी भी हो गई है। वैश्विक अर्थव्यवस्था की अनिश्चितता और बाजार में उतार–चढ़ाव जारी रहने की आशंका के कारण निवेशकों ने सोने में अपना निवेश पहले से काफी अधिक कर दिया है।

इसके साथ ही कई देशों के सेंट्रल बैंक पिछले तीन साल के दौरान अपना स्वर्ण भंडार मजबूत करने के इरादे से अंतरराष्ट्रीय बाजार में जम कर सोने की खरीदारी कर रहे हैं। साल 2024 में अलग–अलग देशों के केंद्रीय बैंकों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार से 1,045 टन सोने की खरीदारी की थी। इसके पहले 2022 और 2023 में भी अलग–अलग देशों के केंद्रीय बैंकों ने हर साल 1,000 टन से अधिक सोने की खरीदारी की थी। इस तरह 2024 लगातार तीसरा ऐसा साल बना था, जब केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीदारी 1,000 टन से ज्यादा की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का माला पहनाकर किया अभिनंदन, उपहार भी दिए

सीएम राइज स्कूल कहलाएंगे अब सांदीपनि विद्यालय

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार विद्यार्थियों को गणवेश, लैपटॉप, ई-स्कूटी, साइकिल, कोचिंग के साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवा कर सही अर्थ में रामराज की कल्पना को साकार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन में मध्यप्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में भी विकास कर रहा है।

प्रदेश के समस्त निर्मित और निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूलों का नाम अब सांदीपनि विद्यालय होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज भोपाल की अरेरा कॉलोनी स्थित शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (ओल्ड कैम्पियन) में आयोजित स्कूल चलें हम राज्य स्तरीय प्रवेश उत्सव कार्यक्रम-2025 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवीन विद्यालय परिसर पहुंचने ही विद्यार्थियों से संवाद किया और इस अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी देखी। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों का अवलोकन कर सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में के.जी.-2 में प्रवेश लेने वाली नन्ही बालिकाओं को माला पहनाकर उनके विद्यालय में प्रवेश की औपचारिकता पूर्ण करवाई। उन्होंने नव प्रवेशी बालिकाओं को उपहार दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और अन्य अतिथियों ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समस्त शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के प्रवेश की कार्यवाही स्कूल शिक्षा विभाग के एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर स्टूडेंट डायरेक्ट्री मैनेजमेंट सिस्टम से किए जाने और इस पोर्टल में स्कूल शिक्षा विभाग से संबंधित सभी कार्यों को शामिल किए जाने की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पोर्टल 3.0 का शुभारंभ भी किया।

प्रदेश में संभाग स्तर पर सफलतापूर्वक हुए इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में संभाग स्तर पर सफलतापूर्वक इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हुए। उद्योगपतियों ने मध्यप्रदेश में उद्योगों की स्थापना में कदम बढ़ाए हैं। ऐसे उद्योगपतियों की संख्या 60 प्रतिशत है। राज्य शासन उद्योगों को समय-सीमा में भूमि के साथ अन्य सुविधाएं दे रहा है। लक्ष्य यही है कि विद्यार्थियों को और युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार दिलवाया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान भोपाल में रात्रि विश्राम भी किया। भोपाल को राजधानी के अनुरूप इस समिट के आयोजन का सौभाग्य मिला। समिट के लिए स्थान की समस्या बताई गई थी लेकिन राज्य सरकार ने जो व्यवस्था की, उससे सभी संतुष्ट हुए और उद्योगपतियों ने टेंट में रूकने में भी संकोच नहीं किया। संपूर्ण आयोजन अभूतपूर्व हो गया। यही बदलते दौर का मध्यप्रदेश है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को दिए ये टिप्स

- विद्यार्थी समय का पूर्ण सदुपयोग करें।
- विद्यार्थी खूब पढ़े भी और खेलें भी।
- विद्यार्थी मित्रता का भी सम्मान करें। श्रीकृष्ण और सुदामा की मैत्री से सीखें।
- विद्यार्थी शासन द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं का लाभ लें।
- सभी विद्यार्थी अपनी बहुमुंखी प्रतिभा से राष्ट्र और प्रदेश का नाम रोशन करें।

मंत्री सिंह ने बताया शिक्षा का महत्व

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि भारत को उन्नत बनाने में शिक्षा का विशेष महत्व है। मध्यप्रदेश में बच्चों के भविष्य को लिखने के लिए ऐसे प्रयास हो रहे हैं, जो पहले कभी नहीं हुए। जब 1 अप्रैल से बच्चे स्कूल पहुंचेंगे तो शासन द्वारा दी गई किताब बच्चों के बैग में होगी। इसी महीने यह कार्य पूरा किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि साइकिल सहित अन्य सुविधाएं भी विद्यार्थियों को समय पर मिलेंगी। समय पर अधिकांश परीक्षाओं के परिणाम घोषित हुए हैं। जो शेष परिणाम हैं वे भी शीघ्र घोषित होंगे। प्रदेश में नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन करवाकर इस नीति को धरातल पर उतारने में योगदान दिया है। विद्यार्थियों को बेहतर से बेहतर शिक्षा, आवश्यक संसाधन और परिवेश उपलब्ध करवाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग संकल्प बद्ध है। मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा कि प्रदेश में जो उद्योग हितैषी वातावरण बना है, वह विद्यार्थियों के भविष्य के लिए है। मध्यप्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में सांस्कृतिक परंपराओं के निर्वहन, पर्व त्यौहार मनाने और शिक्षा में गुणात्मक सुधार के प्रयास किए हैं।

विद्या समीक्षा केन्द्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को शिक्षा विभाग द्वारा बताया गया कि प्रदेश में विद्या समीक्षा केन्द्र के माध्यम से शैक्षणिक आँकड़ों को एकत्र करने और विश्लेषण करने से योजनाओं के क्रियान्वयन में सफलता मिल रही है। शिक्षा प्रणाली की सम्पूर्ण निगरानी को मजबूत बनाकर प्रशासकों और शिक्षकों को डेटा आधारित निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाने में सहयोग मिल रहा है। राज्य और जिला स्तर पर डैशबोर्ड के माध्यम से स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों पर वास्तविक तथ्य जानने का कार्य संभव हुआ है। कार्यक्रम में विधायक भगवान दास सबनानी, भोपाल की महापौर मालती राय, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल ने अतिथियों का स्वागत किया। आयुक्त जनजातीय कार्य श्रीमन शुक्ला ने आभार व्यक्त किया। आयुक्त लोक शिक्षण शिल्पा गुप्ता और अन्य अधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने गुजरात के श्रमिकों की मृत्यु पर दुख व्यक्त किया

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से मध्यप्रदेश निवासी श्रमिकों के असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का गुजरात सरकार से घटना के संबंध में लगातार संपर्क बना हुआ है। श्रमिकों की सहायता और परिवारों की मदद के लिए सभी आवश्यक प्रयास होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से असमय दिवंगत श्रमिकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

मंत्रालय में हुआ सामूहिक राष्ट्र-गीत एवं राष्ट्र-गान

भोपाल, निप्र। अप्रैल माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र-गीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्र-गान जन-गण-मन का सामूहिक गायन हुआ। इस अवसर पर पुलिस बैंड ने मधुर धुनें प्रस्तुत की। वंदेमातरम गायन में खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता, मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, संजय दुबे, सहित सतपुड़ा-विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सामाजिक न्याय में अनुदान आंवटन प्रक्रिया को बनाया पारदर्शी

भोपाल, निप्र। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग से संबंधी सभी शासकीय और मान्यता प्राप्त अशासकीय संस्थाएं वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुदान प्रदान करने की प्रक्रिया को पूर्णत: पारदर्शी बनाया गया है। अब संस्थाएं ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन कर सकेंगे। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण सोनाली वायंगणकर ने कहा कि विभाग द्वारा शासकीय और अशासकीय मान्यता प्राप्त संस्थाओं, जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केन्द्र को अनुदान के आवेदन की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है। यह संस्थाएं विभागीय पोर्टल पर अपनी संस्था की सम्पूर्ण जानकारी सहित मांग पत्र जिला कार्यालय को प्रेषित करेंगी। जिला कार्यालयों द्वारा स्वीकृति और अस्वीकृति पोर्टल पर दर्ज करनी होगी। जिला स्तर पर आवंटन की अनुपलब्धता की स्थिति में अनुशंसा सहित मांग पत्र संचालनालय को प्रेषित किया जाएगा। संस्थाओं को प्रति माह किए गये व्यय की जानकारी भी विभागीय पोर्टल पर दर्ज करानी होगी।

एम्स में कोलोरेक्टल सर्जरी पर आधारित वर्कशॉप आज से

भोपाल, निप्र। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में जनरल सर्जरी विभाग द्वारा एसोसिएशन ऑफ कोलन एंड रेक्टल सर्जन्स ऑफ इंडिया का 28वां इंस्ट्रक्शनल कोर्स और फेलोशिप ऑफ द एसोसिएशन ऑफ कोलोन एंड रेक्टल सर्जन्स ऑफ इंडिया परीक्षा 2 अप्रैल से 6 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। तीन दिवसीय इस इंस्ट्रक्शनल कोर्स में कोलोरेक्टल सर्जरी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों पर आधारित वर्कशॉप आयोजित की जाएगी। पहले दिन सर्जिकल स्टेपलर्स पर, दूसरे दिन स्टोमा एप्लायंसेज पर, और तीसरे दिन प्रोक्टोलॉजी में लेजर के उपयोग पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इन सत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाएगा। देश और विदेश के जाने-माने कोलोरेक्टल सर्जन्स और विशेषज्ञ इस कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा करेंगे। कोलोरेक्टल सर्जन्स वे विशेषज्ञ डॉक्टर होते हैं जो बड़ी आंत (कोलन), मलाशय (रेक्टम) और गुदा (एनस) से जुड़ी बीमारियों का निदान और इलाज करते हैं। इंस्ट्रक्शनल कोर्स के बाद, एसीआरएसआई फैलोशिप प्राप्त करने के इच्छुक उम्मीदवारों को कड़ी परीक्षा प्रक्रिया से गुजरना होगा।

स्कूल चलें हम अभियान : मंत्री भूरिया ने बच्चों को तिलक और पुष्प-माला पहनाकर शाला प्रवेश करवाया

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने झाबुआ जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय देवझिरी पंडा में स्कूल चलें हम अभियान के तहत बच्चों को तिलक लगाकर और पुष्प-माला पहनाकर शाला प्रवेश करवाया। बच्चे देश का भविष्य हैं और हमें उन्हें बेहतर शिक्षा देकर एक सशक्त नागरिक बनाने की जिम्मेदारी उठानी होगी। सुश्री भूरिया ने कहा कि स्कूल चलें हम अभियान से न केवल बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव भी मजबूत हुई है। उन्होंने विद्यालय की दीवारों पर बच्चों के जनरल नॉलेज को बढ़ाने वाले चित्र एवं भारत का नक्शा अंकित करने के निर्देश दिये। मंत्री सुश्री भूरिया ने बच्चों के साथ मध्यान्ह भोजन किया और व्यवस्थाओं की सराहना की।

नियमित अध्ययन और अनुशासन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती : कलेक्टर

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीणा ने बच्चों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नियमित अध्ययन और अनुशासन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालय में टॉपर्स की सूची नोटिस-बोर्ड में लगायी जाये, जिससे विद्यार्थी प्रेरित हो सकें। इस अवसर पर कक्षा-1 से 8 तक के विद्यार्थियों को एनसीईआरटी की पाठ्य-पुस्तकें, स्कूल बैग एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गयी।

कांग्रेस शुरू करेगी कार्यकर्ता पंचायत, संगठन को मजबूत करने की कवायद

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए तरह-तरह के प्रयास किया जा रहे हैं। कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए पीसीसी चीफ जीतू पटवारी प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के साथ मिलकर रणनीति तैयार कर रहे हैं। इसी रणनीति के तहत अब कार्यकर्ता पंचायत का आयोजन करने की तैयारी की जा रही है। इसमें बूथ स्तर के कार्यकर्ता को अपने मन की बात कहने की छूट दी जाएगी। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है। जानकारी के अनुसार इसी माह के अंतिम सप्ताह से शुरू करने की तैयारी है। जीतू पटवारी का मानना है कि इससे गुटबाजी पर भी लगाम लगेगी। दिल्ली की बैठक से लौटने के बाद पटवारी ने कार्यकर्ता पंचायत के नाम से हर जिले में जाने की तैयारी की है, ताकि निचले स्तर के कार्यकताओं और नेताओं से वे उनके मन की बात जान सके। एमपी कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने जब से पद संभाला है, सभी नेताओं को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने आते ही शुरुआती दौर में ही कह दिया है कि किसी प्रकार की गुटबाजी स्वीकार नहीं की जाएगी। जमीन पर काम करने वाले नेताओं को ही तवज्जो दी जाएगी।

कार्यकर्ताओं के बीच जाएंगे जीतू पटवारी

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी कार्यकर्ताओं के मन की बात सुनने के लिए हर जिले के दौरे का प्लान बना रहे हैं। इसके तहत वे कार्यकर्ताओं के बीच जाएंगे और उनकी शिकायतों को लेकर बात करेंगे। दरअसल पटवारी खुद कांग्रेस में गुटबाजी को कैंसर बता चुके हैं, जिसको लेकर उन्हें अपने ही नेताओं की आलोचना का शिकार होना पड़ा है।

एमएसएमई में निवेश और टर्न ओवर की सीमा ढाई गुना हुई

अब बेहतर वित्तीय पहुंच और दक्षता में होगी बढ़ोत्तरी

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप अब सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इकाइयों का निवेश और टर्न ओवर (कारोबार) का दायरा बढ़ाकर ढ़ाई गुना कर दिया गया है। राज्य शासन ने एक अप्रैल 2025 से नए नियम प्रभावी कर दिए हैं। एमएसएमई मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा है कि इस नए बदलाव से मध्यप्रदेश में नवीन उद्योग धंधों का विकास होगा और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम की दक्षता में वृद्धि, तकनीकी उन्नयन और बेहतर वित्तीय पहुंच हो सकेगी।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना अनुसार 1 अप्रैल 2025 से सूक्ष्म उद्यम के निवेश की सीमा एक करोड़ से बढ़ा कर 2 करोड़ 50 लाख और कारोबार की सीमा बढ़ाकर 10 करोड़ रूपये की गई है। पूर्व में निवेश की सीमा एक करोड़ तथा टर्न ओवर (कारोबार) की सीमा 5 करोड़ रूपये थी। इसी तरह लघु उद्यम श्रेणी में निवेश की सीमा 10 करोड़ से बढ़ाकर 25 करोड़ और करोबार की सीमा को 50 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ कर दिया गया है। मध्यम उद्यमों में निवेश की सीमा अब 125 करोड़ होगी तथा टर्न ओवर 500 करोड़ का होगा।

2 टाइगर्स को रेस्क्यू कर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेजा गया

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्य वन संरक्षक भोपाल वृत्त के मार्गदर्शन एवं वन मण्डल अधिकारी ओबेदुल्लागंज के नेतृत्व में परिक्षेत्र चिकलोद के स्टॉफ द्वारा सोमवार को ग्रामवासियों की माँग पर टाइगर्स को पकड़ने के लिये पिंजरे लगाये गये।

वन विहार भोपाल एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की रेस्क्यू टीम, पशु चिकित्सकों एवं स्थानीय प्रशासन और पुलिस के सहयोग से दोनों टाइगर्स का सफल रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू के उपरांत दोनों टाइगर्स का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित ढंग से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेजा गया। भोजपुर से लगे हुए वन क्षेत्र बीट भोजपुर में भोजपुर-ईमलिया मार्ग पर दो टाइगर्स का लगातार विचरण विगत एक माह से बना हुआ था। इन टाइगर्स द्वारा 5 मवेशियों का शिकार किया गया था। टाइगर के विचरण के कारण ग्रामीण असुरक्षित महसूस कर रहे थे। टाइगर्स का खेतों में विचरण होने से ग्रामीण फसलें नहीं काट पा रहे थे। खेतों एवं वन क्षेत्र के मध्य से जो रास्ता निकलता है, वह ग्रामीणों का मुख्य मार्ग है, जिससे ग्रामीणों का भोजपुर, मण्डीदीप और बंगरसिया आना-जाना लगा रहता है। कुछ ग्रामीण मण्डीदीप फैक्ट्रियों में नौकरी करने भी जाते हैं। वन विभाग से ग्रामवासी लगातार टाइगर्स के रेस्क्यू की माँग कर रहे थे। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर भी टाइगर के मूवमेंट के संबंध में लिखा था। ग्रामीणों की माँग को दृष्टिगत रखते हुए वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने दोनों टाइगर्स को रेस्क्यू करने का निर्णय लिया।

मंत्रालय में हुई वेटलैंड प्राधिकरण की बैठक मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा

पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखकर ही करेंगे पर्यटन विकास

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पर्यटन विकास के प्रयासों में पर्यावरण का भी ध्यान रखा जाना आवश्यक है। प्रकृति और पर्यावरण को क्षति पहुंचाए बिना ही पर्यटन विकास के सभी प्रकल्प क्रियान्वित किए जाएंगे।

इस संबंध में समुचित परीक्षण के बाद आवश्यक निर्णय लिए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश राज्य वेटलैंड प्राधिकरण की पांचवीं बैठक मंगलवार को मंत्रालय में संपन्न हुई। बैठक में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में प्रदेश में वेटलैण्ड्स के भौतिक सत्यापन और सीमांकन कार्य की जानकारी प्राप्त कर सभी कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि इसरो-एसएसी-2021 (इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र) एटलस के अनुसार प्रदेश में भौतिक सत्यापन और सीमांकन का कार्य पर्यावरण विभाग के राज्य वेटलैण्ड प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है। यह वेटलैण्ड्स 2.25 हैक्टेयर क्षेत्रफल से अधिक के हैं। यह कार्य राजस्व विभाग और वन विभाग के सहयोग और संबंधित जिला प्रशासन के नेतृत्व में सम्पन्न करवाया जा रहा है। प्रदेश में 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में 13 हजार 454 वेटलैण्ड्स का जमीनी सत्यापन और 12 हजार 741 वेटलैण्ड्स के सीमांकन का कार्य पूरा हो चुका है। प्रदेश में कुछ ही वेटलैण्ड्स शेष हैं, जहां यह कार्य अभी चल रहा है। एक नया मोबाइल एप भी तैयार किया गया है। इस कार्य के लिए प्रदेश के 55 जिलों में लगभग 5 हजार कर्मचारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। मॉनीटरिंग के लिए डैशबोर्ड विकसित किया गया है।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि पर्यावरण विभाग के स्तर पर वेटलैण्ड के भौतिक सत्यापन और सीमांकन कार्य की नियमित समीक्षा की जाए। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा अपर मुख्य सचिव, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के श्री संजय कुमार शुक्ला, अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विनय मिश्रा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स, एलयूएन शेड नं.21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल से मुद्रित एवं बी-104, शास्त्री नगर, जवाहर चौक, भोपाल से प्रकाशित। संपादक श्रीमती शोभना मिश्रा
स्थानीय संपादक- मनोहर राजपूत, मो. 9425910888, 9826022450 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा) *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। डॉक पंजीयन क्रमांक एमपी/आईडीसी/1359/2014-16, RNI. Reg. MPHIN/2013/52154.